|| Paraspar Devo Bhavah ||

Mahamandleshwar Shri
1008 Swami Manishanand Udasin

સ્મરણિકા



Mahamandleshwar Shri
1008 Swami Manishanand Udasin
At. Po. Angareshwar, Bharuch-302030, Gujarat, India

સ્વામી મનીષાનંદજી હસ્તલિખિત સ્મરણિકા

(1) जब तक जीवन पूरी तरह अर्थ हीन नहीं हो जाता, इसका अतिक्रमण नहीं कर सकते, चिपके रहोगे. अनासक्त हो जाओ जो कुछ भी जीवन लाये उसे स्वीकृति देने वाले बन जाओ. सपनों में से निकलो.

(2) सब मार्ग संपूर्ण है — रामकृष्ण परमहंस ने मानवता पर बड़ा उपकार किया है.

(3) धर्म संगठन नहीं, धर्म सिद्धान्त है. धर्म विज्ञान है — विज्ञान में पूरा विश्व एक मत है — धर्म में क्यों नहीं ?. अनुयायी संगठन बनावे है. अनुकरण जिन्दगी नहीं है — जिन्दगी स्वयं नुं उद्घाटन है. तुम जो हो वही बन सकते हो. किसी की नकल न करो.

(4) Reaction & Response — समझो. Self-help & Respect yourself — एक एक कदम चलो — मंजिल दूर नहीं

(5) चतुर आदमी कहेगा — पंखा के सामने सिर हिलाओ. पत्थर में से व्यर्थ तोड़ दो — मूर्ति बन जावेगी. घृणा हटा दो — प्रेम पैदा हो जावेगा.

(6) अमरनाथ पहुंचने के कई साधन हैं जैसे पग से, घोड़े से, पालकी से = परमेश्वर.

(7) आप सज्जन हैं, किसी को देखकर सज्जन न बने. फूल में सुगंध किसी को देखकर नहीं आती है. चिकित्सा न है तो अपनी भूल को चिकित्सा रो. अपने आप को नहीं.

(8) न जन्मे हैं, न मरेंगे, धरती पर सैर करते हैं

(9) हम कुंवारे पर नहीं - स्वयं पर शंका करते हैं

(10) विष्णु अनुकूलता, शिव-प्रतिकूलता - हमें दोनों की पूजा करनी है.

(11) मैंने खोजा है - खोजा-गुरु मान अधिक देगा, मैंने पा लिया है - यह गुरु गा तुम्हारा अपना अस्तित्व. केन्द्र नाभि के निकट है, तुम सिर अथवा पैर में हो, गुरु के साथ पुर्नजन्म है.

2) विश्वास से खोजो, विश्वास करके (क्यों नहीं) केवल जानकारी पर विश्वास मत करो, जानकारी ज्ञान नहीं है, अनुभव ज्ञान है.

3) सन्निपात में मकान उड़ रहा है - आप चिकित्सक को बुलायें - शिक्षक न बने गुरु चिकित्सक है

(14) Mind is the Same – हाथ में छूरा रखो या तलवार रखो.

(15) शिक्षण गरीबों नी मूडी छे, पैसादार नुं त्याज छे बेकोन,

(16) तपेलुंभरी ने सलाह देना, दाणा जेवु ग्रहण करीये छे.

(17) सेतु बांधो – कभी अकेले नहीं रहोगे.

(18) सहनशक्ति अनुसार ही कुदरत वेदना देती है.

(19) नकामी चीज़ को वस्तु नवी बना देती है.

विनोद Jokes

(1) गला ख़राब है – देर से घर आवें – पता चले.

(2) हारमोनियम ने बदले वांसुरी केम – गावे नहीं

(3) सारा बोलो, पड़ोसी खोटू बोले – वंने खोटू बोले छे.

(4) समय सर आव्या – डा., तमे पैसा नी जरूरत हती,

पवित्र-विचार

(20) अन्य नी पण प्राप्त स्थिति जोईये, कोई माथे माछला न धोईये. खुदा ने खुद अेना घर मां स्थान नथी हवे – केवुं पतन छे?

(21) यौवन नी पांखो ने जो होय आंखो – क्या बात है.

(22) टोक्यो शब्द नो अर्थ छे – पूर्व नुं शहेर.

(23) सज्जन फूल है, दुर्जन पत्थर है – समझो बराबर.

(24) शिखर तरफ़ जतो रस्तो सांकडो बनतो जाय छे.

(25) श्रीमंत व्यक्ति की प्रशंसा करने से दारीद्र नहीं दूर होगा. स्वयं को उठाओ – साधना में भी.

26 जो हो गया उसकी चिन्ता न करें - जो हाथ में है वह न जावे - ऐसा चिन्तन करो.

27 कोई बुरा बोले तो बोलने दो - जीवन इतना सुंदर बना लो - बुरा बोलनेवाले पर कोई भी विश्वास न करे. तुम किसी की टीका न करो.

28 जीते जी नर्क, मरने पर स्वर्गस्थ - कैसा दंभ?

29 जीते जी किसी ने हाथ न दिया किन्तु मरने पर कंधा और हाथ दिया लोगों ने.

30 तुम अच्छे लोग मठ छोड़ कर जा सकते हो - चोर यहां मठ में ही रहेगा - चोरी छूट गयी.

31 समाज कायदाओं से नहीं, व्यक्तियों की सच्चाई से चलता है.

36 जूना मकान तोड़कर नया बनाया जाता है जूने मकान की योग्य, स्वस्थ, ठीक दुरुस्त चीज़ें नये मकान में लगायी जा सकती हैं - नये समाज की रचना में योग्य पुरातन लगाया जावे.

33 Black-Board पर सफ़ेद उभर कर दिखायी पड़ता है - महावीर, बुद्ध उभर कर दिखायी देते हैं.

34 मन में शैतान रखकर भगवान के मंदिर में पूजा-पाठ कर रहे हैं आज लोग.

35 नया आविष्कार आते ही शैतान अपना

कब्जा ज़मा लेता है, अच्छे चिल्लाते ही रहते हैं।

(36) संगीत-पूर्ण हृदय ही परमेश्वर प्राप्त करता है।

(37) जीवन में दो दरवाज़े न रखो। पीछे के दरवाज़े से नाटक न देखो, पादरी मरोदय, बैलगाड़ी में दोनो तरफ़ बैल जोत दोगे तो क्या हालत होगी।

(38) परमात्मा का जीवन जीयो, बात न करो।

(39) समस्या खोजो, समाधान मिल जावेगा।

(40) वैज्ञानिक बुद्धि और धार्मिक (हृदय) हृदय से ही आध्यात्मिक विकास संभव है।

(41) खोटा मानस ना हाथे न पहुंचे इसलिये प्रकृति रहस्य छिपाकर रखती है - जड़ता रुका पानी है जिसमें मच्छर पैदा हो जाते हैं।

(42) अंधकार में से निकालने के लिये दुःख आता है।

(43) Your Body Doesnot Lie - By John Diamond.

चिन्ता, निराशा वगैरह से थायमस ग्रंथि पर असर खराब (विपरीत) पड़ने से जीवन शक्ति क्षीण होती है। सीन्थेटिक कपड़ा पहनने से जीवन शक्ति घटती है। तीव्र विद्युत किरणें त्वचा द्वारा शरीर में पहुंचकर वज़न घटावे,

आनंद लावे तेथी जीवन शक्ति घटे छे.
Microwave नो Receiving centre पर
के निकट होने से नबलाई महसूस होती है
7) हास्य, कुदरती वातावरण, कलरव से
जीवनशक्ति बढ़ती है. पहलवान मुट्ठी बांध
-कर छाती ठोकता है तब थायमस ग्रंथि
उत्तेजित होकर शक्ति बढ़ाती है. छाती
के बीच भागपर हलका ठपका देना जरूरी है.
जीभ को तालु से लगावें — शक्ति बढ़ेगी

(44) जहां आनंद नथी, त्यां अध्यात्म नथी.
जहां विचार नहीं वहां जीवन नहीं

(45) आलीशान गरीबी में अमीरों की
बकवास भी Modern में खप जाती है

(46) वासी प्रेम और उधार आनंद में आज का
Modern आदमी जी रहा है, सांस ले रहा है.

(47) संस्कृति पोते बीमार हो तो नाश थाय-
बाहर की संस्कृति से नाश नहीं होता है.

(48) अनुकूल खातर-पानी-पर्यावरण मिलने
से युवा-शक्ति निश्चित जाग्रत होगी.

(49) स्वतंत्रता कायम अधूरी क्रिया होय छे।

(Liberty is always unfinished business)

(50) भूखा मानस स्वतंत्र मानस नहीं होता, क्या आज का युवान स्वतंत्र है? एक प्रश्न है. प्रत्येक नागरिक भारत-पुत्र है. भारत में 18 भाषा और 1652 बोलीयो बोलनारा देश छे. वचन और समय का पालन न करना प्राणशक्ति का क्षीण होना है. प्राण-शक्ति को English में साईकिक Energy कहते है गरीबी क्या है — क्षीण थयेली राष्ट्रीय प्राणशक्ति. मंद प्राण देश अेटले गरीब देश. त्यसनी युवक मंदप्राण कहवाय. बकासुर को भीम ने मारा — आज बकासुर का जन्म गुटखासुर में हुआ है.

जिन्दगी बेवफ़ा है एक दिन ठुकरायेगी,
मौत मोहब्बत है साथ अपने जायेगी.

(51) जीवन प्रेरणा दे, केवल सलाह न दे.

(52) Have a nice-day — मित्र ने कहा — पूरा दिन शुभ में बीते — हमारी जिम्मेदारी बनती है

(53) कठिन को सरल बना दे वह शिक्षक है

(54) परमेश्वर को कविता का विचार आया और नारी की रचना हो गयी.

(55) मोटी आग भड़कावा माटे शुरु आत माचीस से ही होती है.

(56) समाज़ नी वैचारिक गरीबी अधः-पतन की जिम्मेदार है.

(57) संत असमर्थ नथी होतो, ओनी क्षमा समर्थ मनुष्य नी क्षमा होय छे. अध्यात्म और विज्ञान का मेल ही मानवता को बचा सकेगा.

(58) बना बना के ये दुनिया मिटायी जाती है. जरूर कोई कमी है, जो पाई जाती है.

(59) जे माणस पुष्प खिले ते घटना ने चमत्कार न गणे — जगतना महान् जादूगर (भगवान्) नुं अपमान करवानी आ पण एक रीत छे. जीवन नुं अभिवादन करवानुं चूकी जवाय — आ खरी गरीबी. हलकी पुस्तकें भले आप वांचे — किन्तु हलका जीवन आप पसंद नहीं करते. वधा रसों में एक रस अद्भुत रस छे — सहु अद्भुतों मां तू (आदमी) सबसे अद्भुत, जे नीरस छे ते भक्त नथी. प्रेम थी छलकाता, भक्ति थी उभ-राता हृदय अस्तित्व नो उत्सव छे. नवरात्री अेटले अस्तित्व नो उत्सव. माणस ने भीतर एक पुष्प वसे छे — ये हृदय-पुष्प छे — ये दिव्य पुष्प

नी सुगंध ने लोको प्रेम कहे छे. जीवन परम-
- आदरणीय छे तेथी उपासनीय छे
पुष्प खिल सकता है— आप भी खिल सकते हैं.
जिस रास्ते से मानवता खिले - वह ही धर्म है.
परमेश्वर नी कुरियर बनी ने जे सुगंध लावे
तेने ~~पाव~~ पामवानी-शक्ति-प्राप्त व्यक्ति ही युवक है

(60) साहेब, Voluntary Disclosen Scheme
मुजब हुं बे नंबर नी आवक साथे मारी बे
नंबर नी Keeps (रखेल पत्नियां) पण जाहेर
करी दऊ के जेथी बचुं कायदेसर थई जाय-

(61) राम करे तेम अने कृष्ण कहे तेम करो.

(62) Self-Destructive or Self Constru-
-tive attitude बच्चों में बचपन से
ही पड़ जाता है.

(63) तमारा हृदय में एक वृक्ष साचवी राखो
अने कदाच कोई गातुं पंखी आवी चडे.

(64) हमारे पास logic है - Magic नहीं

(65) प्रथम हम अपने को धोखा देते हैं फिर
दूसरों को. यह बात ध्यान में रखो.
अपना हृदय umpire छे. गीता मां

आ तटस्थ Umpire ने उप प्रष्टा कहे छे.
गफ़लत में out हो जाते हो, द्वेष में Catchout,
अधीरता में Runout, लोभ में L.B.W, अने
अप्रमाणिक बनिये तो clean बोल्ड हो जाते हैं
और स्टम्प उखड़ी जाय छे

(66) अंबा माता का भक्त पत्नी पर हाथ उठाता है
वटसावित्री की पूजा करने वाली पति को भूखा
रखती है. शिवमंदिर मां जे स्थान बीलीपत्र
नुं छे - जीवन मंदिर मां प्रेम-पत्र नुं छे, रूठना
प्रेम-शरबत छे.

(67) अहंकार सिगरेट नी राखोड़ी छे, स्वाभिमान
धूपसली नी राख छे - आ राख में सुगंध
छे ॥ Man is a musical animal

(68) सौन्दर्य, माधुर्य, प्रेम, आनंद = हृदय धर्म है

(69) जे सन्मान ना सौदागर छे, ते महान नहीं हैं
और न महान बन सकते हैं.

(70) सवार पड़वानी शुरुआत पड़ होय - आशा राखो

(71) दुनिया अने ज फूल कहेशे, जेनी सुगंध रह जाय
- पोते खरी जाय. जीवन काल कार्यक्रम
मां थी प्रेरणा लयी तेजपुंजमां थी तेज किरणरूप
एकाद सेवा कार्य माटे विचार करो

(78) गुरु ना काम चिकित्सक जेवुं छे - दर्दी नी हिम्मत न तूटे - इसलिये सत्य के सामने करुणा बधु जरूरी छे. सच बोलने के बजाय अंदर से सच की भूमिका में रहना विशेष महत्व है - गुरु अपने शिष्य को लक्ष्य तक पहुंचाने में करुणा का सहारा लेता है - भगवान् बुद्ध और आनंद का पगपाला चलना और राही का कहना, बस सामने ही गांव है, सामने ही गांव है - बस सामने ही.

(79) व्यक्ति मां Common Sense होय तो पत्नी से झगड़ा न करे - हाँ, Common Sense होय तो आदमी शादी-लग्न ही न करे.

(80) पिता कभी नहीं कहता कि पुत्र मेरे साथ रहते हैं - हाँ, पुत्र जरूर कहते हैं पिता मेरे साथ रहते हैं - संतानो अेम केम नथी कहेता के अमे मा-बाप साथे रहीअे छीअे, मां-बाप को भंगार न समझो - पिता ने बेटे से कहा - बेटा, आठ मीटर कपड़ा ला दो - संन्यास लूंगा - बेटा लाया - कातर मंगाकर चार मीटर बेटे को दिया और कहा कि बेटे, कपड़ा रख लो - तुम्हारे पुत्र में

शायद इतना भी संस्कार न हो — मेरे कारण, तुममें इतना तो संस्कार है — बेटे के आंख में आंसू आ गया — कहानी का मर्म समझो.

पर्यावरण नी समस्या

जेम उष्णतामान मपाय डिग्री मां, लंबाई मपाय मीटर मां अेम अवाज नी तीव्रता मपाय डेसीबल मां. 80 डॅसीबल थी वधारे आवाज (तीव्र आवाज) शरीर, दिमाग ने खराब असर करी सके छे. धूम्रपान करता माणसो नी पत्नीओ मां फेफसां ना Cancer नुं प्रमाण घणुं वधारे रहे छे. वातावरण मां सुगंध होय तो Office मां काम करता सौनी कार्यकुशलता वधे छे. वातावरण मां Ozone O_3 ओज़ोन नुं प्रमाण वधे तो कुटुम्ब मां चडमड वधे. O_3 गंध मारतो वायु छे - येना थी मानवी- मानवी वच्चे ना संबन्धो बगड़ता होय छे — वातावरण मां सुगंध फेलावीओ तो ये सुधरे छे. ~~[illegible]~~ कान नो उपयोग फकत सांभलवा माटे ज थतो नथी, शरीर नुं समतुलन साचवानुं काम पण कान करे छे

(81) ज्ञान विना ना जड मान सो कोई उच्च स्थाने पहुंचा होय तो तेओ शतरंज ना प्यादा नी जेम मंत्री, प्रधान अेम कह-वाय छे

(82) Hospital मां नोकरी करुं छूं-

(83) भरी सभामां विना जरूरत बोलने वाला मूर्ख होगा अथवा पागल होगा, या विदूषक होगा.

(84) बादल आप के राज्य में प्रवेश नहीं करेगा - क्योंकि बादल को कर Tax जो देना पड़ेगा

(85) आप की शादी की Expiry Date क्या है?

(86) द्राक्ष खाटी छे के मीठी छे - स्वयं अनुभव करो. पुरुषार्थ उछीना में नहीं मिल सकता है Children read book not revuews. They do not give hoot about the critics

बालको पुस्तको वांचे छे, तेना अवलोकनो के विवेचनो वांचता नथी - आ वाचन नो खरो आनंद छे. फूलों नी सुगंध माणवा माटे फूल ज सुंघऊं जोइये.

(87) माणसो चुंटणी जीत्या पछी भ्रष्ट थाय छे,

(88) रशियन लेखक तुर्गनेव की एक वार्ता छे लगन का विचार, सलाह फिर निर्णय करने

में तीन वर्ष लगाये — पता चला वह कन्या एक संतान की मां बन चुकी थी. समयसर निर्णय लेना सीखो — कहानी का मर्म यही है.

(88) जीवन विकास स्पर्धा से नहीं, श्रद्धा से करो.

(89) शिक्षण अप्रमाणिकता ना कुवा मां कूदी आत्महत्या माटे कदापि न होयी शके, साक्षरता स्वार्थमात्रे नो पर्याय न बनी शके, पतन माटे माणस ने प्रतीक्षा करवी पड़ती नथी. दोषो तो निर्लज्ज अतिथियो छे. पहाड़ की चोटी पर पत्थर पहुंचाने में परिश्रम है, नीचे लाने में कोई श्रम नहीं है. समाज माटी पगा मानवीओ नो मेलो न बने अे जोवानु काम शिक्षण नुं पायानुं काम छे.

(90) जिन्हों ने आप की राह में कांटे बिछाये हैं उनका हांथ भी जरूर जख्मी हुआ होगा.

(91) है ज़मी मिली इतनी कि पैर फैलाते ही दीवाल से सर टकराता है. — गले लगायेंगे.

(92) जब हम न होंगे तब हमारी तस्वीर लोग अपने —

(93) सूर्य डूबा है — प्रतीक्षा शांति से करो — सुबह अपने आप होगी. जो तुम्हारे हांथ में है वह करो — शेष परमेश्वर पर छोड़ दो.

(94) આજનું માણસ હૃદય પર દંભનુ આવરણ રાખીને જીવે છે, એટલે એનાં વાણી અને વર્તન બન્ને માં સચ્ચાઈ કરતા નાટક વધારે પ્રમાણ માં જોવા મળે છે. ઈસ ધરતી ગ્રહ પર મોકલાયેલા રાજદૂત અપને છીયે. સો ટકા (100%) શુદ્ધ માનસ ન ખોજે, હમ સ્વયં 100% શુદ્ધ બને. જીવતા માનસ જેવો સ્વાર્થ નો સુપર Salesman બીજો કોઈ નથી.

(94) Platform Tickets બહુત જ્યાદા બિકે હૈં, — અધિકરેલ દુર્ઘટનાઓં કે કારણ અંતિમ વિદાઈ દેને કેલિયે સબ સ્ટેશન જો જાતે હૈં - ઈસલિયે ટિકિટ પ્લેટફાર્મ કા જ્યાદા બિકતા હૈ

(95) He is the giver, unconditional giver. you are the part of an infinite energy, and by doing you are gaining, and by giving you are attaining, not losing.

(96) Whatsoever comes out of ego is wrong.

(97) Logic leads to suicide, faith leads to supreme life, faith is illogical, it does not ask

faith does not argue, it tries to experience, and experience is only the argument for the man who has faith (FAITH)

(98) काट देता है जो हालात की जंजीरों को, समय का दौर उसी जख्मों में एक दिन गुल खिलाता है.

(99) कागज़ का न जश्न, न सियारी का, आज इक इंसान (फरिश्ते) का जश्न है.

(100) काम करना न और किसी को करने देना, हाथ सर पर नहीं दुःखी रग पर रखना.

(101) बेगुनाही की सज़ा ज़माना यूं देता है जहर देकर जीने की दुआ देता है.

(102) बारीश में भी तालाब समंदर नहीं बनता

(103) दीपक सरे राह ज़ला दिया है और दुआ भी मांग ली है हवाओं में कितना दम है, असर कितना है दुआवों में और अब यह देखना है.

(104) किसी की रक्षा के लिये आर्थिक यत्न की जरूरत नहीं है, क्योंकि सभी जीव अपने कर्मों से जीते हैं, और मारे जाते हैं - कर्म ही रक्षा करता है. फिर भी मनुष्य को शुभ कार्य के लिये यत्न अवश्य करना चाहिये
श्रेष्ठ कार्य करने का संकल्प लो
- देव हमारे अनुकूल बने देव का अनुकूल बनना ही हमारे सौभाग्य का सूचक है.

(105) You just colour it. Do not push the river when two centres meet a new thing is created - and that new thing is love. Hydrogen & oxygen you may have as much as you want - but the thirst will not go.

(106) You desire because you do not have. The seed has become flower for it has come to its total flowering

(107) तमे अति नैतिक छो, तमारुं मनुष्य होवुं पूरतुं छे. तमे ज्यां पण छो, जे कई छो, स्वीकृत छो. जीवन चमत्कार छे - जो इस रहस्य को नहीं जानता - वह विधि भी नहीं जानता - परमात्मा तक नहीं पहुंच सकता है। तमे जे कई छो, परमतत्व ओना थी विपरीत नथी. उसके अंश हो - मृत्यु नहीं, अतिक्रमण की जरूरत है. क्रोध करुणा बने छे. काम प्रेम बने छे - बीज ना उपयोग करो तमे येना फूल नो प्राप्त करी सको, पवित्र संसार मां अपवित्र अणु कई रीते रही शके, मैं किसी के विरोध में नहीं - क्यों कि मैं दृष्टिकोण नहीं हूं - मैं अनुभूत हूं - दृष्टि-कोण द्वैतवादी सर्वदा द्वैतवादी ही होता है.

(108) भीड़ लग जाती है जलते हुये घर के आगे, लोग आते हैं मगर आग बुझाने कितने.

(109) खुलासाओ क्यारे य न करशो - मित्रो ने येनी जरूरत नथी अने शत्रुओ ~~मां~~ ने अेमां विश्वास पड़वानो नथी. प्रथम स्थिरता प्राप्त करो पछी गति विषय विचार करो. दीवाल साथे भी संवाद करना

पड़ता है फ़िर कोई दरवाज़ा खुलता है.
विगत जीवन पथ पर नज़र डालने की इच्छा
नहीं रखता हूँ. मेरा निश्चय है ज्यारे नदी
में नाव छोड़िये - तुरंत काठी नु लंगर भी फ़ेंक दीजिये,
पुल से गुजरो फ़िर पुल भी खाक कर दीजिये
- निश्चितरूप से आप आगे बढ़ेंगे.
दरेक मानस आवतीकाल नुं भूत ~~छे~~ काल छे.
इस जगत में एक बार पसार होना है - अच्छा
काम कर लो अभी, फ़िर यहां से पसार नहीं होना
है. जीवन मां बधा संघर्षों नुं समाधान पण
संघर्ष मां रहे लुं छे - एक संघर्ष और - एक
लड़ाई और.

(110) Life is good because it is painful -
अध्यात्म में दौड़ नहीं, समझ की जरूरत
(111) है. आप के साथ 15 मिनिट चला फ़िर बता
सका कि वे क्लाक में पहुंचेंगे - कोई मंद,
कोई तीव्र चलता है - साधना में भी यही बात है.

(117) सवारे सूर्य उगो - आज नी मोटी घटना छे,
प्रश्न पूछवा - जानवा मोटे जीवता रह्या - आभी
सूर्य नी कृपा छे. मानव संस्कृति ही सूर्य
संस्कृति छे, हम सब सूर्य की ही संतान हैं.

सूये अेटले जीवन. Prayer without Pre-
-sence is no Prayer. एक भरा ग्लास
(पानी से) एक खाली ग्लास रखा गया -
ग्राहक ने वेटर से पूछा - ऐसा क्यों? वेटर
ने जवाब दिया - आप को क्या पसंद है - हम
नहीं जानते - इसलिये दो ग्लास अलग अलग रहवा
हम दो श्वासों के बीच में है - अंदर अने
बाहर - दुनिया भी दो श्वासों नी वच्चे छे,
बे श्वासो नी वच्चेनुं अस्तित्व छुं.
ग्राहकों की भीड़ है, मनुष्यों की नहीं - इस
मर्म को समझो. तीर्थ में भक्त नहीं, प्रवासी
मिलते हैं, मंदिरों में उपासकों की नहीं,
याचकों की भीड़ है.
सोनेवाला बहुमति में है, जागनेवाला लघुमति
में है. प्रसन्नता लय है, भीड़ लय तोड़ती है.
उत्तिष्ठत, जाग्रत - आपणी जात ने कहो -
और उपस्थित रहो.

(113) Please 21ch Insulin का काम करता है
जेम चा मां पुदीना तेम दरेक प्रसंग मां Please
कहवा से संबन्ध मधुर बने छे

(112) भावि नो मार्ग भले भूतकाल मां थी निक

પણ તે માર્ગે ભૂતકાલ માં પાછા જઈ શકાતું નથી.

(115) મેરા સર કટને કે બાદ હજાર સિર કટે ફિર ભી મેરે ધડ પર કોઈ સિર લગ નહીં સકેગા.

(116) કાગડો પોતાના સંવનન કાલ દરમ્યાન બીજા પંક્ષિયોંના માલખામાંથી ઈંડા ફાડી ને ખાય જાય છે — આવો ક્રૂર કાગડો જ્યારે કોયલ પોતાના ઈંડા ચતુરાયી થી તેના માલા માં મૂકી જાય છે ત્યારે તે કેવા સેવે છે

(117) પૂર્વ જન્મ મેં કિસી કા માન-સમ્માન ન કરને સે ઇસ જન્મ મેં ભિખારી બનના પડા હૈ — — ભૂખા સોના પડતા હૈ

(118) જગત મિથ્યા છે, પરન્તુ પૂર્ણ જ્ઞાન કી અનુભૂતિ મેં જગત ભગવત્સ્વરૂપ હો જાતા હૈ.

(119) તબીયત અપની ઘબરાતી હૈ જબ સૂમસામ રાતો મેં, હમ ઐસે મેં ગુરુદેવ કી યાદોં કી ચાદર તાન લેતે હૈં

(120) અમરીકન જગહ જગહ ભીડ દેખકર Taxi-Driver સે પૂછા — Driver દેશભક્ત થા ઔર કહા — સાહેબ, આ દસ્તાવેજી Film છે — ફિલ્મ કા નામ હૈ — પચાસ સાલબાદ.

(121) જી - જીવવું, વ - વધવું, ન - નમ્ર રહેવું —

એટલે જીવન. વિચારશૂન્ય વ્યક્તિને
દાટવાની જરૂરત નથી. માણસ વિચાર-
-શીલ પ્રાણી છે, પણ આધુનિક જીવનની
દૌડ માં એકવાર કદાચ એને વિચારવાની
ફુરસદ પણ નહિ રહે, અને પછી એ
માત્ર એક પ્રાણી બની રહે- બની જશે,
આધુનિક માનવી પાસે આજે શું નથી?
પણ એ માણવાની એને ફુરસદ છે?

(122) માનવી પાપ કરતા નથી ડરતો પણ કરેલાં
પાપ જાહેર કરતા ડરે છે.

(123) Mind suggests but can not solve.
Help, Do not force, force kills and
murders your sons & daughters

(124) Away from me you lose contact
with your self. With me you
are (with me) in more contact
with your self, the ego is not
there. There is no block in
energy.

(125) If you become dependent on
me, I am a drug, but this is

you who can convert me into DRUGS.

(126) With me or without me when you remain the same then I am a HELP. Carry the teaching with you, you are the source of all the energies

(127) Claim your empire — Remain the same while moving into opposites. In pain or pleasure, be the same, In success or failure, remain the same whatsoever happens, let it happen — you remain the same, and this sameness will give you mile stones.

(128) I say — Do not renounce the world because that means renouncing the gift that GOD has given to you. you have not created life, you are not in this world because of your choice. It is a gift — and renouncing it is going against God When you renounce, you say — I choose — this is a will, and will

create ego. When I say do not renounce, I am saying — Do not be a will — Let it happen — allow it to happen. You renounce the situation — You do not renounce the attitude that gets hurt. You do not renounce the heart, mind which is ill — you renounce the world & escape to Himalaya but all that was within you will be with you — it will not make any difference — this is a deception. Create a Himalaya within that is what I mean when I say do not Renounce — create a Silence within so wherever you move, the Himalaya moves with you. Destroy the Mirror you are handsome & beautiful. If you are not handsome, so in Renouncing Mirror you are going to be handsome. It is foolish. The Mirror is

beautiful & good — It helps you. So I say there is only one thing to be renounced that is renunciation — nothing else. Live whole, live in total — it means you live in God. Total (God) throws you into relationship — that relationship is mother, mother-family, society — परमतत्व का दर्शन करने के बाद सम्प्रदाय-भाव बना रहे — ऐसे सम्प्रदाय में रहने वाले ईश्वर के विरुद्ध हैं. God throws you in the World and so called teach you to renounceit — I am not that kind of a Preacher (Guru) — I am with God — with the whole

(129) Whatsoever you do. Be total Anything half-hearted divides you — that is the harm. You should remain undivided unity. In Total surrender there is no need to think on your part. You will

grow — Blindly means as if you have no eyes — And do trust some-body (Guru) who has eyes is leading you — and then you will remain undivided unity — you will grow — And if you can not follow blindly, do not follow at all — Then completely follow yourself then too you remain undivided. To remain undivided is the end, the aim — Both Process will do and the same will be the ultimate (aim) the Result: It depends on you — the same will be the result But the mind always says — Do Both. The mind says: Follow the Master — but follow only those things which you think right — And then where is the following, where is the Surrender? If you are the judge, and you

are to decide what to follow and what not to follow then where is surrender & trust? You go on following yourself, and you ~~think~~ think you are following your Master.

Total surrender to your Master or total following yourself. Do not deceive yourself - {Follow either one in total. Through deception there can be no growth. If there is no total surrender you will get more & more confused.

So this is my suggestion to you - Remain undivided, a unit.

Decide;

① I will follow my Master

or

② I will follow myself.

But when you follow a Master - you accept a HELP which can be

given to you, a guidance which is possible — and can cut many difficulties on the path.
Master or no Master is not the basic thing — The basic thing is the ego.
With ego — nobody can lead you.
No ego — without a Master you can reach.
Follow totally or Do not follow totally — but be total — It is for you to decide.
Remain undeceived by mind and look deep within yourself

130

दुःख से परिचय प्राप्त करो, मैंदो, दुःख भाग जायेगा. आप के पास जीवन है, विचार नहीं. शून्य बन जाओ, Nothing का अर्थ है — आप आक्रमक न बने, प्रतिकार न करें, जो रुकावट है उसे याद न करें; किसी न किसी विचार को आप पकड़े हैं. विचारो हमेशा असलामति पैदा करे छे. अतः शून्य हो जाओ. फिर अपने परिवार को आश्वासन

देने की जरूरत नहीं है। आप की शून्यता की शांति, आप का आनंद सब को प्रभावित करेगा।

(131) You can take my help if you surrender, I will help you even you do not surrender. In surrender you have to follow me totally. If not so, there is no need to make me Master, I can be a mother, father or friend on the path. You can take my help - my help is unconditional.

Do whatsoever you like - but do it totally. If you are total, the transformation is closer. If you are divided, it is almost impossible.

(132) Only silence is holy - so M to me whatsoever good or bad you say is the same. M

(133) Bring your mind with you, then sit before me, and try

to find your mind. He closed the eyes. The more he tried to find mind the more he was disturbed. It was just my absence when I found.

134 Before your Master, you should not hide yourself — Only that is an exposure, talk as an exposure — not as an enquiry — just opening your heart, not asking for anything — and then silence will follow. When you have exposed your mind completely, realized all that is there, a silence comes which belongs to the whole.

135 પૂર્વ રાં કિ પાશ્ચેમ આજ નો માનસ નશા વગર જીવી શકે નહીં. પ્રશ્ન યોગ્ય નશો પામવાનો છે. દ્રાક્ષ કા નશા, ક દ્રાક્ષ કા નશા — કૌન સા નશા આપ ચાહતે હૈં — તમે તમારા જીવન ના માલિક છો. અનાગ્રહ પરિપક્વ બુદ્ધિ કો પહચાન હૈં. શનિ નહીં, આગ્રહ નડે છે, જીવન કો

क्रिया-माधुर्य बनाना आप के हाथ में है.
कर्मशिल्पी बनो, प्रत्येक दिवस सौन्दर्य,
माधुर्य, सुगंध से भर दो. ऐसा जीवन जीओ.
याद रखो - परिणाम से पूर्व पाप मध जैसा
मीठा लगता है - पाप पाके त्यारे दुःखों
से भरपूर कंटक मिलता है.

(136) दरेक सूर्य ने सूर्यास्त होय छे.

(137) ईश्वर स्वयं एक प्रकाश छे, शक्ति छे.
जे मानवी ने साचो राह बतावे छे. जीवन नो
अर्थ समझावे छे - सदाचरण शीखवे छे.
Hinduism - अे कोई धर्म नथी पणते अेक
जीवन पद्धति छे, जीवन रीति छे. हिन्दू धर्म
मां दरेक प्रतीक, दरेक संज्ञा, दरेक व्यवहार,
दरेक विचार पाछल अेक चौकस प्रकार
नी वैज्ञानिक अभिगम है. तत्वज्ञान, भक्ति,
शक्ति थी मांडी ने मानवी ने साची रीते
जीवता शीखवे तेवी तमाम बाबतो नो खजानो
Hinduism मां भर्यो पड्यो छे - जे मात्र
भारत नी भूमि पर ज शक्य छे

(138) घर पसंद करता पहेला पड़ोसी पसंद करो.
(B) हमारे साथ रहो फ़िर हमें पहचान पाओ गे.

(C) જો અંડા ચુરા સકતા હૈ વહ મુર્ગી ભી ચુરાયેગા.
(D) બડા આદમી મુફ્ત મેં નમક દેગા તો
ઉસકા સહાયક મુફ્તમેં રવાડ મંગાયેગા.
(E) બતરવ કા બચ્ચા પાની મેં હી તૈરેગા.
(F) ઇચ્છાનુસાર સબ કુછ નહીં મિલતા, નાવ કો
સદા અનુકૂલ પવન નહીં મિલતા, પ્રયત્ન
અને પ્રસાદ વંને નાં સુમગા મેલ થાય તો સીદ્ધિ
પ્રાપ્ત થાય છે.
(G) ગધેડા કો ઘોડે કે સાથ પાલો ફિરભી
ગધેડા હી રહેગા
(H) આંસુ સ્ત્રીઓ નું શસ્ત્ર છે.

(139) શિક્ષણ સામાજીક પરિવર્તન માટે નું એક સારું માધ્યમ બની સકે છે, શિક્ષણ સે માનસ ની આંખ ખુલે છે, સમજદાર અને દ્રષ્ટિ સંપન્ન બને છે, વિવેક જાગ્રત થાય છે. પગાર બઢ રહી હૈ કિન્તુ શિક્ષણ કા સ્તર ઊંચા નહીં બઢ રહા હૈ.
ઘોડા HORSE કો તલાવ તક લે જાઓ ફિર પાની પીયે ગા. શિક્ષણ પ્રત્યે સામાજીક ઉત્તરદાયિત્વ નો છે, આમાં સામાજીક સંગઠન નહીં, પણ સામાજીક ભાવના (સામાજીક - ભાવના) ઉભરવી જોઈયે. શિક્ષણ દ્વારા

ही वैचारिक क्रांति प्रकटी शके छे अने शिक्षण ही मानव समाज माटे उद्धारक बनी उपकारक नीवडी शके छे.

(140) Bank Balance बढ़ता जाय तो भी मन का Balance न खोरवाय त्यारे एक घटना बने छे ते घटना ना नाम छे – स्थित-प्रज्ञ.

(141) जे एक पैसो खोटो खर्च न करे अने खरे टाले लाख रुपैया खर्चती वखते न अचकाय ते महाजन कहवाय – महाजन नी व्याख्या आ छे. खोटो खर्च करनेवाला लक्ष्मी का अपमान करता है लक्ष्मी विष्णु-प्रिया छे. रसोडा मां कूकर ना प्रेशर बढे तो सीसोटी बगाड़वा मांडे छे, मानव ना B.P. बढे तो क्रोध का प्रेशर वधारे सीसोटी (रकझक) बगाडे छे। I.C.C.U का नाम आप दे सकते हैं – वैराग्य-युनिट. जहां जीवन-मृत्यु आमने-सामने आ कर खड़े हो जाते हैं वह Hospital है.

(142) संन्यासी घरबार का त्याग करने के बावजूद भी जंगल में अपने वृक्ष के पास किसी और संत को बैठने नहीं देता – माली – को भाव बना है – यह सच्चा संन्यास नहीं.

(143) अनासक्ति ही तपश्चर्या है। वनवास काल में राम को दशरथ का पिंडबनों के लिये एक चपटी लोट न मिला - - समय समय की बात है - वशिष्ठ जी ने निभाया। हमें भी हर परिस्थिति में जीना और निभाना सीखना है, मांगना और खरीदना नहीं सीखना है।

(144) दोडनाराओ मोटे मान छे, उल्टा दोडना- -राओ मोटे विशेष मान छे, शीर्षासन से वधारे लाभ प्राप्त थाय छे - एक कटाक्ष,

(145) शुभ-कर्म, प्रभु-स्मरण जहां छे तहां स्वर्ग छे। स्वर्ग जाना नहीं है, जहां भी हो वहां स्वर्ग का निर्माण करो।

(146) सुधरता जाय छे लोको, बगड़ती जाय छे दुनिया, खबर पड़ती नथी आ सडो छे के सुधारो छे? तमे मूलिया थी अलग थयी ने केवी रीते नवपल्लवित थई शकशो? धन साधन छे, साधन धन नहीं है - साधन में धन छे; मर्म समझो!

(147) प्रश्न आप की (मंत्री) रक्षा का नहीं है। वंचारण की रक्षा का है, भारत की

सुरक्षा का है.

(148) ईश्वर कोई व्यक्ति के वस्तु नहीं पण, आपणा द्वारा उभी करवा मां आवेली अंक व्यवस्था छे. प्रभु अेटले संपूर्ण. हम-तुम सब परमेश्वर के ही रूप हैं.

(149) शाला-कालेजो में बच्चे कोरा काग़ज़ की तरह जा रहे हैं और रद्दी की तरह वहां से निकल रहे हैं. मुर्गा बोलेगा तभी सवेरा होगा — यह रूढ़ि ग्रस्त विचार अभी भी लोगों में बना है. रूढ़ी कबरिस्तान है. ॥ मूर्ख मानवी नुं हृदय अेनी जीभ छे, बुद्धिशाली मानवी नुं हृदय अेनी वाणी छे.

(150) मेघधनुष्य ना बधा रंगो दुनिया मां छे.

(151) (Joke) साहेब पैसा पड़ावनार बदमाश को पकड़ना कठिन है, हां, पैसा आपनार को पकड़कर Case बना सकते हैं — बदमाश की मदद क्यों किया?

(152) बुद्धि नी वृद्धि नहीं शुद्धि ज युग नी संस्कृति नी साची ओलखाड़ छे. ज्ञान-विज्ञान का सही उपयोग शीखना है — शुभ बनो!

(153) अहंकार को तोड़ो नहीं – विराट में विलीन कर दो। जो कुछ है तुम्हारा है, प्रभु।

(154) एक वर्ष माटे दाणा, दश वर्ष माटे वृक्षो, जो तमे 100 वर्ष माटे योजना करता हो तो बाल को उगाडो, जे समाज मां शिक्षक गरीबड़ो होय ते समाज तेजस्वी नहीं बनी शके। आचार ग्रहण करावे ते आचार्य, ज्ञान ना विषय ने व्यवस्था अर्पे, बुद्धि ने व्यवस्थित करे ते आचार्य।

(155) Vegetarian & Non Vegetarian दो प्रकार की लड़ाई आज है।

(156) कान कचरापेटी न बने, फूलदानी बने। आजे मानस पासे T.V. Set, Radio Set & Sofaset छे फिर भी upset छे

(157) शब्दकोश थी बोले ते पंडित, आत्म-कोश थी बोले ते संत।

(158) Synoptic सिनोप्टीक = जे जीवन ने सतत जुए अने Total जुए ते सिनोप्टिक Philosopher छे।। Strollers – हरता-फरता मणावनार

(159) Symposium – विचार गोष्ठी (सिम्पोजियम)

(160) जीवन जीववानी साची कला पोतानी मूल

शोधीने उकेल लाववा मां छे.

(161) 20 years young girl married a man of 60 years — young girl's hobby — to collect old things — — This is a Joke.

(162) स्वयं स्वतंत्र होकर घूमना और कहना — देश अच्छा है. पकड़े जाने पर कानून-कायदा की दुहाई देना. (पतंगिया और गरोली की कहानी)

(163) He who is not forgotten is not dead

(164) भूख जीतना श्रेष्ठ, अन्य की भूख को तृप्त करना सर्वश्रेष्ठ छे.

(165) शिव थी भोग, कृष्ण थी मोक्ष मले छे.

(166) प्रेम जलस्नान है — स्वच्छ करता है और प्रेम अग्निस्नान है — शुद्ध करता है. बुद्धि परिधि में फ़रफ़ार इच्छे छे — मेरा बंगला नाना से मोटा बनी जाय. प्रेमी हृदय इच्छे से मारू तारू बनी जाय. गुणवान को चाहना अे गुणवान की विशेषता है, दोषित को चाहना अे विशेषता आपणी छे.

(167) आप पूछते हैं, प्रेम करने से क्या मिलेगा और मैं पूछता हूँ, घृणा करने से क्या मिलेगा?

(168) कुवां खोदते समय पत्थर पहले आता है और फिर पानी आता है. ज्ञानी ऊँचे बैठने की इच्छा नहीं रखता है, किन्तु जगत ज्ञानी को कभी नीचे बैठने नहीं देता है. जगत मुझे अच्छा माने - आ विचारणा बुद्धि नी छे, जगत मने सारु लागे आ लागणी हृदय नी छे.

(169) क्रोध खराब छे - हम रखना पसंद नहीं करते हैं. प्रेम शुभ - अच्छा है - हम निकालना पसंद नहीं करते.

(170) विज्ञान से जीवन सुविधा मय बन सकता है, परन्तु मनुष्य को मनुष्य नहीं बना सकता है.

(171) दोष-दृष्टिवाला पुरुष बीजा ना निर्दोषिता जोईने दुःखी थाय छे - दूसरों की खुशी अगर हमें दुःखी करती है तो निश्चित है कि हमारी खुशी से भी दूसरे दुःखी होते होंगे.

(172) डोरी पर कपड़ा बदलता रहता है - डोरी का अस्तित्व सर्वदा वही का वही बना रहता है.

(173) सहन करने की शक्ति है फिर भी द्वेष प्रतिकार-विरोध करेगा. यह द्वेष का स्वभाव है.

(174) किसी का व्यवहार देखकर शंका न करो, और

तुम्हारा व्यवहार शंका पैदा न करे.

175 नकारात्मक विचार आते ही विवेक से निकाल दो, मन में रखो नहीं – जैसे मल-मूत्र को शरीर से निकाल देते हो वैसे नकारात्मक विचार निकाल दो – नहीं तो मानसिक रोगी हो जाओगे.

176 अपेक्षा दुःख का कारण है, उपेक्षा सुख है.

177 दर्दी के प्रति Doctor सहानुभूति रखता है किन्तु रोग के प्रति कठोर होता है = गुरु का गुण यही है.

178 पानी को बर्फ बनाने से Freeze फ्रिज का नुकशान नहीं होता है – गुरु का स्वभाव मीठा है.

179 जहां नहीं हो ही नहीं वहां पूर्ण करने का वचन देना राजकारणी का स्वभाव है, आदर्श विचारों में है, आचरण में नहीं.

180 परमात्मा से आप का संबन्ध है परन्तु भरत, हनुमान के रावण = कि स का टिकाई.

181 समाज के सामने मूर्ख बन जाओ, चूर्ण बनो.

182 Platform पर Guard को लोग पीट देते हैं – जल्दी सूचना दिल्ली से मंगो – हम आगे क्या करेंगे (एक मजाक)

183 अंधेरे में एक किरण भी मार्ग बनाती है.

(184) વન માં તપ નો પ્રભાવ વર્તાય ત્યારે તપોવન સર્જાય. ભારતીય સંસ્કૃતિ એટલે તપોવન સંસ્કૃતિ, આજે Library લગભગ વિદ્યા બની જાય તેવી આબોહવા છે. થોડાક તેજસ્વી અને જિજ્ઞાસુ વિદ્યાર્થીયો ને કારણે વિશ્વ-વિદ્યાલય જીવી રહ્યા છે. થોડાક પુસ્તકપ્રેમી અધ્યાપકો મરતો universities ને પ્રાણવાયુ પૂરો પાડે છે. જીવન-દીક્ષા અને જ્ઞાન-દીક્ષા સાથો સાથ મળવી જોઈયે. Never does - - nature say one thing and wisdom an- - other. ☒ દેખીતા માનસ માં લગભગ સાચા માનસ ગેરહાજ઼ીર હોય છે.

(185) દરરોજ મંદિર જાવે, વારંવાર પ્રણામ કરે તેથી કોઈ સજ્જન છે એમ માની ન લેવાય.

(186) લોકશાહી માં મત આપીને પછી ઉપર થી આવતાં હુકુમને અનુસરવાનુ હોય છે જ્યારે સરમુખત્યાર શાહી (સરમુખત્યારશાહી) માં માત્ર હુકુમ અનુસરવાનુ હોય છે

(187) હાંથ માં રેહેલું કાંટા વિનાનું ગુલાબ એતો મૃતુદેહ છે. અસલી જીવંત ગુલાબ કાંટા ની વચ્ચે જીવે.

(188) Communication માટે 6 W' ના ધ્યાન રાખો :—

(1) Whom — સંદેશો કોને આપવાનો છે,
(2) Why — સંદેશા શા માટે,
(3) What — સંદેશા ની વિગત
(4) When — બાતચીત ના યોગ્ય સમય,
(5) Which (Way) — બાતચીનું માધ્યમ,
(6) Where — બાતચીતનું યોગ્ય - સ્થળ,

(189) વર્ષો થી જે વિચારસરણી માં તમે ઉછર્યા હોય તેને બદલવી તે કામ દારૂડિયો દારૂ છોડે દે તેનાથી વધુ કઠિન છે. વાસ્તવિકતા કઠોર છે, તે ભલીભલી વિચાર-સરણીઓ નાં છક્કા છોડાવી દે છે. બદલતી જતી કઠોર વાસ્તવિકતા જૂની વિચારસરણીઓ (Ideology) આઈડીઓલોજી નું કતલખાનું છે. ~~III~~ મન વિચારાલય છે, એમાં નિર્મલતા પ્રતિષ્ઠિત થાય તો એ દેવાલય બને. III આપ વટ પાડવામાટે બોલો છો કે વાટ ચીંધવામાટે. III સંભવ હૈ કિ મશીન માનસ કી તરહ વિચારવા લાગે વિજ્ઞાન કી પ્રગતિપર, પરન્તુ ભય યહ હૈ કિ માનસ મશીન કી તરહ વિચારતો ન થઈ જાય,

(190) ઘણી વખત case કે સાથ સાથ વિવેકભી file કર દેતે હૈં. III રાજનીતિજ્ઞ એ છે જેની ઇચ્છા છે આપણા દેશ માટે કુછ કરું, રાજકારણી એ છે જે ઇચ્છે છે કે દેશ મારે માટે કરે, અને દેશ ન કરે તો સીધી બાત છે એ દેશનું કરીનારવે. ### સત્ય કા આચરણ આપ સ્વયં કર સકતે હૈં કિન્તુ સત્ય કા આરોપણ કિસી મેં નહીં કર સકતે હૈં. ### જે સગવડો તરફ સતત નજર રાખે છે તને સિદ્ધિ મિલતી નથી.

(191) પ્રથમ નંબર આને પર "અભિનંદન". ધન્યવાદ Sir, હાં આશા છે આપ papers દરવર્ષ મારા પપ્પાનાં પ્રેસ માં છપાતા રહો — પ્રતિભાવ આપતા વિદ્યાર્થી.

(192) અમૂલ્ય શું છે - સમયોચિત સહાયતા.
શુત્રરોગ શું છે - અકર્મણ્યતા
વિષ શું છે - મોટા ના અપમાન.
મૃત્યુ શું છે - અપયશ.

(193) કુસંસ્કારો Time-Bomb જેવા છે.
સુસંસ્કારો Generator જેવા છે.

(194) American — હમ Public કો Private life મેં દખલ નહીં કરતે હૈં — Indian

हम नेताओं की Private life में दखल नहीं करते हैं – नेता कहां से पैसा लाता है.

(195) Healthy Person स्वस्थ व्यक्ति Doctor को रुपैया दे और जब बीमार पड़े तो Doctor बीमार व्यक्ति को रुपैया दे. Doctor का हिस्सा निकालते रहो बीमार नहीं पड़ोगे.

(196) जन्म-बाद बच्चे का शृंगार करो, शहनाई बजाओ, गीत गाओ, किन्तु मां दूध न पिलाये तो बच्चा कैसे जीवित रहेगा, दूध नाम है संस्कार. गीतामर्म समझो.

(197) आत्म श्रेय नुं श्रेष्ठ अदृष्ट पगथियो शुभ-भावना छे.

(198) Service करना अने Career बनाना आ बे मां तफ़ावत छे. (1) Low Self-Monitor अने High Self-Monitor. प्रसंगानुसार पोताना वर्तन बदलता रहे ते L.S.M छे. समय, संजोगो ने ओलखी बधा ने अनुरूप वर्तन करता रहे ते High Self-Monitor.

(199) ढोल सफ़लता का ही नहीं वफ़ादारी का भी पीटना चाहिये.

(200) सुखों के साथ सरी जाय छे बचा मोटी, पड़े छे भीड तो खावा ना कसम नथी मलता.

(201) घाबू भराई ने मज़बूत थयी जाय पछी टेका नी जरूरत रहती नथी. तमे एक छोड़ बावो अने दररोज़ खेंचता रहो के चोटी गया छे अथवा नहीं — तो केवी रीते चौंटी शकसे — विचार करो.

(202) मोडा आने से निकाला गया, जल्दी आने से निकाला गया, समयसर आने से भी निकाला गया. दो बात (मोडा, जल्दी) तो समझ में आ गयी. तीसरी (समयसर) नहीं समझ में आ रही है. आरोप लगा कि भारतीय होकर विदेशी घड़ी पहनते हो. इसलिये समयसर आने से निकाला गया.

(203) मेरे हर आंसू में खुश्बू, मेरे हर ताल में राग, अब तो हर सांस में शामिल तुम्हें देखता हूँ मैं!

(204) समाज मां थी कुरिवाजो ना साथ चाल्या गया होय तो पण तेना लीसोटा हज़ी अवाज़ ज़ेरी छे

(205) स्वीकारेलु ज्ञान वेद छे. मुक्तजीव, बद्धजीव, बद्धजीव मां त्रुटियां छे. ① भूल की संभावना. ② मोहित थवानी मोह अटले जे नथी तेनो

स्वीकार. ③ छेतरवानी वृत्ति. वेदनुं बीजुनाम श्रुति छे. श्रवण थी जे मले ते श्रुति. श्रुति माता समान छे, ते प्रयोगात्मक ज्ञान नथी. अे कहे के आ तमारा पिता छे ते स्वीकारवु पड़े, स्वीकारी लेवुं जोइये. अहां प्रयोग ने स्थान नथी, त्रण जात ना पुरावा छे ① प्रत्यक्ष ② अनुमान ③ शब्द. प्रत्यक्ष अने अनुमान थ की मलेलु ज्ञान अपूर्ण छे, वैदिक ज्ञान ने शब्द प्रमाण कहेवाय छे. श्रुति अेटले शब्द श्रवण.

(206) मृत्यु से शा माटे डरो छो ?

कालीदास कहे छे – मरण प्रकृति छे, जीवन विकृति छे. मृत्यु से ही जीवन का अर्थ समझ में आता है. अेक अवस्था बदलाय ते मृत्यु छे बीजी अवस्था स्वीकारी अे ते जीवन छे. कहां जाना है खबर नहीं, व्यवस्था की जानकारी नहीं, इसलिये हम सब मृत्यु से डरते हैं.

(207) अहंकार पोला ढोल जेवा छे तेना अपर अेक थपाट पड़तां ज ते गाजी उठे छे.

(208) मंदिर पवित्र नथी, जे पवित्र छे ते मंदिर छे.

(209) खुली आंखे जे परमात्मा ना दर्शन करे ते ब्रह्मनिष्ठ.

(210) रामकथा उल्टा करो = थाक मरा.

(211) बादशाह अकबर के दरबार में एक पोपट का लाना, बस एक भूल, बस एक भूल का रटन करना. मंत्री का भरवाड से मिलन, भरवाड ने कुत्ता मंत्री के कंधे पर आसीन करके दरबार में गया और भरवाड ने उत्तर दिया: "मनुष्य अपने स्वार्थ के लिये भय के कारण कुछ भी समझौता कर सकता है. मनुष्य की सबसे बड़ी भूल यही है अपने बचाव में गलत रास्ता स्वीकार कर लेता है.

(212) आप से समझौता करने में मुझे भय नहीं है, हाँ, भय से किसी से समझौता नहीं करता, Guns & Bombs आ मानवी नी निष्फलता ना प्रतीक छे.

(213) हलचर अने खांड मिलाकर खाने से चतुर नहीं होता है.

(214) Let us go to a picture House. Do not fear. I am not a MAN of that kind. Do you lack Something. क्या आप में कुछ खराबी है?

(215) America માં છૂટાછેડા સાવ સરલ છે, આ લીધે તહીં ની છોકરી લગ્ન સમયે રડતી નથી.

(216) કૂતરા ને રાજા બના દો ફિર ભી જૂતા ચાટેગા
સંસ્કાર-સ્વભાવ બદલના મુશ્કિલ હૈ

(217) અપની પ્રકૃતિ (સ્વભાવ) કા નિગ્રહ સંભવ નહીં, સુધાર કરો, અપના સુધાર કમ સે કમ એક નવા અચ્છા માનસ સામજ કો મિલેગા, સમાજ મેં એક ખરાબ આદમી કમ તો હો જાવેગા.

(218) સર્વ જીવો ના કલ્યાણ ચાહના અંજ દિશા છે.
" " કલ્યાણ અર્થે પ્રાર્થના અંજ ભિક્ષા છે.
" " માં પરમાત્મા ના દર્શન અંજ શિક્ષા છે.

(219) ભર ચૌમાસે ખાલી રહે, તે કૂવો ઉનાલે કેમ ભરાય!

(220) ઇંસાન લાપતા હૈ, કફન બાકી હૈ.

(221) Husband: you want to go to your mother, said to his wife.
Wife :- NO, I will ask my mother to come here, said to her husband

(222) ગુલાબ સાથે રહી ને રહ્યો એ કંટક. કહે છે કોણ કે સોહબત નો રંગ લાગે છે!

(223) મગજ સે નહીં, નજર સે આપ દેખતે હૈ, ઇસલીયે અલ્પ કો 'ચમત્કાર' લગતા હૈ.

(224) Friendship is the inexpressible comfort - मित्रता एक अवर्णनीय दिलासा है. And we are safe with the friend having neither to weigh thoughts nor measure words. शब्दों तोलना पड़ता नहीं, मापना पड़ता नहीं

(225) भूला पड़ा हुआ तो भी कहे छे के अमे नवा रास्ता ढूंढता (शोधता) हता.

(226) पवित्र, पावन चारित्र

अपने चरित्र को स्वयं संभालो. अगर बदनामी होगी तो आप किसी के मुख पर ताला नहीं लगा सकते है. लोगों की जीभ हिलती ही रहेगी. चारित्र आप का अंगत जीवन है. चारित्र और प्रतिष्ठा का सीधा संबन्ध नहीं है. प्रतिष्ठा का संबन्ध समाज के साथ है. खराब चरित्र वाले समाज में प्रतिष्ठा रखते है. सुंदर चारित्र होते हुये भी कुछ लोग समाज में प्रतिष्ठा नहीं प्राप्त कर पाते है.

चारित्र व्यक्ति ना अंगत गुणों. ना संग्रह छे.

चरित्र = विवेक, मित्र, विचार, वर्तन, मर्यादा अने संस्कार के आधार पर ही चरित्र कैसा है अनुमान लगाया जाता है. अपनी Duty धर्म के प्रति जो जाग्रत है वह चरित्रवान है. आत्म-विश्वास जिसमें नहीं है वह अपने चरित्र को भय के कारण कहीं भी बेच सकता है. जो अपने आप पर विश्वास नहीं कर सकता उसपर कोई भी विश्वास नहीं करेगा. अपने प्रति, धर्म, देश, कार्य के प्रति वफ़ादार रहनेवाला चरित्रवान है.

(227) माँ की गोद में बच्चे की तरह बैठ जाओ, विधि, मंत्र, प्रार्थना, पूजा की जरूरत नहीं है - विश्वास रखो माँ की गोद में रहने वाले बालक का ध्यान सब तरह से माँ रखती है. माँ का सहारा ही दुःख हर्ता है.

(228) घर से निकला, दो Miles से पाछा आया, पत्नी को कहा, 'फ़ानस बुझा दो'; पत्नी ने देखा पति के हाथ में जूता है और पूछा, जूता घिस न जावे इसलिये हाथ में रखा है. आदमी कितना कंजूस हो गया है. परमात्मा के प्रति कंजूस न बनो.

(229) शिक्षण थी कदाच समझदारी बधती हशे, परन्तु अे समझदारी सज्जनता सर्जी शकती नथी — शिक्षित समाज मां बनता बनाओ मां थी ~~तरवा~~ तारवी शकाय तेम छे.

(230) Parliament मां one Minute का खर्च है 7000/= सात हजार रु.

(231) सूपणा जेवो बनो, चालणी जेवो नहीं. सूपणा का स्वभाव अच्छा रखना और खराब बाहर निकाल देना. चालणी खराब अंदर और अच्छा बाहर = मर्म समझो.

(232) केवल हथोड़ा ठोकने से मूर्ति नहीं बनती है तेम मानवी ने केवल उपदेश थी मानव बनी शके नहीं.

(233) राजकीय क्षेत्रे सिद्धियों ना आंकड़ा करता कौभांडो ना आंकड़ा वधारे छे. चार रस्ता पर उभा थवा थी कछु खबर पड़ती नथी. एक मार्ग नक्की करके चलो पछी खबर पड़े छे के मार्ग साचा छे के खोटो अने कदाच खोटो मार्ग पकड़ायी जाय तो पाछा आवी ने मार्ग बदली शकाय छे, भूल सुधारी शकाय छे, मात्र चौराहे पर उभा उभा रहवा थी विचार करवा थी कछु

ख़बर पड़ती नथी. किनारे उभी नावड़ी सौ थी सलामत होय छे. परन्तु किनारा पे उभी राख़वा माटे नवड़ी बनावंवा मां आवी छे? आजे व्यक्ति मां अक्षरज्ञान के बजाय राजकारण ना ज्ञान वधारे देखाय छे.

(234) सूर्यपुर का अपभ्रंश सूरत है अने सूर्यपुर की पत्नी रन्नाडे का अपभ्रंश रांदेर छे.

(235) जीवन नुं अभिवादन धर्म छे, ज्यां जीवन नुं अपमान छे ते अधर्म छे. गुलाब ने चिमली नाखो तोय तेनी छूटी पड़ेली पंखाड़ियो धरती पर शोभे छे.

(236) You are asking the Rate (भाव) — it means you are not in Govt. Service. Are you in Private सार्वीस

(237) (A) कांटो से भरी है ये जिन्दगी
दर्द की दास्तान है ये जिन्दगी
कर्कश स्वर गान है ये जिन्दगी
टूटा साज़ है ये जिन्दगी

(B) नज़र का फ़ेर है, रण नहीं समंदर है
दिशाओं का फ़ेर है खाली, सूरज़ तो सूरज है
ऋतु का चक्र बदलता रहता है
किन्तु मूल (पेड़) तो वही का वही है

फ़रक पड़ जाता है रंग में, धड़कन तो वही है.
चन्द्र के कद में हररोज फर्क पड़ता है
पड़े ना फ़ेर किरण में, स्वभावे हूँ सोऽहम छूं.

238 (A) हे परमेश्वर, कितना दुःख सहा है और
बदनामी भी कितनी, फ़िर भी कुछ
कमी नज़र आती हो तो दरगुज़र करशो.

(B) मली छे अमी झरती आंख तमने
फ़िर हलाहल विष नज़र में क्यों.

(C) आ तिमिर में मिलो या न मिलो
आ विचार मां हूँ जलतो रहूं छू.

(D) हूँ फूल नी सुगंध छू, चाहो या न चाहो
तोय पेसुं श्वास मां

(E) केवुं नकशी काम करे छे समय दिलों पर
हूं पण तारु नाम (ईश्वर) दिले कंडारी बेठो.

(F) काम नुं नाम ज नहीं तोय कहां नवराश छे.

(G) पल नो भरोसो नथी अे मर्म जाणनारा
स्वप्नो ने सजावे छे सत्यो ने अवगणी ने.

(H) मार्ग मां अपशकुन थई जाय तो सारु केमके
ते पाछा तो आवी जशे.

239 संपूर्ण निष्फलता की तैयारी करो, जबर-
-जस्त सफ़लता मिल जावेगी.

(240) (A) सच बोलने का फायदा यह है कि फ़िर कुछ याद रखने की जरूरत नहीं पड़ती.

(B) सुख अटले सारी तबीयत अने खराब याददास्त.

(C) जिन्दगी विघ्न दौड़ है. संभालकर दौड़ो.

(D) जिस खेत को पड़तर (खाली) रखते हो समय उसी खेत में मबलख फ़सल उपजावे छे.

(E) सबकुछ प्रारब्ध से (पूर्व से) निश्चित है किन्तु जीववुं केवी रीते अे आप पर है.

(241)
(242) आप नाना तो बन गये, किन्तु नानो न बनशो, प्रेम अने विश्वास थी जीवन मां सुगंध प्रगटे छे, विसंवाद के विखवाद न होय, संवादिता नी सुगंध होय तो जीवन मंगल तीर्थ बनी जाय छे.

(243) प्रशंसा नी खरीदशक्ति पैसा करतां घणी वधारे होय छे, खुशामत नी भूख अंक विकृति छे, किन्तु प्रशंसा नी भूख अे मानवी मात्र ना मन नो साहज़िक व्यापार छे.

(244) (A) प्रश्न - पहेलां दिवस हतो के रात = उत्तर = दिवस के रात अंकेय नहीं = ज्यार थी दुनिया छे त्यार थी रात दिवस छे

(B) प्रश्न - वधारे बलवान कौन जीवन के मौत = उत्तर = जीवन,

(C) मानस ने क्यां सुधी जीववा जोईये - उत्तर = जबतक मौत भली न लगे

(D) उपरोक्त जवाब में सबसे खराब जवाब किसका. उत्तर = आमां बधा ना जवाब एक बीजा थी खराब छे.

(245) साची जिज्ञासाने ज्यारे प्रोत्साहन मले छे त्यारे अे सर्जन नुं रूप धारण करे छे

(246) (A) कोई पण चीज़ नो अतिरेक नुकशान कर्ता छे, वधु श्वास लेवो ते दम नी निशानी छे.

(B) जैसे कांटो में से सुगंधित फूल ले लेते हो वैसे सब में से गुण ग्रहण कर लो.

(C) जाड़ा चोखा, थोड़ा पीवानुं पानी मले तो पण हुं आनंद में रही शकुं छुं. धन अने मान तरता बादलो समान लागे छे.

(D) घर ना दाज्या वन गया, वन में लागी आग.

(E) घड़ियाल बंद पड़ी जाय तो भी समय आगल चलता होय छे

(F) प्रत्येक पुष्प नी पोतानी मातृ-भाषा होय छे, जेने सुभाष कहे छे. आभाषा सीखवी (शीखवी) नथी पड़ती, पुष्प ना अस्तित्व साथे अेनी सुवास आपो आप प्रसरती रहे छे. जे शीखवी पड़े अे अन्य भाषा होई शके, मातृ-भाषा नहीं. मातृ-भाषा सहज छे अने सहजता छूटी जाय तेवा समाज ने पोतानी गरीबी जालवी राखवानो अधिकार छे.

(G) प्राप्त में शांति का अनुभव करो. मानस बनो पछी वधु तमारा पाछल पाछल आवशे.

આજનો દિવસ વંદનીય છે. જે છે તેનો ઉપયોગ માણી શકતા નથી, જે નથી તેની પાછળ દોડ છે અને દુઃખી થાય છે. સુખ ને અપને પીછે દોડવા દો તો તમે સુખી થઈ જશો. પ્રતીક્ષા કરના અપની HOBBY બના લો.

(246) સ્વાતંત્ર્ય વિના કોઈ છોડ ઉગી શકતા નથી, પુનિયા ની કોઈ ઇમારત પાયા વગર ટકી સકતી નથી.

(247) રાજકારણી અપને સ્વાર્થ સિદ્ધિ વાસ્તે ગાંધી પર બેઠને કે લિયે તૈયાર હૈ હૈ, ઔર લોભ મેં ગાંધા બનને કે લિયે ભી તૈયાર હૈ.

(248) વિનિત નારાયણ પોતાના રસપ્રદ આંકડા આપે છે — આપના દેશ ઉપર 92 અબજ ડોલરનું વિદેશી દેવું છે અને વિદેશી બેંકો માં ગુપ્ત ખાતાઓ માં આપના મૂર્ધન્ય રાજકારણીઓ નાં 110 અબજ ડોલર જમા પડ્યા છે.

(249) સામાન્ય માનસ માટે Films & T.V. માત્ર ભોજન છે, સાહિત્ય ચોકલેટ છે પરંતુ સ્વાદહીન બનતી છે. તાર નું બંધન છે તો સિતાર નું અસ્તિત્વ છે. ચર્મ કા બંધન સંસ્કાર, સંયમ વગેરે કા અસ્તિત્વ પ્રગટ કરતા હૈ.

(250) A – धीरे धीरे बरसात ज़मीन में उंडो उतरे छे.

(B) बे-चार वर्ष ना बालक विचार करे के Ph. D. मलवी जोइये तो तमे ते बालक ने डाह्यो मानसो के गांडो? पायो जेटलो उंडो इमारत ऊंटली मज़बूत, आयुष्य ऊंटलुं वधारे.

(C) अधिरायी अे अत्यन्त ख़राब प्रकार नी झड़प छे. उतावल गोथां खेवडावे छे, जेवो अति वेग थी दौड़े छे तेवो रस्ता मां पड़ी जाय छे.

(D) अे काम पांच मिनिट मां केवी रीते करवुं अे सीखता मारां उ० वर्ष लागी गया छे.

(E) Dr. कूपर आठ वर्ष मां Dictionary डिक्शनेरी तैयार करी, पत्नी सब कागज़ जो तैयार था जला दिया, Dr. कूपर शांत रहे और कहा, आठ वर्ष और हमें जीना पड़ेगा – मेरी उम्र बढ़ गयी.

I can think – हुं विचारी शकुं छूं.

I can starve – हुं भूखे रही शकुं छूं.

I can wait – हुं राह जोई शकुं छूं

जेमां आ शक्तियो होय तेवी माटे कंई ज अशक्य नथी.

(251) हुं धीमे चालुं छुं पण कदी पाछल चाल तो नथी.

(252) व्यक्ति को मित्र न बनाओ, तेने ओलखो.

(253) जल में डूबनेवाले को बचा सकते हैं, किन्तु वासना में डूबनेवाले को बचाना कठिन है.

(254) सफल नेता में त्रण गुण होना चाहिये — — तर्क बुद्धि, निर्णय शक्ति, अमल करने की शक्ति.

(255) शिकारी की पुत्री बीन बजाने में प्रवीण थी. मृग बीन पर मस्त था. एक दिन आंगन में पुत्री बीन बजा रही थी, शिकारी पिता आया — मृग के मर्म स्थान पर तीर चला दिया, मृग पुत्री की गोद में आ गिरा. पुत्री अवाक बन गयी. मृग ने कहा, जेने मोटे मैं मारो जीव खोयो ते अंतिम समय मां सांभळवा न मळे, चालू राख बेन, हे शिकारी, मारा मांस तू खाजो, पण मारी खाल ने बराबर कमावी ने तारी पुत्री ने आसन तरीके आपजो. हे बेन, आ आसन पर तमे बीन बजाता रहजो अने मारी आत्मा ने शांति-आनंद मळशे. आ उपासना मां समर्पण नां उच्च भाव छे.

(256) नाक वडे आजे लोग गुलाब नहीं, पैसो सूंघे छे. Love थेरपी and laughter थेरपी से हमें फिर Medical Store का भक्त नहीं बनना पड़ता है.

(257) सहनशीलता समान बीजो अेके गुण नथी, जे सहे ते रहे, जे न सहे ते मरे. अक्षरों मां स' 'श' 'ष'

ઘણ વાર આવે છે, બાકી એક બાર ઈ આવે છે.

(258) સફળતાના નિયમો = શબ્દ ની શક્તિ

પોતાના ઉચ્ચારેલા શબ્દો વડે માણસ સતત પોતાને માટે નિયમો બનાવતો રહે છે. આપ ભયમેં હૈ — — ઇસકા અર્થ યહ હુઆ કિ આપ બે સત્તા માનો છો, શુભ ની અને અશુભ ની અને પરમાત્મા તો એક જ છે તે શુભ છે. માનસ પોતે પોતાના ખ્યાલ થી અશુભ ઉભું કરે છે. ભય ની સ્થિતિ નો તમે નિર્ભયતા થી સામનો કરો, સામનો કરવા માટે પરિસ્થિતિ રહેતી જ નથી.

(259) સાહેબ આપ Ambulance નાં નીચે છો, Accident.

(260) જીવન એક રહસ્ય છે, અદ્ભુત રસ છે, તેને સમસ્યા ન બનાવી દઈયે. પ્રેમ, સમઝણ, સર્જન આ ચણ ધારા થી જીવન વિકાસીત થાય છે

(A) પ્રેમ જન્મ સે પ્રાપ્ત હૈ — ઘૃણા હમ સીખતે હૈં.

(2) સમઝણ — સમઝણ ના અભાવ એટલે સંઘર્ષનો પ્રારમ્ભ.

(261) The heights by great men reached were not attained by sudden-flight. But they, while their companions slept were toiling upward in the night.

स्वामी मनीषानंद का जीवन-ध्येय.

① सत्यज्ञान का दीपक प्रगट करना।
② योग-प्रकाश का विस्तरण करना।
③ आंख मां करुणा, वाणी मां नम्रता, मुख पर वात्सल्य भाव सर्वदा बनाये रखना, चेहरा पर क्यारेय गमो के अणगमो जोवा न मले, मनीषानंद स्नेह नुं अविरत झरणुं छे, पोताना स्वरूप मां सदा मस्त रहवुं, तेम छतां समाज माटे उपयोगी रहवुं अने बनवुं. व्यवहार नी मधुरता अने अध्यात्म नी उन्नता एटले स्वामी मनीषानंद. स्वामी मनीषानंद स्नेह थी शिष्य नी भूल समझावे छे, अने भविष्य मां भूल न थाय एवा मार्ग दर्शन आपे छे. स्वामी मनीषानंद की सतत अंतरयात्रा चलती रहे छे. बाहर की वस्तु पर आसक्ति नथी न भविष्य मां रहशे. आंतरिक स्थिति खूब उन्नत छे. सद्गुरु होते हुये भी मैत्री, प्रमोद, करुणा, माध्यवस्थ की भावना का दर्शन आप स्वामी मनीषानंद में कर सकते हैं. आवी जीवन नी गरिमा अने अध्यात्म नी ऊँचाई पामनार विभूति नुं पूर्वजीवन पण एटलुं-ज भव्य छे.

(262) सडेला मड़दा पर सुगंधित पुष्पो चढाव-
-वा मां आवे तो ज्यां सुधी ते फूलो करमाई
नथी जाता त्या सुधी ज तेनी सुवास रहे छे
अने तेवा पुष्पो करमाई जतां पछी तो दुर्गन्ध
वछूटे छे कुछ लोगों की सिद्धि कम और
प्रसिद्धि अधिक होती है, और कुछ में सिद्धि
अधिक और प्रसिद्धि कम होती है

(263) कभी दायें, कभी बायें बालक अपने
पिता के हाथ से बिस्किट लेने के लिये
मुख बार-बार बदलता रहता है. परन्तु
जब बालक केवल पिता की ही तरफ़
स्थिर होकर सजल प्रेम से देखता है" तब
पिता सब कुछ बालक को दे देता है"
- भक्ति में पिता की ओर ही देखने का
सदैव प्रयास करो.

(264) हृदय जटांलगता कोई ऐसा मंदिर न
मिला. मूर्तियां ही मूर्तियां मिली; भगवान्
का बंदा (आदमी) न मिला.

(265) हे प्रभु, मने तारी भाषा तो समझाय छे कारण
ते सरल छे, मने अेनी भाषा नथी समझाती. जेओ
तारा विषय बोले छे

(266) सूर्य-चन्द्र की पूजा से आध्यात्मिक जागरण संभव है, परन्तु भारत की गरीबी दूर ना थाय, गरीबी दूर करवा माटे कुदरत ने समजवी पड़े अने विज्ञान सिवाय कुदरत समझी शकाय नहीं। सूर्यपूजा-विज्ञानपूजा दोनों करें।

(267) We have a second Nature, and we create the second Nature in ourselves. Depression is the short circuit and everyone knows in short circuit every energy goes and does not flow, then man becomes helpless & commits suicide. केवल सासरु अ नारी नुं लक्ष्य नथी, लक्ष्य तो छे "पोतानुंघर"!

(268) Man proposes & God disposes — इसका गंभीर अर्थ समझो, संयोगो माटे मानवी पोते ज जवाबदार होय छे। आवी पड़े ल घटना माटे सुरक्षित बनो, हिम्मतवान बनो अने योग्य प्रयत्न करो।

(269) संत ही आप के जीवन में वसंत ला सकते हैं।

(270) बुद्धभगवान, पैदल चलना, ज्योतिषी का पग-

चिह्न देखकर आश्चर्यचकित होना, बुद्ध ने कहा, ज्योतिष गलत नहीं है, चक्रवर्ती भी संन्यासी हो सकता है. परमोच्च पद निर्वाणपद" है.

(271) पूजा वाणी से नहीं हृदय से होनी चाहिये. ईंट-पत्थर पूजने से मूर्खों की धर्मपीपासा शांत हो जाती है. उपासना अे अवस्था नुंनाम छे. विश्व ने वंचित राखी ने उपासना नहीं हो सकती Total को स्वीकार करो, सहज भाव से सेवा करो - उपासना है.

(272) आजकल तो लोग दवा की भी पूजा प्रथम करते हैं फिर दवा खाते हैं. दवा की पूजा करने का भाव यह है कि Reaction न करे.

(273) गांधी जी ने चार पुत्र हता (1) हरिलाल, मणिलाल रामदास, अने चौथा देवदास गांधी.

(274) Oneway में उल्टा चले तो गरीब मानस को 'गमार' कहे छे अने अमीर चले तो चतुर माने छे.

(275) सफलता मले के न मले किन्तु सतत हमें चलना है, काम करते रहना है. लांबी यात्रा के बाद ही मंजिल मिलती है.

(276) Generation gap जनरेशन गेप होय तो संघर्ष जागे. संघर्ष से ही समाज का विकास होता है. संघर्ष में से सत्यानाश की कोई

चिनगारी न निकले, चिनगारी किसी को भी भस्मीभूत न करे – ये जोवानी जबाबदारी यौवन नी छे – जुवान पेढ़ी नी छे।

(277) कोई लाख बुरा चाहे, तमारा करता ज्यादा बुरं तमारुं बिजा कोई कर शकतुं नथी

(278) एक तो दूध ओछु छे अने गिलास (पात्र) मैं से नीचे दूध टपक रहा है. जिन्दगी है ऐसी.

(279) सौन्दर्यवान होना और सौन्दर्य देखना – बंने जुदी बात छे. सौन्दर्य नुसाचु रसपान अंज करी शके, जे सौन्दर्य ने समझा शके. ज्वालाओ मां नाचे छे समस्याओ अने आ समस्याओ मां समाप्त थयी जाय छे माणस. एक चित्रकारे केन्वास पर मछली दोरी, त्यांज माछली बोली – जल क्यां छे, चित्रकारे जल दोर्युं – पछी हवा क्यां छे – आ पूछता चित्रकार ने पोताना श्वास अटकी गया.

(280) लात मारकर दीवाल कोई भी तोड़ सकता है, पण दिवाल बनाववा माटे सारा कड़िया नी जरूरत पड़े छे.

(281) पूर्वग्रह घुम्मस जेवा होय छे, सुंदर अने तेजस्वी वस्तुने ढांकी राखे छे

(282) धिक्कार Acid छे, दाज़े छे.

(282) न ज़ीवा टे का भी टि का सकता है
तमारा वती जे झूठ बोले छे ते तमारा प्रति
भी झूठ बोली शके छे,

(283) Prayer of pure heart never goes
unanswered.

(284) धार्मिक पर्वो आत्मशुद्धि माटे होय छे तेम
राष्ट्रीय पर्वो नैतिक-शुद्धि माटे होय छे. महानभारत
मां हवा ना प्रदूषण नी माफ़क आचार-विचार ना प्रदूष-
-णो पण घर करी गयेल छे — तेमां थी मुक्त थवानो
- संकल्प करीअे तोज आ राष्ट्रीय-पर्व (26th Jan)
पवित्र पर्व बनी शके. अमूल्य आज़ादी मिली, किन्तु
ऊंचा शिखरो सर करी शका नहीं.
कुरीवाजों ना जाल मां थी बाहर आव्या नथी, आ-
-धुनिकता के नाम से विनाश आमंत्रित कर रहे हैं.
जिस तेज़ी से विज्ञान बढ़ रहा है उसी तेज़ी से मानवीय
मूल्य भी कम होता जा रहा है.
नैतिक मूल्यों का आदर करें, व्यसन से मुक्त
बने, भारतमाता के गौरव को बढ़ावें.

(285) Nobody is above me & nobody
is under me. I do not like to
live under anybody's hand &
~~also~~ also nobody should live under
my hand.

285 मन का समाधान होना ही धर्म है,
तौलकर लेते हो तो तौलकर देते हो
— जीवन में तौलकर दो, तौलकर लो.
Balance को बराबर रखो — तराज Balance
की तरह जीवन भी बराबर रखो, तौलो

286 Struggle is the poetry of life.
संघर्ष जीवन की कविता है

287 दो पग से गति — श्रद्धा-विश्वास दो पग है.

288 फूंक से दीपक बुझ सकता है, प्रचंड आग्नि
नहीं. मैं प्रचंड आग्नि हूँ, दीपक नहीं.

289 ऐ संसद है के दलालों की मंडी Mandi
अर्जुन (अदल) एक बाकी सब शिखंडी
सत्यमेव जयते को फांसी हो गयी
राजनीति कुर्सीयों की दासी हो गयी.

290 हम बने तुम बने एक दूजे के लिये — Election
(चुंटणी) के समय और चुंटणी जीतने के
बाद — I do not know what you say

291 अदलजी मोटे — जिनको जिन्दगी भर बहू
न मिली तो बहुमत कैसे मिले?

292 जो तौला जाता है वह बिकाऊ होता है —
— मैं बिकाऊ नहीं हूँ, मुझे मत तौलो.

(293) आंख फूटी, विदेश जाकर नकली आंख बनी. किसी को पता ही नहीं चल पाता था - असली कौन नकली आंख कौन, एक ने कहा left आंख नकली है क्यों कि उसमें शरम दिखायी पड़ रही है.

(294) You may make-up your face, can not make-up your life

दंभ छोड़ो, सच्चाई थी जीवो, मन ने खिलवा दो, भीतर ना उज़ासनो प्रगट थवा दो, आनंद थी कर्म करो. जीवनमूल्यों नो जतन करो, कार्य करवा मां विवेक ना उपयोग करो. मानवमन जो विस्मयभाव थी भरेलुं होय तथा तेना मां विधेयात्मक भाव शक्ति (विचार-शक्ति) नो तेजपुंज होय अने साथे विवेक पड़ होय तो जीवन शुद्ध बने छे.

युवापीढ़ी उच्च विचार तले आवे - इस दृष्टि से कार्यक्रम रखे जाते हैं. विचारभार से अपने आप को लादो नहीं, सर्जनशक्ति पैदा करो. दुख से बचो, मन को सदा आनंद में रखो समताभाव, जीवन अने जगत ने जोवा नी दृष्टि, एकरात्मक दृष्टिकोण घणबधा दुःखो नो अंत लावी शके छे. प्राण अर्जा का विकास करो. दरेक ना विचार-मन जुदाजुदा होय छे, अेटले

बच्चा ना मन माटे एकज पद्धति अपनावी शकाय नहीं. सारी रीते जीववा माटे आत्मबल नी सविशेष जरूरत पड़े छे. हृदय स्वच्छ विचारों से भर दो और अपने आप में विश्वास रखो - सारी समस्याओं में से रास्ता निकाल सकते हो विचारों को फैलाना है, युवकों को बहकाना नहीं है.

समयजाता मानस ना विचारबिन्दु बदली जाय छे. पवन नी दिशा ने बदले दिशाओ ना नामोज बदलाई जाय छे. थयेली भूलों ने स्वीकार करी मान्यता बदली शकुं छुं. मंतव्य मां मत-मतांतर होई शके पण मूल्यों मां ना होवा जोईये.

ईश्वर का मानना या न मानना व्यक्ति की अंगत आस्था की बात है, किन्तु ईमानदारी, प्रमाणिकता थी कार्यकरवुं ये व्यक्ति नी नैतिक फर्ज छे, गमे ते धर्म, सम्प्रदाय ना होय. आस्था अलग अलग हो सकती है परन्तु जीवन-मूल्य एक (ईमानदारी, प्रमाणिकता) ही सबका है.

हमें अपना मूल्यांकन करना है, दूसरों का नहीं. जीवन और मूल्य श्वासो की सगाई छे. जिंदगी रंग-उपवन छे, पण अनी धरती सतत

તપેલી રહેવી જોઈએ. ખરાબ વિચાર આવે તો કોઈ માં પડે છે એવી મુદ્દત પાડ્જો, ये રંજ રહેગા જિન્દગી કમ હૈ. બુદ્ધિયે લાગણીને હજી ઓલખી નથી.

(295) રોકડ્રકમ તમે નથી આપતા તો સામે સે એક Cinema-Ticket આપી છો - A Joke મિસ્વારી.

(296) મુસીબત સે ઘબરાનેવાલા રસ્તો શોધી શકતો નથી, જગત એવં જીવન દોનો નિષ્ફલ બનો જાય છે.

(297) નારી સન્માન જ સમાજનું ઘડતર કરશે.

(298) સાહસ, પૌરુષ અને ઓજસ ન હોય તો જિન્દગી ઔર મૌત મેં શું ફર્ક - ન ખ્વાબ, ન ખલિશ, ન ખુમાર - યે આદમી તો અધૂરા દિખાયી પડતા હૈ. કદમ આસ્થિર રો અને કદી રસ્તો નથી જડતો, અડગમન ને મુસાફર ને હિમાલય પણ નથી નડતો, કાફલા ને આગલ ચલવું છે, પાછલ ધૂલ ખાવવાનું નથી. અફસોસ કો કદી આસન ન દો.

(299) ધર્મ જીવન થી આગવા માટે નથી પણ જીવન ને સફલ કરવા માટે છે. ઉત્તમ વિચારો અત્તર જેવા છે. પરમેશ્વર ને હમેં જો કુછ દિયા હૈ ઉસપર વિચાર કરો. No conditions in love, conditions are in marriage લગ્ન માં શર્ત હોય છે

(300) चिता में अकेले ही जलना पड़ता है. बादल अने वावाजोड़ विना मेघधनुष होयी शके नहीं. तमारा मार्ग मां तो ज्ञान-दुःख-दर्द देखने वाला कोई नथी. आप की नौका, आप का लक्ष आप ने प्राप्त किया कि नहीं - दुनिया ये देखती है (Aim - Attention + Inherent + Master.)

(301) घूमाडो साचो के राख साची? मानवी ना सबसे मोटो संघर्ष खंडित व्यक्तित्व ना अंक अंक टुकड़ा ने एकत्रित करीने अखंडित व्यक्तित्व पामवानो छे. आसपास ना सामाजिक बंधनो रूढ़ि-चुस्त जीवन प्रणाली जीवन ना टुकड़े टुकड़े करी नांखवा छे

(302) दुश्मन ने धोखा दिया - दुश्मन हमेशा धोखा ही देता है - दुश्मन से धोखा खा जाना मूर्खता है. प्रथम जीत की बात करनी फिर क्यों हारा उस की बात करनी - यह गुण सफल राजनीतिज्ञ की है.

(303) परमात्मा ने निष्फल बनाववा मां आपणे सफल थया छीओ। नारी को अबला कहना नारी का अपमान है. तना पुष्प जेवो छे.

(304) मुसीबतो विना नो पुरुषार्थ सुगंध विना

(305) Joy is one's own security
(आनंद ओ आपणीज पोतानी सुरक्षा छे)

(306) आजे लग्न संस्कार नहीं, पण करार बनी गयी छे.

"अभ्यास और वैराग्य"

सतत आंतरिक अभ्यास एवं इच्छारहितता-ये दो बुनियादी शिलायें हैं स्वयं में प्रतिष्ठित होने में, लड़ाई प्रकृति के विरुद्ध नहीं है, लड़ाई आदतों के विरुद्ध है, प्रकृति मौजूद है तुममें प्रवाहित होने के लिये, किन्तु तुम्हारी आदतें बाधायें निर्मित करती हैं, ध्यान रखें- संघर्ष स्वभाव के विरुद्ध नहीं है, संघर्ष गलत आदतों के विरुद्ध है. तुम स्वयं नहीं लड़ रहे हो, तुम किसी और की ओर से लड़ रहे हो - यह बात ठीक से अगर समझ में न आयी तो संभव है तुम स्वयं से लड़ना शुरु कर दो.

(307) धंधा, सोना, पैसा अगर गुम होजाने के बाद वापस मिलता है तो मनुष्य आनंदित होता है ठीक इसीतरह गुम (भटका) हुआ मानस वापस प्रभु की ओर जब आता है तब प्रभु भी प्रसन्न होते हैं.

(308) काला पडछाया से कदी घबराशो नहीं, कारण

પડછાયો ખબર લાવે છે કે નજીક માં જ ક્યાંક પ્રકાશ છે. કુટુમ્બ એ સંસ્કારોં ની એક ઉછેર શાલા છે જ્યાં સૌથી પહલા બાલકોં માં ભાષા ના સંસ્કારો આવે છે અને ભાષા ની સાથે સાથે દૃષ્ટિ ના માધ્યમ થી વ્યવહાર ના સંસ્કાર આવતા હોય છે. બાલક જે સાંભલે છે તે ભાષા બની જાય છે, જે જુએ છે તે વ્યવહાર બની જાય છે. માલી (માતા-પિતા) જ જો વ્યવસ્થિત ન રોય તો ફૂલ (બાલક) કેવી રીતે ખિલશે, ધીમા તાપે શેકેલી બાજરી ની રોટલો નો સ્વાદ અનોખો હોય છે. બાલક માં પવિત્ર, સાહસિક કહાનિયોં કે માધ્યમ સે ધીમે ધીમે સંસ્કાર કા સિંચન હોના ચાહિયે. સંસ્કાર પાયા નું ઘડતર કુટુમ્બ છે.

(309) અતિ પડતો બરસાત ખેડૂત માટે પ્યારો ન થી.
ચેહરા ઉપરાંત ચારિત્ર માં પણ બદલાવ લાવવો પડશે.

(310) ફૂટપાથ પે પડા થા ઔર ભૂખ સે મરા થા, કપડા ઉઠાકર દેખા તો પેટ પર લિખા થા — સારે જહાં સે અચ્છા હિન્દુસ્તાં હમારા.

(311) ભણવા થી માનસ સંસ્કારી બની જાય-યહ અંક ભ્રમ છે.

(312) What man has made of man

(313) જિન્દગી ઘડવી રોય તો સંઘર્ષો ને આમંત્રણ છે

(314) આચાર્ય ના આચાર પર વિદ્યાર્થીનું શિક્ષણ બને છે, સંસ્કાર બને છે. ગુરુપદ બડા હૈ, રાજપદ નહીં; ગુરુ સે શ્રેષ્ઠ કોઈ નહીં; ફ્રેડીટ્યોર્થ રાજા કે આને પર મૈં (ગુરુ) બચ્ચોં કો પઢતા રહા. Idiot ફ્રડીયટ ના ગ્રીકભાષા માં અર્થ થાય છે – જે મત (Vote) ન આપે તે નાગરિક. (315) તલવાર તુમ્હારા ક્યા બિગાડે-ગી, ક્યોંકિ તુમ તલવાર કો મૂઠ હો.

(316) Nature of Colour થી Colour of nature ની સપ્તર: પ્રકાશ (હોલી) થકીજ રંગ (ચૂલેટી) ની ઓલરબ શક્ય બને છે.

(317) Our life is but a winter's day
Some only breakfast & away.
Others to dinner-stay, the oldest man but sups and goes to bed.
He that goes soonest has the least to pay. શિયાલાનાં ટુંકા દિવસ જેવી આપણી આ જીંદગી માં કોઈ તો જાણે નાસ્તો કરીને જલ્દીથી ચાલ્યા જાય છે, કોઈ બપોર ના ભોજન માટે રોકાય છે અને સારી રીતે જમે છે. જે જલ્દી જાય છે તેને બહુ ઓછુ રકમ ચૂકવી પડે છે

(318) जितना नियंत्रण उतना ही अनिष्ट को निमंत्रण देना है, माता-पिता दीकरी को पारी थापण माने छे, सासससुर बाहर की मानेत है, फिर अपना नारी के लिये क्या है.

(319) लड़ाई करवानी अने परणवानी कोई ने सलाह आपवानी नहीं ॥ दूसरों को सदा मांफ करते रहो किन्तु अपने को (खुद को) कभी भी मांफ न करो. इच्छा पर विचार का शासन होना चाहिये. समाधान आप के लिये छत्री बनी शके, छापरा नहीं. पत्थरों के मार से कोई नमता नहीं, नमाना है तो फूल दो.

(320) Do you drink — Is it question or invitation.

(321) जे शक्ति के सहाय चाहिये वह आप के अंदर ही है. निर्बलता का चिन्तन न करो, शक्ति का चिन्तन करो. दरेक शब्द तमे जे बोलो छो, दरेक विचार तमे जे करो छे, ते तमारा माटे संस्कारनुं मंडोल बनी जशे

(322) प्रत्येक घर मंदिर है, प्रत्येक वृक्ष तीर्थस्थल है — जो प्रभु भक्त है उसके लिये ॥ प्रतीक्षा में पगरव और प्रभात में कलरव दोनों पवित्र है.

(323) मंजा (Mind) है इसलिये आप को दिलमां — मंजा है

(324) घी बी बस के क्या करे दिगंबर के गाम.

(328) फूल अथवा कांटा चुनना हमारे हाथ में है

(327) पशु बंधन में है, मनुष्य स्वतंत्र जीवन जीवे एवं अपनी इच्छानुसार काम करे, उत्थान एवं पतन का चुनाव मनुष्य के हाथ में है. पतंग हवा की मदद थी आकाश ने चुंबन करे छे. आंधी ना संपर्क मां तिनका भी ऊँचे उठे छे, पत्थर फेंको नीचे जावेगा, पानी की गति भी नीचे की ओर है. मानव प्रगति एवं उत्थान नी वात विचारे अने अनी योजना बनावे तो उन्नति नां मार्गे चलता कौण रोकी शके ?

(328) बैल को नाथ घोड़े को लगाम, हाथी को अंकुश से कासिये, कवि गंग कहे सुनो शाह अकबर — क्रूर से सदा दूर रहिये.

(329) आज हम नागरिक हैं, प्रजा नहीं

(330) पिछले माह ही आप जिस व्यक्ति को विरोध पक्ष में से तोड़कर लाये थे वह फिर वापस चला गया — अतः आप की सरकार टूट गयी.

(331) She is beautiful, therefore, you have attraction for her, She has less wisdom (less-wisdom) therefore, She is ready

to many you. सांस लेने को ही जीना नहीं कहते. III दरेक नी Script जुदी जुदी होय छे. III भीख़ल का पानी पीने से Cancer में लाभ प्रदान करता है.

(332) हे परमेश्वर, मुझे इतना ऊँचा न बना कि अपनों को गले न लगा सकूं.

(333) लाकड़ा मां मराती फांचर प्रारम्भ मां नानी होय छे.

(34) घर में आग लगे तो भागना ही पड़ता है.

(35) परदे में घूंघट में हर चीज़ सुन्दर लगती है, घूंघट का पट खोल.

(36) दो व्यक्तियों की साधारण बात-चीत में कचरा का ही आदान-प्रदान होता है.

(37) हर क्षण मौत हो रही है फ़िर भी हम मौत को दूर मानते हैं - यह विचार ही सारे दुःखों को जन्म दिये हैं.

(38) पग चले छे रस्तो थंभी गयो छे के पछी रस्तो चले छे पग थंभी गयो छे? एक विचार.

(39) हांथ ना प्रवास ने सफ़ल करवामां जीभ पण पूरे पूरे सहकार आपे छे.

(40) हस्तमेलाप हृदयमेलाप में परिणमे तो जीवन सुखी बने.

(41) दुनिया मां कोई भी व्यक्ति की निर्णयशक्ति सौ टका साबूत के All Proof नथी होती.

(42) आप की पवित्रता आप को वध-स्तम्भ तक ले जायेगी

और आप की अपवित्रता सर्वनाश की ओर ले जावे ही

(343) आप सब को खुश नहीं कर सकते हैं, और सभी योग्य भी नहीं हैं

(44) श्वास भले बंद हो जावे किन्तु विश्वास न बंद करो। विश्वास बंद होते ही जीवन का रंग चला जाता है।

(45) ज्ञान आचरण में आवे तो ज्ञान बने नहीं तो केवल माहिती छे — only information, formation is ज्ञान. कपड़ा लटकावा मोटे खूंटी नी जरूरत पड़े छे, सघली कथा खूंटी ना काम करे छे.

(46) We shall sooner have the fowl by hatching the egg than by smashing it III you can not set a hen in one morning and have chicken salad for lunch

जो तमे राह जोई शको तो अमृत जेवा हवामान प्राप्त थाय, जेना मां चीरज नथी येना मां ज्ञान नथी III एक कथा छे — मोर ना इडा रो व्यक्ति लाते हैं — एक रोज रोज तपास करता है, दूसरा चीरज रखता है. चीरज रखने वाले के घर

मोर नाचने लगा, रोज़रोज़ तपास करने वाले के घर में इडा से मोर नहीं आ सका।

(347) ॐ रां रामाय नमः 21 हज़ार जाप करें

(48) कर्ज़ के भार से अथवा अक्ल के भार से सीर आप का झुका है ?

(49) Whisky में तुलसीदल डालकर पीने वाले अपने आप को धार्मिक मानते हैं।

(50) संस्कार अने शिक्षण ज राष्ट्र नी सुरक्षा अने भविष्य नो आधार छे।

(51) तुम प्रचंड अग्नि हो, दीपक नहीं हो।

(52) सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जायेगा।

(53) खबर नहीं है पल की, बात करते हैं कल की।

(54) पैसादार मानस ने दुश्मन जल्दी मले छे, बने छे।

(55) नींद का आनंद गज़ब का है, किन्तु अफ़सोस, यह आनंद हम स्वयं देख नहीं सकते।

(56) Before you Commit Suicide, please give me costly three white Sarees Wife says to her husband.

(57) Before marriage - Poetry Period कविता-पीरीयड
After marriage - History इतिहास पीरियड

(58) Filmy-life & Real-life = Filmy-life

में मुसीबतों का अंत मिलन में है, Real life में मिलन बाद (after marriage) मुसीबतें शुरु होती हैं. III बाल साहित्य मां कछु तमारा योगदान छे - हां, वाचक - एक ज़ोक.

(359) गाम ना पादर पर आदर होना चाहिये.

(60) बच्चों के हाथ में ढींगली ही दें - एक मनो वैज्ञानिक सत्य है

(60) सत्य अे पंथ रहित भूमि छे, सत्य असीम छे, सत्य ने तमे व्यवस्था मां गोठवी न शको. कोई ज्ञान ना गुलाम छे, कोई सत्ता नां, तमारी जात ने मुक्त करो, मध्य थी केवल Help आपी शको,

(61) राजनीति अहंकार ने मज़बूत करे छे, व्यक्ति ने जटिल अने दंभी बनावे छे, धर्म व्यक्ति ने सरल-अहंशून्य बनावे छे. धार्मिक व्यक्ति कभी अहंकारी न होय शको, अहंकारी व्यक्ति कभी धर्म की यात्रा पर जई न शको. धर्म ना क्षेत्र मां व्यक्ति अंदर थी राजनैतिक होई शको, राजनीति में रहनेवाला पण धार्मिक होय शको.

(62) बगीचे का फूल तुम्हें देखकर आनंद में आवे - ऐसा जीवन जीओ.

(B) Come to my garden, I want my roses to see you.

(C) कौम के गम में डिनर खाते हैं हुक्काम के साथ, रंज है बहुत मगर आराम के साथ.

(D) जीवन इतना सुंदर बनाओ के कांटा ही फूल बनकर रास्ता बतावे.

(E) आप न आये फिर भी आप आयेंगे — यह श्रद्धा है. संबन्ध टूट गया है — यह शंका है प्रयत्नों की बची निष्फलता सामे उमीद रखना ही श्रद्धा है. IIII मृगजल पाछल सतत अथड़ातो आदमी. III जिन्दगी गणित है, एक पगला खोटुं ने आखो दाखलो खोटू. II सुर अने ताल नी मिला-वट मांथी ज संगीत प्रगटे छे.

(F) Pain, sorrow & suffering is but the kiss of Jesus, a sign that you have come so close to Him (Jesus) that he can kiss you. May God give you all the courage to accept :— यातना, शोक, पीड़ा इशु भगवान नुं चुंबन छे, आ अंक अंबी निशानी छे तू भगवान नुं चुंबन ने लायक बनी गयो छे. Resign all the

pains - बचीज पीड़ा थी नि दोष बनीजा.
love in union with the passion of
Jesus - मात्र प्रभु ना प्रेम मां तरबोल थईजा.

(363) तमारा घर नी सीडी मेली छे तो पड़ोसी
ना घर नी मेल न जुओ.

(64) पंडितजी, मेरा बेटा बड़ा होकर
क्या बनेगा, बेटे को एक कमरे में
बंद करो - कमरे में एक छूरी, रुपैया
अने माला रखो - छरी उठाने से गुंडा,
रुपैया लेने से व्यापारी, माला लेने
से भक्त बनेगा - पिता ने पंडित जी
के कथनानुसार प्रबंध किया और
पंडितजी को रिपोर्ट दी - मेरा
बेटा एक हाथ में माला, एक हाथ
में छरी और सिर पर रुपैया रख
लिया है - पंडितजी ने कहा, आप
का लड़का राजकारणी बनेगा,

(65) खराब चीज सिखानेवाले Fees नहीं लेते हैं

(66) दोस्त अपनी जरूरियातों नो जवाब छे.

(67) Fame of Reference रेफरन्स
हर व्यक्ति का अलग अलग होता है

(368) Accomodation ત્રણ પ્રકારનાં છે
(A) Conflicting, (B) Congruent, (C) complementary અસંગ, સુસંગ અને પૂરક.
(69) Egocentric – અહમ થી છલકાતા
Dogmatic – મતાગ્રહી. બે પ્રકારના માનસ છે
(70) Need for achievement or Need for power માટે લોગ તમારા દોસ્ત બને છે
(71) તમે સારા છો તો સભી તમને પસંદ ન કરશે, સારા માનસો હી તમે પસંદ કરશે, ખરાબ માનસ તમે પસંદ નહીં કરશે.
(72) University of California ના વિખ્યાત Prof James Colmen જેમ્સ કોલમેન સુપ્રસીદ્ધ મનોવૈજ્ઞાનિક છે – તે કહે છે :–
(A) વ્યક્તિ કો જીતા-જાગતા માનવી ન માન-કર આપ એક object (પદાર્થ) માનતે હૈ – યહ હમારી ભૂલ હૈ. વ્યક્તિ Egocentric ન બને – અપની જાત મેં હી વ્યસ્ત રહના હી egocentric હોના હૈ Manipulation (ચાલાકી-લબાડી) ખતરનાક હૈ.
(B) Overdependency ભી ખતરનાક હૈ, બધારે પડતો કોઈ પર આધાર રખ્યો તો મુશ્કેલી માં પડી-જશો

(373) बिना कारण, बिना जरूरत बलवो करनार पोतानी जात ने अस्वीकार्य करे छे. जे व्यक्ति Hostile छे ते पोताना कक्को खरो करवा दादा-गीरि ना सहारो लेशे, पीठ-पाछल निंदा करशे- टीकाओ करशे. लघुता-ग्रंथी, पूर्वग्रह, वधारे पड़ती अपेक्षाओ (Expectations) का त्याग ही विकास-पथ पर ले जावेगा,

(B) Good-Friday पछी Bad-Sunday नहीं आना चाहिये.

(374) (A) प्रभु-स्मरण ही संपत्ति है, प्रभु-विस्मरण A विपत्ति.

(B) प्रथम घाव पत्थर से कौन करेगा- सवाल यह नहीं है, सवाल यह है के प्रथम उठाकर कौन चढ़तर का काम शुरू करेगा।

(C) कर्म के स्वरूप का विचार करने से नम्रता आती है, धर्म का विचार करने से निर्भयता

(D) प्रार्थना में तन्मय हो तो ढोल-नगारा की आवाज़ कैसे सुने- कबीर ने शिष्यों से कहा।

(E) हमें समयसर भोजन मिल जाता है- इसलिये हम प्रार्थना नहीं करते, जिनकी मम्मी समय पर भोजन नहीं देती उन्हें ही प्रार्थना करनी पड़ती है, बच्चों ने शिक्षक को उत्तर दिया।

(395) (A) I belong to no party, for I am not a part, I am whole, I am total, I am infinite.

(B) युवानों का साथी, बालकों का सखा, गुमराह का राहबर, तत्वचिन्तकों का वह सरताज है.

(C) तुम परमेश्वर के समीप हो - मधुर दृष्टि हम सब पर रखना. यह प्रभु कार्य है, इसे करने के लिये योग-सहयोग की जरूरत है. जहां ऐक्य है वहां भगवान नाचते हैं. हमारे कार्य की कुछ लोग टीका करेंगे - परन्तु हमारी इसमें परीक्षा है.

(D) प्रेम मेरी शक्ति है, पवित्र विचार मेरा सामर्थ है. न नेता हूँ, न अभिनेता, आप में भाव-निर्माण करनेवाला भगवान का दूत हूँ

(E) हे वैज्ञानिको, चांद पर उतरो, मंगल तक पहुंचो, मानव-रोबोट को घर में काम पर लगा दो, तो भी जीवन में शांति और समाधान तथा तृप्ति के उकार के लिये भारतीय संस्कृति का अनुसरण करना पड़ेगा.

(F) इस तलवार में मुझे प्यार भरना है, प्रसादी है.

(G) जब से घर में कीमती कालीन आ गया है - बेहिचक

आना-जाना बंद हो गया है. खबर है मुझको दुनिया की, बस खुद से अनजान हूँ मैं, चेहरों के इस जंगल में खोई हुयी पहचान हूँ मैं, मुझको देख, पढ़ — इंसान हूँ मैं.

(396) फरिश्ता जहां जाने से डरेगा वहां शैतान पहुँच जावेगा.

(B) पता मंदिर-मास्जिद का और रहता है मयखाने में — फकीर ने जवाब दिया.

(C) राम को एक किलो तेल मिला और रावण को 10 किलो मिला — रावण को दश माथा है. जिस घर में बारी नहीं हो वह घर बेकार, सन्मान समारोह में ताली न हो तो सन्मान समारोह बेकार.

(D) आवक जूता जैसी है, जूता नाना हो तो तकलीफ, जूता मोटा हो तो भी तकलीफ.

(E) अनोखु आभूषण — मुस्कराहट Smile.

(F) मनपसंद वस्तु न मिलती हो तो जो कुछ आप के पास है उसे पसंद कर लो.

(G) सूर्य के लिये द्वार बंद रखोगे तो शैतान के लिये 36 कर खोलना पड़ेगा.

(397) हांथ का पंछी आप का है, झाड़ पर बैठे पंछी में से एक भी आप का नहीं है. मर्म समझो.
(B) कमल को हांथ में राखो, कीचड़ फेंक दो.
(C) ज्ञान करता अज्ञान मंहगा कभी कभी हो जाता है
(D) अकस्मात से जे आवे ते आधि दुःख छे देह दुःख आ व्याधि छे अने स्वयं अपने हांथ से आवे ते उपाधि दुःख छे
(E) गुरु-चावी (Master-key तमारे पासे छे.

सुखी-जीवन नां सूत्रो

(A) काम करवा मां आनंद आवे अेटला प्रमाण मां स्वास्थ्य. (B) आवश्यकता की पूर्ति होती रहे अेटलु धन. (C) मुश्किलियों का सामना कर सके अेटलु मनोबल. (D) पोतानी भूल स्वीकार करवा माटे मननी मोटाई. (E) परिश्रम करवानी अने सिद्धि मिलने तक की धीरज. (F) पड़ोसी में सज्जनता, सुन्दरता देखने की खेल दिली. (F) बीजा ना उपयोगी थवा माटे नो प्रेम. (F) ईश्वर नी कृतियो समझवा माटे नो श्रद्धा. (H) भविष्य मां चिन्ता-डर न रहे अेटला प्रमाण मां आशा.

(398) कंजूस मानस आंधलो छे, कारण ते पैसा सूंघे छे। विद्वान पण आंधलो छे कारण ते आपनो अज्ञान देखी शकतो नथी.

(B) नरक से खराब जगह भी है - वह है जहां आवक से ज्यादा जावक है

(C) मानवी नी प्रथम कसोटी विनम्रता छे.

(D) कोई भी सिद्धि प्राप्त करने में संकल्प के साथ विवेक आवश्यक है

(E) Joke आप को चश्मे की क्या जरूरत है हमसे सुंदर इस सोसायटी में कोई और नहीं है.

(F) यथार्थ देखने-जानने के लिये शून्य बनो.

(G) प्रकृति की पूजा से परमेश्वर मिलता है.

(H) पिता-प्रेम, भरत-प्रेम नी महिमा, हनुमान नी भक्ति, सीता ना पतिव्रता धर्म, दुश्मन ना बल नी खबर पड़ी, हे कैकेयी मां, तारा उपकार छे, अपकार नथी. आप ने वनवास भेजा तभी तो पिता-माता, भाई, मित्र, भक्त, दुश्मन की शक्ति का, प्रेम का परिचय मिला.

(I) कचरा निकालने की अच्छी तरकीब है, आप अपने स्कूटर पर थैली में कचरा भर के रखदे - थोड़ी देर में थैली गायब, कचरा निकालने की सबसे अच्छी तरकीब है.

(399) घास काटते समय अंगुली न कटे यह कर्म की कुशलता है.

(B) Chance ईश्वर का हस्ताक्षर नहीं है, तखल्लुस है, Nickname है. कर्ता अने कर्म एकाकार बने अज कर्मयोग छे. धृष्टराष्ट्र वृत्ति धारण न करो. सब जगह धृष्टराष्ट्र हाज़िर है. [III] मुल्ला नसरुद्दीन ने कहा, 'हमारी शादी के 20 वर्ष आज पूरे हो रहे हैं - मुर्गी आजे बनावजो, मुल्ला की पत्नी ने कहा, 'अपनी गलती का दंड मुर्गी को क्यों दे रहे हो.

(C) Before marriage I was black & after marriage I have become fair. Yes, I know, 'your wife knows how to wash the clothes'!

(D) जीना सरल, मरना सरल है, परन्तु समाज की खातिर जीना - जीज़ाना सरल नहीं है. धरती पर बसना सरल है, जन हृदय में बसना सरल नहीं. और मरण के बाद जीना (अमर होज़ाना) सरल नहीं.

(400) भारत तीर्थों नी भूमि छे, विदेश प्रवासीओं (Tourists) नी भूमि छे. भगवान का संबन्ध भावना से है. संत ना चरणे तीर्थ जन्मे छे.

गाय ना दूध आंचल द्वारा ज मले छे तेम सं तो द्वारा दूध (अमृत-ज्ञान) मले छे. दुःख ने हरे ते हरि. स्थिरता का अर्थ जड़ता नहीं है. पर्वत आम तो जड़ छे पण ते द्रवीभूत छे, ते पानी द्वारा गति करे छे. पवित्र विचार में स्थिर होकर यात्रा करने से ते यात्रा तीर्थ बने छे. प्राप्ति से पहले की यात्रा थकान लाती है, प्राप्ति के बाद की यात्रा आनंद लाती है. जे जाणे छे ते पंडित, जे जाणी ने जागी जाय ते ज्ञानी. नावडी नी दोरडू छोड़ो पछी परमात्मा नी कृपा-पवन लक्ष्य तक पहोंचा-वशे. ईश्वर की प्राप्ति की इच्छा भी राग है.

मने फूल गमे छे, फल नहीं. फूल शुद्ध छे, फल सिद्ध छे. जे शुद्ध छे ते ईश्वर ना शीश पर चढे. फल जीत छे, ज्यारे फूलहार छे. फल मीठा-कड़वा दोनों होता है, परन्तु फूल सुगंधित ही होता है. किसी भी तरह का दबाव हिंसा है. पौधों को एक लाईन में लगा (रोप) सकते हैं, किन्तु ऊंचे वधवा माटे स्वतंत्रता जरूरी है. ऊंचे जवा माटे दबाण बाधक छे. विकास के लिये स्वतंत्रता जरूरी है. आप अपने ढंग से खिलो, प्रसन्न रहो एवं संपन्न बनो. (आशीष)

(40) तलत (तलअत का अर्थ चेहरा होता है)
आज हिन्दी-फ़िल्म संगीत की ग़ज़ल का एक शेर कम हो गया.

(B) आप के Hotel में किसान के लिये जगह नहीं है तो अमेरीका का प्रमुख कैसे रहेगा (अमेरिका का तीसरा प्रमुख टोमस ज़ेफरसन)

(C) You are tallest, not greatest.

(D) सारा मानसो नो अभिवृद्धि थाय - अब ऐसा अभियान चलाना है.

(E) नदी में डूबा, हाथ दे-नहीं दिया, हाथ ले फिर हाथ पकड़ा - संस्कार लेने का है, देने का संस्कार नहीं है, इसलिये डूबता आदमी भी अपने संस्कार से लेना सुनने से ही हाथ पकड़ा - सर्वत्र संस्कार ही काम करता है

(E) वैसे ही नशे में रहते हैं, पीने की जरूरत किसको है.

(F) राष्ट्रभक्त होने की इच्छा है? शुद्ध अहंकार का त्याग करो, अखंड भारत को स्वीकार करो, फिर जो भी विचार आप के मन में उठेगा वह राष्ट्रहित का ही होगा.

(G) मैं आश्वासन आपनार बनूं, दूसरों को समझ सकूं, हे दिवात्मन्, मने अेवी शक्ति आप.

(402) पेड़ की एक डाल टूट कर मेरे पर गिरी - यह भी संयोग है, आपने लकड़ी मेरे पर फेंकी - यह भी संयोग है! - संयोग का वियोग होना निश्चित है. फिर वियोग को संयोग हम न बनायें. इसलिये आप की लकड़ी हमने आप को वापस दे दी और हमने कुछ भी आप से कहा नहीं. (कथा)
((आवी पडेल संयोगो परत्वे सं०तो नो वि- - शिष्ट अभिगम))

(403) कवीस कस्टोडी अेट कस्टोडीस -
— लेटिन कहेवत
((अर्थ - शिक्षको ने कौन शीखवशे (शीखवशे))

विचार करो

बालक सर्वदा कुछ न कुछ करता ही रहता है. नया सीखता ही रहता है. जीवन अने शिक्षण जुदा-जुदा नहीं है. तनाव में कोई प्रवृत्ति आनंद नहीं देती है. भारपूर्वक शिक्षण नीरस बन जाता है. बालक हमेशा सीखने की कोशिश करता है. जे वस्तु अधरी लागे उसे सीखना ही साहसिक बनना है. बालक की तरह हरेक प्रवृत्ति में आनंद मानो, हरेक पल को

आनंददायक बनादो.

(Gov) "राम" मानस मां रहेला त्याग नुं संतान छे.

(B) विद्वता कशुं वासी ममरावबा माटे नथी होती, रात-दिवस ज्ञान वधारवा माटे तेज नुं नाम स्वाध्याय छे. आज का आदमी शक्तिशाली है, तेजस्वी नहीं है सुविधा चाहने वाला साधना से दूर हो जाता है. केटला मानव कण-कण मेलवा माटे क्षण-क्षण न उपयोग करे छे — अने तेमना कण अने क्षण बेउ न कामा जाय छे. कण अने क्षण नी उपेक्षा आ जगत मां व्यग्रता नुं निमित्त छे. मानस क्षण ने साचवी शके तो संस्कृति नुं रक्षण करी शकसे.

(C) गधे सफेद (गोरे) होते हैं — घोड़े सब रंग के होते हैं — हम हिन्दुस्तानी सभी रंग के हैं.

(D) दिलासा कोई ना लूंछी नहीं शके आंसू, तमारी ओढणी चीरो अने रूमाल करो.

(E) He says to his wife "Sister", for she is Nurse in the Hospital.

(F) लग्न कांदा जेऊं छे — आंख मां पानी लावे अने स्वाद पण तेनो भावे छे.

(G) We are the Ambassadors for the culture of Peace.

(405) તમારી પાસે છે એમાં થી તમે લોકો ને કેટલું આપી શકો છે એમાં માનસ ને રસ છે.

(A) બીજા ની હવેલી જોઈને આપની ઝોપડી તોડી પડાય નહીં, દવામલે કડવી હોય, જીભ કડવી નહીં હોય. III No Admission without permission — Admission with Permission.

(B) Discussion is an exchange of Knowlege, argument is an exchange of ignorance

(D) The difference between failure and success is doing a thing nearly right and doing a thing exactly right.

(E) શરાબખાના કાબ ખુલેગા — મૈં અંદર હી હૂં — શરાબ ખૂબ પીતા જા રહા હૂં — બાર-બાર ફોન ન કરો — હમ તુમ્હેં અંદર નહીં આને દેંગે — અંદર કોન આના ચાહતા હૈ — મુઝે બાહર નિકાલના હૈ

(F) A desire for change is a sign of safety. You can not change people, but you can channel them your way.

(G) Be slow of tongue and quick of eye
(H) It is too late to learn to swim as the Vessel sinks.
(I) हम अपनी स्वतंत्रता का उपयोग समाज को उन्नत करने में कैसे करें - यह ज्ञानना जरूरी है. - छे
(J) विश्वासु मित्र जीवन बचावती दवा जेवो अमूल्य -
(K) जिसकी रात सारी जशे, निश्चित है दिन भी सारा जशे, दिन सारा किन्तु रात सारी जशे - यह न क्यों नहीं है.
(L) स्नान से शरीर शुद्ध होगा पसीने से कर्म शुद्ध होगा,
(M) हरेक मानस महान नहीं बन सकता है, किन्तु सज्जन तो बन सकता है.
(N) प्रार्थना से भगवान नहीं; हम बदलते हैं.
(O) Experience is a School where a man learns what a big fool he is.
(P) Critic is a legless man, who teaches running. III I quote others only the better to express myself.
(Q) An honest man is the noblest work of God.
(R) A house is built by hands, but a

home is built by hearts. III वाणी नुं अतिरंक विचार नुं दारिद्र बताव छे. आवश्यकता से अधिक बोलनार जीवन नी सपाटी पे रहे छे.

(a) जन्म और पाप का विनाश करनार होवाथी तो जप कहेवाय छे. वाचिक जप, उपांशु जप और मानस जप – त्रण प्रकार ना जप छे.

(B) गम का लावा धीरे धीरे आगे बढ़ेगा, दुःख है फ़िर भी गनीमत है इसी से रूह में गरमी है, बदन में हरारत है, गम मेरी जरूरत है और मैं अपने गम में जिन्दा हूँ. III आ वर्षे केरी सरस नहीं नीरस.

(C) शिला हटाना है एक एक करके न लगो एक साथे मिलकर शिला हटा सकते हो. हर परिस्थिति का सदुपयोग करो.

(D) भैंस ना सिंगड़ा पर लपेटी माला रहे के गिरे – कोई महत्व नहीं है.

(E) बिल्ली के माथे पर दिया रखकर धर्म ग्रंथ का वांचन हो सकता है, परन्तु चूहा देखते ही बिल्ली का स्वभाव प्रगट हो जाता है. सत्संग अपनी जगह ठीक है, परन्तु संस्कार से ही स्वभाव की पहचान होती है.

(F) तक आवी पड़े त्यारे संपूर्ण पणे तैयार रहेवुं

ઐ સફલ જીવન ની અણમોલ ચાવી છે.

(A) જગત વિષ જેવું છે, વિષ શબ્દ સાથે રામ શબ્દ જોડ઼વા માં આવે તો 'વિશ્રામ' બને છે.

(B) પ્રશંસા એ પ્રેમપોથી નું પ્રથમ ચરણ છે, પ્રકરણ છે

(C) દૂસરોંપર બહુત વિશ્વાસ કરના, બહુત અવિ-શ્વાસ કરના દોનોં પરિસ્થિતિ મેં હમ ભૂલ કરતે હૈં.

(D) કૂતરા માલિક સામને જીભ ઓછી ચલાવે છે અને પૂંછડ઼ી વધુ ચલાવે છે.

(E) પરમાત્મા કિસી કો નિર્બલ નહીં બનાયા, જગત કિસી કો નિર્મલ રહને નહીં દેતા. નાનકડાં સદ્ગુણ થી મહાન જીવન ની શુરુઆત થાય છે. દૂસરોં કો માંફ કરો, તુમ્હારા હૃદય સાફ હો જાવેગા. દુઃખ મેં રોના સરલ હૈ, કિન્તુ હંસતે હુયે સામના કરના મુશ્કિલ હૈ. ભગવાન સે મિલને કે લિયે આજ તક મંદિર જાતે રહે- આઓ અબ ભગવાન જૈસા જીવન જીને કા હમ પ્રયાસ કરેં. આપ દૂસરોં કે સુખ સે સુખી હૈં તભી દૂસરોં કે દુઃખ સે દુઃખી હો સકતે હૈં, ખરાબ લોગ ભી અચ્છા કામ કર સકતે હૈ પરન્તુ હમેં અચ્છા બનના હૈ. પાની પત્થર મેં સે રાસ્તા બના લેતા હૈ- સજ્જન હરેક પરિસ્થિતિ મેં સે માર્ગ ઢૂંઢ લેતા હૈ. બુદ્ધિ કી મંદતા ખતરનાક નહીં હૈ, ખતરનાક હૈ વક્રતા. સબ કો સાથ લેકર ચલને વાલે

को समाधानकारी वलण अपनाववुंज पड़े छे, शांति ना प्रयोगो खूब थई गया अब क्रांति ना प्रयोगो माटे सज्ज बनीये. लाचारी मांफ, किन्तु लालच में किया कभी नहीं मांफ. संपत्ति के साथ शांति से जी सकते हो, संपत्ति के लिये जीना चाहते हो तो अशांत रहोगे. माणस पासे सौन्दर्य छे पण सुवास नथी.

(F) तमारा मन ने कदी भांगवा देशो नहीं, लोको भांगी पडेला मकान नी ईंटो पण उठावी जाय छे.

(G) परसेवा पाड्या विना नी प्राप्ति सुख नी समाप्ति करे छे

(H) नौकर एक बत्ती (Bulb) बुझाना भूल गया - मालिक ने पूछा - आ बत्ती माटे कौन जवाबदार छे - उत्तर दिया = थोमस आल्वा अंडीसन.

(I) पृथ्वी पर सौथी वधु रहस्यमय कंई पण होय तो मनुष्य-मात्र नुं भविष्य छे, अज्ञान ना कारणे भय नो संचार थाय छे. चिन्ता थाय छे. नगरजनो ना आंसुओं थी धरती भीनी थई गयी छे - अयोध्या छोड़ी ने वनवासे जाते समय आखी प्रजा व्याकुल थयी जाय छे. भरत को Rishi रिषी समझाते हैं - "भावि प्रबल" भरत को आश्वासन मिलता है, धीरज बंधता है To-morrow Never Dies.

(406) कटकी से कोई काम अटकी पड़े नहीं — कटकी कामयाबी का आधार है। आजकल Teaching नहीं Cheating का बोलबाला स्कूलों में है।

(A) बहु मोटा थया पहेलां हुं नानो थई ने आव्यो छुं।

(B) आज का महारोग कामचोरी और प्रमाद है। काम करना एक बात है, दक्षता-कुशलता प्राप्त करना दूसरी बात है। आजे O.T (Over Time) is Roti (रोटी) and Salary is Saving.

(1) सफलता का रहस्य है = आत्म विश्वास + निर्णयशक्ति

(C) आ बस खास हाथी मोटे छे, हां, आ बस मांगे घोड़ा मोटे भी व्यवस्था छे। Kiss प्रेम नी भाषा छे — तो तमे मूंगा केम छो — कुछ तो करो — एक Light Joke छे

(D) नारी कविता नुं पर्याय छे, मानवीय स्वर ने जाग्रत करे छे, नारी सक्षम भरपूर एक आग छे।

(E) ईर्ष्या मानवी ने नकरात्मक दिशा मां दोरी जाय छे, विमार मानसिकता नो दृष्टिकोण छे, ईर्षा अंते विनास ने आमंत्रे छे।

(F) दोषित अने दूषित जीवन न बनाओ।

(G) अपने आप को बदलो — सफलता निश्चित है।

(H) कविता अने शब्द साथे सहुने कंई लेवा देवा होती नथी, संख्या नी नहीं, सूझ-समझ की जरूरत होती है, कीमत होती है। संत, कवि

ना शब्दो व्यवहार ना शब्दो करतां जुदा छे, शब्द कोष करतां कवि नो शब्द अनोखो होय छे. ते भावजगत, समाधि मां थी प्रगट थाय छे III खुमारी तो खरे खर वारसागत टेव छे मारी, हुं मारी टेव छोड़ीने तने मलवा नहीं आवुं. III मरे बपोरे अपनी छाया देखो - तुम्हारी छाया का कद कितना III फूल ने सुवास हशे, तुम फूल हो - विचार सुवास है.

(A) हे परमेश्वर, आप की नजर में कैसा हूँ? दुनिया किस तरह देखती है - प्रश्न नहीं है कोई यह.

(B) समझ-ना समझ खुद मन नुं सर्जन छे. मन बचु समझे छे - समझ को प्रगट करो.

(C) कोई कांई करतु नथी, बचु थाय छे, हांथ होवा थी कां कछु पकड़ाय छे? सुबह का छापा शाम को पस्ती थयी जाय, आखा दिवस उछलती लां-गणियो सरवाले सस्ती थयी जाय. फूलदानी हरी-भरी है और जंगल सूख जाता है.

(D) चोपड़ा नुं पूजन करके लक्ष्मी सवाई थाय - आ मानव-भावना छे. चोपड़ी नुं पूजन करके मां सरस्वती सवाई थाय - यह भी भावना रखो.

(E) थई शके तो रूबरू मिल, नींद में आकर गीता-ला ना कर.

(407) धरती पर एक घर ऐसा भी मिले जहां कारण, बिना भी हम जा सकें

(A) दुश्मन तो मुड़ गये, दोस्त चिता में आग लगाकर खड़े हैं। III संन्यासी ने कोई मत के संप्रदाय होतो नथी कारण के अे स्वतंत्र विचार धरावतो होय छे. बधा मत-मतांतरमां थी अे सत्य ने ग्रहण करे छे, परिणामें संन्यासी का जीवन साक्षात्कार माटे होय छे. सिद्धान्तो माटे नहीं अने परंपरागत रूढ़ियो माटे तो सहेज नहीं।

(B) घर से निकलकर आप हिमालय भी भोग की इच्छा से अगर प्रस्थान करते हैं तो आप भोगी हैं।

आसक्ति - अनासक्ति

बिजली चले जाने से आप परेशान होते हैं - यह आसक्ति है, बिजली के बिना भी आप जी सकते हैं - यह समझ ही अनासक्ति है। परिवार को भी इसी दृष्टिबिन्दु से लीजिये, आसक्ति का नाटक ही है, वास्तव में अंदर से सब अनासक्त ही होते हैं। III दरेक अंधारी रात पछी प्रकाश प्रगटे छे. आंधी-तूफान से जैसे वृक्ष झुकने से बच जाते हैं वैसे सहज भाव से आप भी दुःखों से बच सकते हो।

(C) UDIS स्कीम हेठल कालु नांणु जाहिर करके पोतानी

कमाणी पर सरकारी गंगाजल नो छंटकाव करे छे
चाणक्य के समय में भी काला-नांणा हता- आ माटे शब्द
हतो "पार्श्व". मानव-खोपड़ी नारीयल जेवी छे जेमां
चीकू जेवुं मगज छे: मूर्ख मानस ने भी खबर नथी होती
के पोते केटली महान चीज़ नो मालिक छे. "शकुनि"
नो एक अर्थ गीध पड़ थाय. मानवी ना मगज ने गीध-
-वृत्ति आभड़ी जाय छे: खादी महंगी मिले तो विचार
करो के कोई ने रोज़गार मिले ते माटे तमे थोड़ी फ़ालो
आप्यो छे. सेवा पण क्यारेक उपद्रवकारक होई शके
छे: III पुष्प पोतानी ज़गह बेठुं बेठुं सुगंध प्रसरावे छे,
अेना अस्तित्व नी सुगंध अेज अेनी सेवा छे: मुश्किली अे
छे के तमे शांतिपूर्वक बेसतां नथी आवडतुं.

(D) दरेक नवो दिवस ईश्वर नी अेक वधु भेंट छे.

(E) जमीन पर बकरे का चित्र बनाना और लकड़ी
से उसका सिर काटना - महावीर जयंती पर.

सिद्धि नहीं, विचार का प्रचार हो

(408) अभिनंदनीय सहयोग-समर्थन शुभ-कार्य में
दो, कुछ लोग भ्रमवश असहयोग भी कर सकते
हैं. सत्कार्यों का अभिनंदन करो, श्रद्धा, निष्ठा,
समर्पण का सन्मान होता है, शरीर का नहीं,
शुभविचारों-भावनाओं का सन्मान होता है.

आप सब का जीवन पूरी तरह सफल और सार्थक बने ऐसी हमारी आंतरिक कामना है. व्यवस्थात्मक अनुशासन बनाये रखना आवश्यक है, भावभर्या-पुरुषार्थ नुं जे प्रचंड बल छे तेने पडवा के घटवा न दो. विश्वमानव ना भविष्य ने उज्ज्वल बनाववामां आप अपनी भूमिका प्रस्तुत करें. मंदिर मां देवता आप बैठायें है - अहंकार बढ़ाने के लिये नहीं; हां, नास्तिक बन जाओ - अच्छा होगा, परन्तु धर्म के नाम से खेंच-ताण न करो, कोई साथी नहीं है तो अकेले चलो, प्रभु का पोस्टमेन बन जाओ.

स्वामी मनीषानंद के मुख से विचारों, भावनाओं, क्रांति की आग निकलती है, हम अपनी आग को बाहर निकाल रहे हैं, हमारे मस्तिष्क, हमारी आंख से निकलती आग आप को, घर को, समाज को गरम करे, वातावरण सुंदर बनावे और अज्ञानता को जला दे. लोक सेवक का कपड़ा पहनकर धोखे से सन्मान जनता का मिल भी जाय तो भी कागज के फूल की तरह थोड़ा समय मां आकर्षण समाप्त हो जाता है.

सादगी, सज्जनता, विनम्रता व्यक्तित्व विकसाववानो आ रज मार्ग छे.

स्वामी मनीषानंद मोटो महात्मा, गुरु छे, सिद्ध छे - एम मत कहो. स्वामीजी के विचारों में अंगारा है, आग है - ऐसा कहो. सिद्धि से प्रभाव पड़ता है, परिवर्तन नहीं आता. विचार परिवर्तन ही क्रांति है. सशक्त विचारों से जगत बदलेगा, सिद्धियों से नहीं. नवी पीढ़ी खोज रही है. आप वरिष्ठ एवं विशिष्ट हैं - आप कमजोर होकर गिर जावेंगे तो समाज बचेगा?

आ अपात्तीकाल छे, अपात्ती-धर्म नुं पालन करो. आपात्ती-धर्म नुं तात्पर्य छे के सामान्य सुख-सुविधाओं से ऊपर उठ कर समाज को गरिमामय बनाओ. वरिष्ठों पर उनकी विशिष्टता पर ग्रहण न लगे तभी समाज गरिमामय बनेगा. कार्यक्रमों से मुक्ति होती है, चेतना जाग्रत होती है. भावनाशील एवं क्रियाशील होने से आप स्वयं पवित्र तीर्थ के मंदिर बन जाते हैं.

मानसनी शुद्धि नो महान भार आप पर छे. श्रेष्ठ वातावरण आप को बनाना है.

व्यक्तित्व निर्माण ना सूत्र

① उपासना ② साधना ③ आराधना

व्यक्ति, परिवार, समाज का निर्माण करना है, यह युग-धर्म है (युग-धर्म, Yug-Dharam

(५०१) रेलवे मां टिकिट मले छे पण जग्या मलशे अेनी खातरी होती नथी. III डालीये पाणी सीचवाने बदले मूल मां पानी सीचिये.

(A) रचनात्मक चिन्तन तथा भावनात्मक विकास ना रूप मां दरेक मनुष्य ना मस्तिष्क तथा अंतःकरण नी यात्रा करवा सूक्ष्मशरीर इच्छे छे. सूक्ष्म-शरीर का अर्थ है दिव्यात्मा. III दारु अंदर ने अक्कल बाहर. दारु शरीर ना अंदर दाखल थईने सौथी पहेलां माणस ने बहार चलेली दे छे. प्रबुद्ध व्यक्ति स्वतंत्र विचारो करवानी हिम्मत केलवे तो सचेतन राष्ट्र एवं जीवंत समाज का निर्माण हो सकता है.

(B) जो आप के पास है उसी का बलिदान हो सकता है, दुःख, दर्द, या तनावों का बलिदान करो. यातना और दुःख से मुक्त बनोगे तभी आत्मज्ञान प्राप्त होगा. वेदना से मुक्त होना जरूरी है. आप की आज़ादी पिंजरा मां पूरायेला पंछी की तरह है. आभासी आज़ादी आ छे. वेदना-दुःख का payment करो. मकान में आग लगने से आप त्वरित बाहर आ जाते हैं, क्या दुःखों में से निकलने का भाव ने पूरा प्रबल प्रयास किया ??

(C) श्रद्धा, मानसिक शांति, शारीरिक आरोग्य

मनुष्य के पास नहीं है अगर होता तो आप दुःखी नहीं होते – प्रवचन का विषय है.

(५१०) अफ़वा फुग्गो जेवी छे, दरेक फूंके तेनुं कद मोटुं ने मोटुं थतुं जाय छे. एक कहानी है राजा को मलेरिया हुआ और अफ़वा बढ़ते बढ़ते अेड्स तक पहुंच गयी.

(५) मैं हूं ख्याल किसी और का मुझे सींचता कोई और है. भोजन हम घर में पकाते हैं – खमण बाहर से लाते हैं ▣ दास पकावे त्यास पीर से ▣ इस्लाम का अर्थ है शांति अेटले इस्लामिक – बोम्ब का अर्थ है शांति – बोंब Bomb. बे देश बच्चे अशांति थाय त्यारे शांति – Bomb फ़ोड़ी शकाय. Bomb-फूटवा थी लाखों लोग शांत थई जाय छे ▣ मुठी बांधकर रखोगे तो हाथ कैसे मिलाओगे ((संकुचित विचार रखोगे तो विशाल कैसे बनोगे?))

जीवन ने महान करवा माटे ल क्षणो

(१) स्वीकार-शक्ति – खामिओ, नबलाइयो का स्वीकार. स्वयं ना न्यायाधीश बनी ने अपनी भूलो सुधारो.

② પરિવર્તન શક્તિ – સ્થૂલ અને સૂક્ષ્મરીત પોતાના સ્વભાવ સંસ્કાર નું પરિવર્તન કરીએ.

③ દૃઢ મનોબલ – સંકલ્પ ની દૃઢતા થી ધ્યેય સિદ્ધિ પ્રાપ્ત થાય છે.

④ કઠોર પરિશ્રમ – સંકલ્પો નો સાકાર કરવા માટે કઠોર શ્રમ.

⑤ ચાર્ટ રાખવો – દિવસે દિવસે આપણી ઉન્નતિ થાય – ચાર્ટ રાખો.

⑥ નિયમિત યોગાભ્યાસ. ⑦ સત્સંગ (સ્વાધ્યાય).

⑧ હકરાત્મક ચિન્તન – આપણી શક્તિયો ના શ્રેષ્ઠ ચિન્તન ઉપયોગ કરવા ઇચ્છો યે તો જીવન મેં હકરાત્મક બનો.

⑨ શ્રેષ્ઠ વાચન – સફલ વ્યક્તિયો કા જીવન ચરિત્ર પઢો.

⑩ સમય નું મૂલ્ય – પલપલ અતિમૂલ્યવાન છે – સમ્મેં

(411) સ્વામી જી, 'જગત આગે જા રહા હૈ કે પાછે – – યહ મૈં નહીં જાનતા, હાં પ્રતિ ક્ષણ યહ વિચાર જરૂર બના રહતા હૈ કિ મૈં આગલ કે પાછલ કિધર જા રહા હૂં.

Ⓐ માનવી વિરોધાભાસ નું બાલક છે – If you want peace, Prepare for war શાંતિ ચાહતે હો તો યુદ્ધ ની તૈયારી કરો – કૈસા વિરોધાભાસ.

Ⓑ My heart has learnt to glow – અને પ્રકાશતા શીખવું પડ્યું છે

Ⓒ I am Soldier of the army of light

Ⓓ One who keeps God in the heart – he's safe

(412) You must come out of words and get into action — get into the experience, get into life.

(A) It is said that yoga is the final goal of life, but what do you expect from this final goal? Some say it means to know oneself; that is the personal & individual aspect. If it is pushed a little further it means to be concious of the truth of one's being. All yoga in its nature a new birth (યોગ માત્ર મૂળ સ્વરૂપમાં એક નૂતન જન્મ છે) It is a birth out of the ordinary, the mentalised material life of man into a higher spiritual consciousness and a greater Divine-Being. માનવના સામાન્ય મનોમય અને સ્થૂલ જીવન માં થી બાહર આવીને એક ઉચ્ચતર આધ્યાત્મિક ચેતના અને મહત્તર દિવ્યતર સત્તા માં જન્મ લેવો

(B) For truth of the spirit has not to be

merely thought - but to be lived.

(C) The object of yoga is self-Perfection.

(413) વહુ લૂછવા થી રૂમાલ નહીં ઘસાય પણ તમારી પાંપણોના વાલને અચૂક ઘસારો પહોંચશે.

(A) કિસી કે પ્રતિ એક મિલીગ્રામ પણ મારા મનમાં દ્વેષ નથી. દ્વેષની સીમેન્ટ થી મકાન ન બનાઓ, બરબાદી ના Highway પર ન દૌડો. ઇચ્છા પે તમે સવાર છો કે તમારે પર ઇચ્છા - વિચાર કરો, સોચો.

(B) રત્ન બેચકર Hospital ગરીબોં કી સેવા મેં બના, રાની દેખને ગયીં - ગરીબોં મેં હર્ષ કા આંસુ આયા, ~~રાની~~ (~~Switzerland~~ Swedon કી રાજકુમારી) ને કહા, "મેરે રત્ન વાપસ મિલ ગયે" (Swedon સ્વીડન કી રાજકુમારી યુજીની)

(C) સિદ્ધિયોં કા પ્રવેશ દુઃખ કે દ્વાર સે હોતા હૈ. નિષ્ફલતાના ખરાબરાસ્તા પછી સફલતાના સુંદર મહલ મલે છે. નિરાશાના Appointment પછીજ આશાના દર્શન (મુલાકાત) થાય છે.

(D) વૃદ્ધ મેરે દરવાજે પર દસ્તક દેતા હૈ, મૈં કાર્ય મેં ઇતના વ્યસ્ત રહતા હૂં કે દ્વાર ખોલકર વૃદ્ધ old સે મુલાકાત ઈ નહીં હો પાતી - અતઃ ચિરયુવક હૂં

(E) પ્રથમ બાર ફાટેલું ન હોય દેહને મલ્યું વસ્ત્ર - એ હતું મૃત્યુવેલાનું કફન.

(414) (हंसो) उनाला मां बे बार स्नान करना चाहिये — नसर-धोन ने समझा — पूरे उनाला में बे बार स्नान करना चाहिये।

(B) To Nestle in His arms, melt in Him in a loving & absolute trust. (प्रभु ना बाहुओ मां लपाई जवुं, अेक प्रेमसभर अने पूर्ण विश्वासपूर्वक प्रभु मां ओगली जवुं.

(C) Let Thy Will be done and not mine (तारी इच्छा सिद्ध थाओ मारी नहीं)

(D) I am Thine for eternity (शाश्वती माटे हुं तारो छुं) ⊞ Dynamic Surrender (सक्रिय समर्पण)

(E) Can I be of any HELP?

(E) लोको ध्यान राखी ने जीवे छे, बहु थोड़ा लोको ध्यान राखी ने जीवे छे।

(C) मानस कूतरो बनी शके? सीखनार तो गमे तेमा थी सीखे? लुकमान हकीम कहे छे — आविवेकी पसि थी हुं शीख्यो। ⊞ बोली, विचार, वर्तन बदलो — स्थान बदलने से कोई लाभ नहीं। ⊞ जोड़ानुं माप घरे भूली गया — माणस नी जात माणस साथे होय छे तोय माणस पोतानी जात ने भूली जाय छे।

(415) आचीक सूवा नी सलाह – कमसे कम किसी का दोष तो नहीं देखोगे.

(B) जंगल में खाली मकान – विचार अलग अलग. संत माटे ध्यान, चोर माटे सुरक्षित स्थान, दुराचारी माटे उत्तम, जुगारी माटे सुंदर – निराश माटे आपघात.

(C) उधार लेकर मौज-मज़ान करो – उधरानी कड़वी

(D) प्रभु के द्वारे "हुं" नुं तालुं – हुं पन मिटाओ.

(E) कान में रख रखकर घंट की चोरी करना – समझ-ना के घंट की आवाज़ सुनाई नहीं पड़ेगी – मूर्ख-लक्षण

(F) शराब खूब पीना, फांणस की ज़गह पिंजरा उठा लाना – प्रकाश कैसे मिलेगा – प्रवचन का विषय है.

(G) मैं किसी की खुशामत नहीं करता – मुझसे बड़ा कौन।

(H) मेरी दयावृत्ति प्रजा को मालूम हो – इसलिये हर-वर्ष कबूतरों को आकाश में उड़ाता हूँ – प्रजा को कबूतर आप तकलाने में अनेक मर जाते हैं – राजा सत्य को समझ गया. दया क्या है?

मूल

मूल से ही हम सीखते हैं. कोई पण मानस भूल करी शके छे, पण मूर्ख मानस बारबार करे छे. पोतानी भूल स्वीकार करके सुधारा करो. एक ही पत्थर से दो बार ठोकर खाना मूर्खता है. भूल स्वयं आंधली छे पण अेवा संतान पैदा करे छे के जे जोई शके छे.

(416) No Reformation – सुधार नहीं, Yes, GROWTH – हां, विकास, कांटे को सुधारना नहीं है, फूल खिलाना है.

(B) जहां भी हीनता नी भावना छे तहां श्रेष्ठता प्राप्त करवा माटे मानस मां अेक तड़प भी रहे छे – नेपोलियन दा. ता.

(C) Mind = Mood + Interest + Notion + Desire :– मन: स्थिति + रस + विचारधारा + इच्छा.

(D) सुज्ञेषु किम बहुना ? विचारवानने वधु शुं कहेवानुं ? III मान्यताओ एवं विचारों तमारा जीवन सुख-दुःख का आधार छे. सदा वास्तविकता को ध्यान में लो और आनंदमय जीवन जीवी शकसो. III आप गाड़ी लेकर जब यात्रा पर जाते हैं मान लीजिये एक रास्ता बंद रोगया फिर भी एक दूसरा रास्ता मंजिल तक पहुंचाने में खोजने से मिल जाता है – निराशा को देखकर आशा का नवा मार्ग खोजो, जरूर मिलेगा.

(E) धिक्कार की भाषा से जिन्दगी का प्रश्न हल नहीं होगा III बीजाओ नी टीका अे अस्वस्थ मन की निशानी छे. III जितना ध्यान संपत्ति पर है उतना ध्यान सत्कार्य पे नहीं है.

(F) E & OE अेरर अे ओमिशन अेक्सेप्टेड (भूल चूक लेवी देवी)

(417) दर्शन नी इच्छा हो तो आंखे बन्द करी दो, ज्यां नज़र नथी त्यां आवरण नथी (जहां निगाह नहीं वहां हिज़ाब नहीं).

(B) जिसको तुम भूल गये, याद करे कौन उसको? जिसको तुम याद हो, वो और किसे याद करे?

(C) आप कौन से नसीब का Breakfast लेरहे हैं, बालमजूर नी कमाणी मांसाहार ही नहीं अपितु मनुष्याहार छे. माता कोई शब्द नथी, शब्दतीर्थ छे

(D) पचास हज़ार में नारी का चित्र बिकता है, द्वार पर मिखारण नारी मिलती है, 50 पैसा भी कोई नहीं देता है. 50 हज़ार में बिकने वाला चित्र उस मिखारण नारी का ही है. बिम्ब की कीमत कुछ नहीं है, प्रतिबिम्ब की कीमत 50 हज़ार, प्रतिबिम्ब की पूजा हो रही है. मूल (बिम्ब) में नहीं मूल्य (प्रतिबिम्ब) मां आजे रस छे.

(E) ओ समय! तू चल धीमे थी हवे, हर बलां के रेशमी छल होय छे में मानव को नहीं मानवता ने दान आप्या छे — Alfred Nobel

(F) शतेषु जायते शूरः सहस्रेषु पंडितः
वक्ता दशसहस्रेषु दाता भवति वा न वा ॥

सैकड़ों में एक वीर, हजारों मां एक पंडित, दश हज़ार मां

एक वक्ता जन्मे छे, परन्तु दाता तो थाय के न पण थाय.

श्वेताश्वतरोपनिषद्

अध्याय 6, मंत्र - 17

स तन्मयो ह्यमृत ईशसंस्थो
ज्ञः सर्वगो भुवनस्यास्य गोप्ता
य ईशे अस्य जगतः नित्यमेव
नान्यो हेतु र्विद्यते ईशनाय ॥

वह तन्मय, आत्मस्वरूप ईश्वर में भी आत्मरूप से स्थित, सर्वज्ञ, सर्वत्र व्याप्त इस ब्रह्मांड का रक्षक है, जो इस संपूर्ण जगत पर हमेशा राज्य करता है, क्योंकि जगत पर राज्य करने का दूसरा हेतु नहीं है.

सविशेष प्रवचन

ईश संस्थ बनने की जरूरत है क्योंकि तभी जीवन-अभिलाषा तथा आनंद अभिलाषा अमृत होती है. जो गुण भगवान में है उन्हें उपासक को लेना है, उसके बिना उपासक की उपासना अधूरी है. वस्तु का अहंकार निकालना चाहिये, आत्मा का अहंकार रहना चाहिये. मैं स्वयं बड़ा हूँ, किसी वस्तु के कारण नहीं, वस्तु के बिना भी बड़ा हूँ

मैं भगवान का हूँ" – ऐसा अहंकार खड़ा करना चाहिये, भागने से अहंकार नहीं जाता है. वासना अपूर्णता में से निर्माण होती है, और बढ़ती है. स्वप्रेरणा अथवा पर-प्रेरणा से कार्य नहीं करना है, दोनों में वासना है और वासना नचाती है. दोनों से अलग होना है.

कर्म ईश प्रेरणा से होना चाहिये. सतत शुभकार्य में कार्यरत रहें – शैतान जगह नहीं बना पावेगा. शुभ-कार्य का फल मिलेगा – अहंकार न करें – – जो देता है वह ले भी सकता है – दा.त. संत की कृपा से बिल्ली का शेर बनना और फिर शेर से बिल्ली बन जाना.

दुःख में खड़े रहने की शिक्षा देनेवाला गुरु हमें चाहिये. कृष्ण के पास समर्थ विचार है इसलिये गुरु है. संत और शब्द पंडित में अंतर है. गुरु उत्पादक है पंडित Salesman है. किसी के विचार को कमज़ोर बनाना ही दोष (पाप) है.

(A) किये बिना मिलता नहीं. (B) किया हुआ व्यर्थ नहीं जाता. (C) करने की शक्ति तुझमें है. (D) काम करता जा, पुकारता जा, मदद तैयार है.

दर्द-पीड़ा सहन करने के बाद ही मां अपने बच्चे को प्रेम करती है. दर्द से जो कुछ मिलता है उससे

भाव-प्रेम होना स्वाभाविक है।

(418) मयि चानन्ययोगेन भक्तिरव्यभिचारिणी
गीता अध्याय 13, श्लोक 10
अनन्ययोगेन मयि अव्यभिचारिणी भक्तिः
विविक्तदेशसेवित्वम् च जनसंसदि अरतिः।
शब्दार्थ:- अनन्ययोग से मुझमें अस्खलित भक्ति, एकान्त प्रदेश का सेवन और जनसमूह में अप्रीति (होती है)
विविक्त का अर्थ है - अनासक्ति, एकान्त, पवित्र,
1) स्वयंशुद्ध यानी निसर्ग (गंगा, नर्मदा, प्रकृति)
2) संस्कारजन्य शुद्ध = (मंदिर, आश्रम ~~#~~ तपोवन)
(A) सुखी के साथ मैत्री, दुःखी के प्रति करुणा, पुण्यशाली के लिये आनंद और पापियों के प्रति उपेक्षा रखो, तभी चित्त पर विपरीत परिणाम नहीं होगा मैत्री है तो मत्सर नहीं, करुणा है तो तिरस्कार नहीं। विधवा गंगास्वरूप है फिर अपशकुन कैसे?
(B) उपेक्षा = उप+ईक्ष, उप का अर्थ है समीप, ईक्ष का अर्थ है देखना अर्थात् उपेक्षा का अर्थ है "समीप जाकर देखना" - सूक्ष्म निरीक्षण करना, Minute observation - आखिर वह पापी क्यों बना। Animal-world नामक पुस्तक है जिसमें

संशोधन से पता चला है कि कीड़े जब बीमार पड़ते हैं तो दूसरे कीड़े देखभाल करते हैं

(419) व्याख्यान अने वास्तविकता वच्चे अंतर घटतुं नथी कारण आजे A.C. Chamber में बैठकर Footpath की वास्तविकता की चर्चा होती है. तमाम चीज़ों की Imported सरलता से हो रही है परन्तु अमरीका-जापान की 'निष्ठा' आयात नहीं कर पा रहे हैं, वहां की Work-culture नहीं स्वीकार कर रहे हैं. आधुनिक विज्ञान ~~[illegible]~~ वच्चे पण संनिष्ठाना क्षेत्रे आपणे दरिद्र ही हैं.

(B) समय ओछो छे, मारो रूमाल फाटी गयेलो अने टूंको छे और फूलो अगणित छे?

Guru-Guru-Guru

आर्तध्यान अने रौद्रध्यान छोड़ावीने धर्मध्यान करावी शके तेमने गुरु करवा. गुरु मले तो रास्ता बतावे अने सद्गुरु मले तो सत् (आत्मा) ज्ञान थाय.

(D) अणगमता साथी अेटले जनम दीप. तकरार ही कभी-कभी हमारे मिलन का सेतु बन जाता है मानसिक तनाव से शरीर रोगों का Museum म्यूज़ियम बन जाता है. जख्म उंडो किन्तु लोही न देखाय. Caring, Sharing & Suffering

is the base of Pure-love. दोष किसे दूँ
जब अपने से अपने दिन बरबाद करूं मैं।

(A) संसारी भ्रम थी जीवे, सन्यासी सत्य थी. संसारी भ्रमनुं सर्जन करे, संन्यासी भ्रमनुं विसर्जन करे.

(B) कबीरा कुंआ एक है, पनिहारिन अनेक.
न्यारे न्यारे बरतन भये, पानी सब में एक.

(C) स्वार्थी दीकरा — अंधारा मां याद करे छे, अज-
-वाला मां भूली जाय छे. मन से आज हारे तो
कल भी हारेंगे. बरसात न आवे तो भी खेडूत
कूवों खोदीने, पंप नाखीने खेती करे छे. आज का
दिन आप अपनी इच्छानुसार उपयोग कर सकते
हैं — ईश्वरे छूट आपी छे.

(D) चाभी से ताला खुल जाने के बाद फ़िर चाभी
की जरूरत नहीं पड़ती है — श्वास चाभी है।

(E) परमात्मा का कोई जीवन नहीं है, अस्तित्व है।
अस्तित्व से बाहर आना जीवन है, फ़िर से
अस्तित्व में वापस जाना मृत्यु है। समाधि
जीवन का अनुभव नहीं है, अस्तित्व का ही
अनुभव है। जो हो रहा है होने दें — आप बाधा
न डालें। स्वयं ना निर्माण माटे चिन्तन अने मनन
आवश्यक छे।

(F) अपेक्षा हमें भिखारी बना देती है।

(120) यह BOX अमुक स्थान पर रहने वाले विद्वान को जाकर दे आवो - शर्त, खोलना मत. साधक BOX खोलता है - चूहा निकलता है. जो चूहा संभाल नहीं सकता वह राजधर्म कैसे संभाल सकेगा.

(A) कृपा मां मलेली जीत हार समान छे.

(B) दुःख-सुख-आनंद सबकुछ खो दो - तब तुम कुंड में डूब जाते हो और कुंड में डूबना निर्वाण है. उर्जा बचाना नहीं है, जगाना है.

(C) गुरु पद प्रदान माटे छे. वाणी मां तेजस् अने ओजस् नुं समन्वय. सत्य नुं बल, सात्विकता नां प्रकाश, निर्भयता शक्ति, विद्या आभूषण, स्वाध्याय जीवन बल एवं मंत्र जेमां छे ते गुरु. गुरु अधिकार प्रियता नहीं, कर्तव्य परायणता नी मूर्ति छे. चारित्र-शील रहवुं अे स्वयं स्वीकृत अधिकार छे. गुरु जीवन नी अमावस्या दूर करे छे, पूनम नुं प्रकाश प्रदान करे छे.

(D) रोमन मां नमक को साल कहे छे, "सालस" का अर्थ है रोमन में तंदुरुस्ती. ते पर थी अंग्रेजी मां Salt अने Salary (पगार) आव्यो. सम्राट सीज़र सैनिकों ने पगार में नमक की थैली देते थे जिसे "सेलारियम" "सेलारियम" कहा जाता था ते पर थी Salary शब्द आव्यो.

(५२) आप की जिन्दगी बे क्लाक नी छे ऐसा मानोगे तो कभी मन अशुभ-रस्ते नहीं जावेगा.

(A) अहंकार ना उद्घाटन नी साथे ज प्रगति नी पूर्णाहुति थवा पामे छे. ~~III~~ प्रशंसा - आडंबर मां छुपा हेतु अने टीका हेतु में छीपा आडंबर छे.

(B) धनदौलत खातर समान छे. ढगला करो तो दुर्गन्ध फैलावे अने पछी रोग पैदा करे और खेत में डालो तो शक्ति प्रदान करे छे.

(C) राजकीय नेता भाषण करते वक्त शरीर ना दरेक अंग ना उपयोग करे छे सिवाय मगज़.

(D) खूब-खूब जीओ - किन्तु क्या खाकर?

(E) गलत जगह पहुंचने पर जीभ नहीं किन्तु पग चलाओ.

(F) गोल-गुड़ आप के हाथ में पांच मिनिट रहने से चिकणा हो गया है, या नहीं चिकणा.

(G) मेरा रोना नकली, तेरा रोना नकली तो मेहमान का घर से जाना भी नकली.

(H) Faith is the force of life. Smile - costs nothing.

(I) आप के हाथ में रखने से गोल (गुड़) चिकणा हो गया है. ~~III~~ पति का रोना, पत्नी का रोना और मेहमान का घर से जाना सब कुछ नकली. ~~III~~ उमेला सूतेला मोटे कमाय छे, सूतेला उमेला ने खाय छे.

जयदेवनुं कृष्ण काव्य "गीत-गोविन्द"

किसी की हृदय-वाणी सुनते समय मौन का पालन करो, दलील न करो. आत्मा नी वाणी द्वारा साक्षात् परमेश्वर प्रगट थतो होय छे. आ वाणी मां भीजवुं एक प्रकार नी भक्ति छे. बे प्रेमभरा शब्द बोलवा मां कंजूस बनना महापाप छे. किसी के उत्साह को भंग करना क्रूरता है. विश्व ना महान योगेश्वर कृष्ण रिसायेली राधा ने पगे पड़े छे - जहां प्रेम छे त्यां वट नथी होतो. अहंकार शून्यता विना प्रेम नथी टिकतो. 'गुनाह' मांफ करो तो मिलन-क्षण सर्जाय. पर्युषण-पर्व अटले क्षमा-पर्व. भूल ना अनादर अे कृष्ण ना अनादर छे. भूल को क्षमा करना महावीर का आदर है. ताला खोलने के लिये चाभी चाहिये, तोड़ने के लिये हथौड़ा, प्रेम ताला खोलवा माटे Master-Key छे.

राम रडी शके, रावण नहीं.

② बात-चीत दरमियान अधिकतर लोग आप का मत नहीं, किन्तु संमति के इच्छुक होते हैं.

③ मानव नी मिल्कत करता मानवसंस्कार अति मूल्यवान होय छे. जेम जेम रुपैया बढ़ता जाय छे तेम तेम शून्यता बढ़ती जाय छे दा. 10, 100, 1000, 10000 How much land a man needs.

(422) नवा बूट-जूता काटेगा, परन्तु बराबर पहनते रहेंगे फिर वही जूता सुख का साधन बन जावेगा.

(A) बाग में फूल तोड़वानी मनायी छे, इसलिये मैं पूरा पौधा उखाड़कर लाया हूँ - नियम का पालन जरूरी है.

(B) शरीर का जो अंग कमज़ोर हो वह बार-बार दुःखता है, अच्छा, इसीलिये आप का सिर बार-बार दुःखता है.

(C) महानता अंदर थी उगे छे, ज्यारे मोटाई बाहर थी लदाय छे.

(D) सलगतो कोयलो नदी की शीतलता का विरोध दूर से ही करेगा - कुछ लोग इसी तरह विरोध करते हैं क्योंकि निकट आने से विरोध समाप्त हो जाता है.

(E) सभी इच्छाओं की पूर्ति से अधर्मी शैतान और धर्मी भगवान बन जाता है.

(F) प्रसाद की आकांक्षा से सभी मंदिर में जाते हैं, हम नैवेद्य लेकर मानव मंदिर में प्रवेश करें, भारत-निष्ठ मानवता, मानव निष्ठ भारतीयता से जगत को शांति मिलेगी. गुलामदेश का आम-आदमी सुखी होता है - स्वतंत्र देश की प्रजा के सामने दुःख, विघ्न आयेगा परन्तु इससे हमारा पौरुष प्रगट होगा, भूल भी होगी और भूल सुधरेगी और नये जीवन का निर्माण होगा.

(G) तर्क की गगनचुंबी दीवालें तो बनाया, किन्तु

हाथ कुछ नहीं लगा, हवे श्रद्धा ने सहारा बनाओ.

(H) विद्वान शब्द नी उपासना करे छे, संत मौन नी उपासना करे छे. शब्द तोड़े छे, मौन जोड़े छे. भगवान बुद्ध का मौन. स्वामी सहजानंद ने पूछा — — पंडितजी, 18 हज़ार श्लोक जो आप को कंठस्थ है उसमें से कितने आप को मोक्ष दिला सकेंगे, मौन सर्वश्रेष्ठ प्रवचन है.

(I) प्यास एवं श्वास का पर्याय नहीं होता है.

(J) हवेली का मालिक परदेश चला जाय फिर नौकर-चाकर अपना काम छोड़कर दूसरे के काम में हस्तक्षेप करके पूरी व्यवस्था खराब कर देते हैं — हमारे जीवन में भी ऐसा हो रहा है.

(K) ग्रीन कार्ड आप को ग्रीन जीवन नी खातरी नथी आपतो.

(L) हम एक रुपये की चीज़ दो रुपये में बेचे, हमें कितना लाभ मिला — 6 माह की सज़ा — Russia का नियम.

(423) ओम् एवं अल्ला समान छे, जंगल मां हाथी पड़ी जाय तो जाते (स्वयं) उठवी पड़े छे. सड़ी गयेला फल की तरह व्यक्ति के राष्ट्र आंतरिक सड़ा थी नाश पामे छे. धृतराष्ट्र की आंख का उपचार हो सकता है, संजय दृष्टि मिल सकती है, किन्तु गंधारी का उपाय नहीं है. ऊंट की काठी घोड़े पर रखकर बैठा नहीं जा सकता. दूध अने मानस कब बगड़ी जाय — कुछ कहा नहीं जा सकता.

(424) Toilet માટે America માં વપરાતો શબ્દ છે Rest Room. To go કા અર્થ હૈ યહાં Restaurant મેં નહીં; સાથ લે જાના હૈ ખાવા માટે. America મેં Thank you કે જવાબ મેં you are welcome કહના પડતા હૈ. How are you doing કે જવાબ મેં Pretty good પ્રેટીગુડ કહના પડતા હૈ. Excuse me કા જવાબ No Problem સે દેના પડતા હૈ. મુલાકાત પછી વિદાઈ લઈ રહ્યો હો તો તમે કહવું પડસે — See you later, Have fun, Take-care, Have a nice week-end.

America મેં Rubber ખ્વર શબ્દ ન બોલો Eraser ઇરેઝર બોલો — Rubber કા અર્થ U.S.A. મેં Family-Planning હૈ, કોન્ડોમ અર્થ હૈ વહાં Lift નહીં Elevator કહે છે. Car મેં lift નહીં Ride કહે છે. I took an exam ઇસા કહના હોતા હૈ. Bill કી જગહ 'ચેક્સ' કહિયે. Table-Tenis ટેબલ ટેનિસ માટે Ping-Pong. Is not it a bit early for that — હું કાલે તમે Ring આપીશ — America માં 'બીંટી' સગાઈ કા અર્થ હૈ.

(A) નકશા નાં સમંદર માં કદી ભરતી નથી હોતી.

(B) Joke - Telephone ना तार ऊँचे केम वांधे छे ?
कोई बातचीत संभणे नहीं माटे. ⊞ नोकरी माटे मेहनत करी हती, नोकरी मली गयी छे ते लीधे कछु करता नथी. चोरी केवी रीते करी, तमे सीखवा मांगो छो. न्यूटन विषे तमे शुं जानो छो - ते अब आ दुनिया मां नथी. Joke Joke

फोबिया Fobia

एक प्रकारनो भय छे, जे पाया वगरनो, अतार्किक होय छे. रोगीमने उभो करेलो भ्रम छे अने छतां पण अेना थी अे पोतानो छुटकारो मेलवी शकतो नथी. कुशल कोई मनोचिकित्सक की सलाह लेना हितकर छे.

(C) मरने के बाद जे प्रशंसा करनी है हयाती में ही कर दो.

(D) हार को हताशा में न पलटाओ.

(E) आदम अने ईव Green Apple खावा थी विकार में आव्या, अपने Red Apple खाईये अने वधा रोग, विकार थी दूर रहिये. खुजली सब रोगों का प्रवेश-द्वार है

(F) फ्रेकल्स - तल (जो आप के शरीर पर होता है)

(G) मानव साचो मनाववा मां वधारे आतुर छे, साचा थवा में नहीं.

(H) बकरी को कितना खिलाओ फ़िर भी खायेगी - हमारा मन भी बकरी ही है. दिनभर भूखा रखा - मुख पर डंडा पड़ता रहा - फ़िर बकरी नहीं खायी - राम-नाम का प्रहार होता रहे फ़िर मन भोग से उठ जावेगा.

(I) शैतान ने भूखा मानस से कहा, धर्म वेचो, भोजन

दूंगा. भूखा मानस ने जैसा शैतान ने कहा वैसा किया, किन्तु थोड़े दिवस बाद शैतान ने देखा - वह आदमी धर्म पर है - शैतान पूछा, आदमी ने जवाब दिया - भूखा व्यक्ति के पास धर्म होता ही नहीं - जब था ही नहीं तो हमने बेचा कहां. भूखा मानस ने वली धर्म के ओ?

त्रिविध शक्ति

① दैवकृत बल, कुदरते आपेल शक्ति,
② कालकृत बल, समय द्वारा मलती शक्ति,
③ युक्तिकृत बल, प्रयत्न थी मेलवामां आवेली शक्ति

① दैवकृत बल - सुंदर शरीर, कंठ, वाचाल शक्ति.
② कालकृत बल - बाल्यावस्था, किशोरा, युवा, प्रौढ़ा अने वृद्धावस्था. शरद, हेमंत, शिशिर, ग्रीष्म, वर्षा, वसंत - आ छओ ऋतु नी तासीर अलग अलग - शरीर पर असर - करे छे.
③ युक्तिकृत बल - समझपूर्वक जीना, दैवकृत, काल-कृत अपना हाथ मां नथी. युक्तिकृत अपना हाथ मां छे.
④ मांकड़ कोट छे, Aeid छोड़े छे, थोड़ीवार लागे छे - मांकड़ दूर चला जाता है - तब हमें वेदना होती है - कुदरत का नियम देखें - मांकड़ का जीवन बच जाता है,
⑤ हे सज्जन, गलत मार्ग पर चलने से ख्याति मिट जाती है.

(Like) मुमताज के मरने के बाद शाहजहां ने ताजमहल बनवाया. पति ने अपनी पत्नी से कहा; तेरे मरने के बाद - - - -

ⓒ कोलोस्ट्रोम = माताना धावण मां प्रथम ३, ५ दिवस दरमियान आपेली कुदरत नी भेंट, शिशु माटे रोगप्रतिकारक शक्ति.

कोलोस्ट्रोम जीवन रक्षक द्रव्य छे. नवजात शिशु को स्तनपान कराना जरूरी है. ⊞ कोलेस्टोरोल — Heart-Attack लावे छे. कोलोस्ट्रोम रोगप्रतिकारक छे. पशुओं मां आ घावण ने खीरू कहे छे अने तेमां थी हम बली बनाकर आनंद से खा जाते हैं

(D) काम करो शक्ति मलशे, तमे काम नथी करता अतः शक्ति नथी मलती. दीपक जले Oxygen मिलेगी.

(E) सच किसी से घृणा नहीं करता, जहां सच है वहां प्रेम है. घृणा हृदय का पागलपन है. घृणा घृणा थी घटती नथी. सब दुःखों का मूल प्रेम का अभाव है. जे घृणा करे छे ते घृणित छे. वेर नो आचार व्यक्तिगत होय छे, घृणा नो सार्वजनिक होय छे. कितने लोगों को विना पहचाने ही लोग घृणा करते हैं

(G) लोभी मानस रे ताल जमीन जेवा छे, बरसात ना बधु पानी पी जाय छे, परन्तु बीजा ना उपयोग माटे एक वृक्ष उत्पन्न करता नथी.

(H) क्षमा ब्रह्म छे, क्षमा सत्य छे, तप छे, पवित्र छे — महाभारत

बूंद समानी समुन्द्र में

ऊर्जा का विस्तार है जगत और ऊर्जा का सघन हो जाना ही जीवन है. ऊर्जामय विराट जीवन. पूरा जगत ही हमारा शरीर है. जीवंत ऊर्जा Living Energy बन जाना जरूरी है. समुद्र समाना बूंद में.

(A) हमारा होना मिट जावे उसी क्षण में ही उससे मिलन है, और वह मिलन हमारे भीतर ही घटित होता है.

(B) हमारे भीतर बीज-ऊर्जा है - बीज से फूल तक की यात्रा को साधना समझें. Seed-Force

(C) भय से ज्यादा अधार्मिक वृत्ति और कोई नहीं है.

(D) नाचने से भगवान नहीं मिलता, भगवान पाने से हम जरूर नाचने लगते हैं.

(E) जड़-चेतन दोनों एक हैं. पदार्थ और परमात्मा एक ही है.

(F) भगवान ने साधक से कहा, "तुम मुझे पहचान गये होते तो सब में मेरी ही शक्ल नज़र आती. मैं आता हूँ तो तू भगा देता है और कहता है, आप भोजन करने नहीं आये.

(G) कैदी ने राजा से कहा, "एक वर्ष में आप के घोड़े को उड़ना सिखा सकता हूँ". कैदी कहता है, "कदाच एक वर्ष में राजा अथवा मैं कोई भी मर सकता है अथवा मेरा अच्छा विचार देखकर राजा का विचार भी बदल सकता है. मुझे कदाच पर श्रद्धा है.

(H) हम अपने बच्चों के सामने दूसरे के बच्चों की प्रशंसा करके अपने बच्चों की लघुता-ग्रन्थि ही बढ़ाते हैं - यह प्रेमाल हिंसा त्याज्य है. आइन्सटाईन भणवा मां 'ढ' हतो. चर्चिल, डार्विन भणवा मां कोई खास होशियार न हता. France ना क्रांति ना विचार-पिता वाल्टेर बच्ची रीते ठेकाणा विना न हतो. नेपोलियन

भी पढ़ने में होशियार नहीं था. Morari Bapu failed three times in his S.S.C. Exam. III किसी की Dye छाप न बनें अपनी संतान को विचार मत दो, विचारने की शक्ति दो, अंधे मानस को लाकड़ी नहीं किन्तु दृष्टि दो। आप के घर का Dining Table एक छुपी University छे विचार अने पवन नी पोटली न बंधाय - इसपर खूब विचार करो. संतानो ईश्वर नी भेंट छे, तमे मालिक नहीं, संतानों नों माली छो. सागर किनारे बंदर होयी शके, नदीकांठे ओवारो होयी शके, किन्तु झरना किनारे ओवारो, बंदर नहीं होयी शके. झरना में गति है - आप की संतान झरना की तरह है.

(I) बातो ड़िया पासे थी मौन, असहिष्णु से सहिष्णुता, दयाहीन से दया का पाठ सीखा है, उनसे शिक्षण प्राप्त किया है, फ़िर भी विचित्रता देखो उन शिक्षकों के प्रति उपकारभाव होना चाहिये था, परन्तु वह भाव नहीं है - यह विचित्र बात है

(J) समझण विना नुं ज्ञान मात्र बोझ छे. हांथी ऊपर मूकेली अंबाडी मनुष्य माटे सजावट छे, हांथी माटे बोझ छे. निराशा-वादी कठोर वास्तविकता से डरे छे, आशा-निराशा नी वच्चे मानवी नुं सत्व खिले छे अने मानवी मानव बने छे. जीवन ना आ बंने चुंबकीय ध्रुवो छे. मानवी

ने तेनी वच्चे समतोलन राखीने जीवत शीखवुं पड़े छे

(426) राजा जनक और शुकदेव से एक विचार सीखना है — वह यह है, मानवी शुं छे अेना परथी पहचान थाय छे. मानवी पासे शुं छे अेनाथी साची ओलख मलती नथी. राजमहेलथी जनकने न ओलखी सकाय, सीधे जनक को पहचानें — प्रवचन विषय है

(A) Circuit — सर्किट Breaker न बनें, Circuit Maker बने. किसी का अपमान करना, हलका पाड़ना वगैरह से सामने वाले का Circuit टूटने से जीवन हताश हो जाता है — पूरा प्रवचन.

(B) बरसात में समुद्र स्नान करी रह्यो छे, स्थिर देखाती होडी पानी मां आगल बधी रही छे, समय ने ठोकर खायी पडी जता हुं जोया छुं.

(C) सही दिशा में ही विचार करो. एक मानस 6 माह से भैंस की शींग पर बैठने का विचार करता रहा और फिर बैठा और नतीजा बुरा हुआ — सोचने की दिशा सही होनी चाहिये — समय का प्रश्न नहीं है — गलत गलत ही है.

(D) सोय अने कातर :— सोय नानी, कातर भारी छे. सोय जोड़े छे, कातर काटे छे. दरजी सोय कान पे राखे छे, कातर पांव पासे राखे छे. सोय से कातर शक्तिशाली छे फिर भी पग पासे छे.

सोय- कातर का मर्म समझो- पूरा प्रवचन है.
मणिमासी, आ मारा कपड़ा अपनी जीभ से कापी
नाखो - मारी मम्मी कहे छे के मणिमासी नी जीभ
कातर जेवी छे - प्रवचन का विषय है.

(E) मस्तक ने बदले पग ने केम प्रणाम ? पग ज़मीन
पर छे. भारती संस्कृति में एक विशेष चिन्तन छे -
जे ज़मीन पे चले तेने प्रणाम.

(E) कर्म में जड़ता, भक्ति में विषय-वासना, ज्ञान में
अहंकार विघ्न उत्पन्न करता है

सर्जन-शक्ति CREATIVITY

हरेक व्यक्ति के अंदर सर्जनशक्ति है, योग्य पर्यावरण
खातर-पानी चाहिये. मौलिकता खिलने के लिये मुक्त
पवित्र वातावरण होना जरूरी है. स्वामी मनीषानंद
का सोचने का ढंग कुछ जुदा है - Divergent-
Thunking डायवर्जंट थिंकिंग, Time-Bound
प्रोग्राम से प्रगति नहीं हो सकती है. शिक्षक शाला में
बच्चों को पढ़ाये, मां-बाप बच्चों को घर में शिखायें,
बालकों को बहुत टोकना उनकी मौलिक सर्जन
शक्ति को समाप्त करना है.

(F) इच्छाओ सूरदास होय छे आणी शुद्ध सुदामा
- पणुं जालवे, दोस्त अनो द्वारिकाधीश होय छे.

(427) शून्य रूपे हुं सकल ब्रह्मांड ने पड़कार छुं

(A) सारा देखावानी नहीं, सारा थवानी कोशिश करो.

(B) करमायेलू फूल भगवान् को नहीं चढ़ता है तो करमायेलू विचार से की गयी प्रार्थना प्रभु कैसे स्वीकारेंगे.

(C) सुख ना दिवसो मां दोस्तो तमे पहचानशो अने दुःख ना दिवसो मां तमे दोस्तो ने पहचानशो.

Joke She is my wife (अर्धांगिनी) but looking at her body She is 2/3 of ~~[illegible]~~ Body तू तू आंशी नी

(D) अपनी संतान की हर बात में हाँ करोगे तो आप के बच्चों का विकास नहीं होगा.

(E) द्रौपदी चीरहरण के समय विकर्ण ने विरोध किया लेकिन Walk out नहीं किया, सभा में बैठा रहा — विचार करो.

(F) प्रार्थना का उत्तर परमेश्वर देता है हां में और ना में — हमें समझना है. बीमार पुत्र मिठाई मांगता है किन्तु पिता ना कहता है, हाँ, ना दोनों में हमारी भलायी है.

(G) You can surely do wonders, just have faith in yourself. Take heart that brighter & happier days are in store. Take care of yourself.

(H) कोई रामायण, महाभारत, कुरान, Bible धर्मग्रंथों के पीछे छुप गया है — जो जानना चाहिये वह नहीं सीख रहे हैं

(Joke) एक सेन्टीमीटर छापा में जोहरात का Rate क्या है, Rs. 75. नहीं देना है क्यों कि 170 cm लंबायी है, खर्च पोषाय नहीं. ⊞ समाजवाद, साम्यवाद, मार्क्सवाद अब आवशे – रेलयात्री ने कहा, भाई अमदाबाद आवे त्यारे मने जगाड़ी देशो.

(A) O my Lord, Take me up all with my ups 2 downs. ⊞ चिन्ता करके स्मशान की चिता तक जाने के बजाय संतो के चरणों में पहुंचो.

(B) शिव का जीव से मिलन है – जीवन.
जीव का शिव से मिलन है – मृत्यु.
शिव का स्थान 'स्मशान' है – जीव का शिव से मिलन अर्थात् 'स्मशान'. मृत्यु जीवन नो अंत नथी, परन्तु नवजीवन नुं प्रस्थान छे. कर्मयोगी कहता है, मृत्यु का अर्थ है जीवन का हिसाब देने जाना. Let the world know Sikandar died with empty hands. नंगा आना नंगा जाना रखो इतना ख्याल.

(C) सफल कार्य का आधार – Knowledge, ज्ञान, Skill (निपुणता), Willingness (इच्छा आत्रण छे.

हास्य

(1) अर्धांगिनी की Death के बाद आदमी को लकवा हो जाना स्वाभाविक है. आप राजोड़े आये – हाँ, जूता लाया हूँ. पिताजी, विदेश से आप एक Camera

नहीं ला सके तो मेरे लिये लड़की कैसे लायेंगे.
बस्ती वधारा ने कारणे कूतरा मोटा शहर मां
अपनी पूंछड़ी हिलाता नथी.

(428) The dissolution of the ego brings a sublime felicity – अहंकार नुं विसर्जन मां एक भव्य आनंद प्राप्त थाय छे

(A) हमारे धार्मिक ग्रंथो में से ही पाश्चिमी लोग ज़ले बी बनाकर पिरस रहे हैं.

(B) मालिक की आवाज़ सुनकर पशु भी सचेत हो जाते हैं, प्रार्थना परमेश्वर की आवाज़ है, सुनकर भी आदमी जाग्रत नहीं.

(C) हकारात्मक विचार हशे तो कोई तमने दुःखी नहीं करी शके.

(D) अशुभ-कर्म दुःख बुलाने की आमंत्रण-पात्रिका है.

(E) आजे बधा बोलनार शंख जेवा थयी गया छे.

(F) अपंग लड़की का जीतना – कहती है – दूसरी लड़-कियों से हमने दौड़ में ज्यादा प्रयत्न किया है. किसी की दया से प्रथन नहीं अयी हूं.

(G) वायु, अग्नि अथवा मृत्यु जहां से भी भय हुआ मनुष्य ने स्वरक्षा में देवी-देवताओं का निर्माण कर दिया, दुश्मन के डर से शाहमृग रेती में मुंह छिपा लेता है – भय से बचने के लिये मंदिर का निर्माण हुआ.

(H) आजे मानस चाले आगे अने देखे छे पाछल.

(I) जीवन में जहां से भी चोट लगे उसका उपयोग करो, ये

તમને જગાડે છે. જે સમજે છે તે માટે પ્રત્યેક પ્રસંગ Alarm નું કામ કરે છે અને જીવન માં જ્યોત પ્રગટ થાય છે, અનેક ના જીવન માં ઉજાસ ફૈલાય છે.

(J) સમય કા હોમ ન કરો.

(K) જિસને ઇચ્છા છોડી ઉસે ઘર છોડને કી જરૂરત નહીં

(L) સાચા હિન્દુત્વનું મહિમા સાથે ભારતીય સંસ્કાર નો જયજયકાર હોય. ભારતીય સંસ્કૃતિ નો પાયો વેદ છે. આ વિધાન સાથે કોઈ સમજુ માનસ અસમ્મત નહીં થાય. વેદ માં મિત્ર શબ્દ ની અનોખી ઊંચાઈ પ્રાપ્ત થયી છે. અમે સૌ મિત્રભાવે પરસ્પર જોઈયે (મિત્રસ્ય ચક્ષુષા સમીક્ષામહે). વૈદિક ધર્મ એટલે મિત્ર-ધર્મઃ હિન્દુ હોવું એટલે સૌના મિત્ર હોવું. ધર્મ તે, જે સત્ય થી પ્રભાવિત હોય (સ ધર્મઃ સત્યવિક્રમઃ)

(M) ખુદ તૂફાન હમારી શરણ મેં આવેગા. જિન્દગી કે સફર મેં ઠોકર લગેગી, ઠોકર ખાકર પડે રહના ઈ પાપ હૈ. સુખી જીવન મિલે તો નીર સમ વહજો, વિપત્તિ ની હવા ચલે તો પર્વત બની જશો. ચલેંગે, થાક તો લગેગી, વિશ્રામ-સ્થલ કો તીર્થધામ માનેં.

(N) રાજા, સુંદર મિખારિન, શાદી, મહલ મેં નિવાસ, 36 પ્રકાર કા ઉત્તમ ભોજન, શરીર દુર્બલ બનતા ગયા. મંત્રીને અલગ અલગ ગોખલા બનવાયા,

मिखारिन रानी रोज़ गोखले के पास जाकर लेना, मां-बाप बोलना और मिखारिन स्वस्थ हो गयी - संस्कार

(429) डूबता मानस के साथ डूबना सहानुभूति नहीं है, डूबते को निकालना सहानुभूति है

JOKE तमे अंदर आवो, नहींतर अपने दोनो भूखे मरेंगे - Hotel पर लिखा Board. ▦ साहेब हूँ A.C. Room में बैठकर काम नहीं करूंगा - मुझे परसेवा नी कमाणी चाहिये. ▦ बाबा, ये टिकिट लोकल गाड़ी ना छे, तमे Fast Train मां मुसाफ़री करो छो - साहेब, Train धीमे हांकोनी? ▦ पति पत्नी से - तू कभी झुकती नहीं - झाड़ू लगाते समय नहीं झुकती - पत्नी ने जवाब दिया.

▦ सभी जगह मुझे देखकर लोग हंसते हैं - अतः सिद्ध होता है - भारत येक छे.

(A) मनुष्य बड़ा बनना चाहता है, सुखी नहीं.

(B) Do not attack, do attract.

(C) अपने पुत्र-पुत्री ना लग्न माटे न्यायाधीश को गोर (ब्राह्मण) पासे जाना पड़ता है! अपनी संतान ना डिवोर्स प्रसंगे ब्राह्मण को न्यायाधीश के पास जाना पड़ता है.

(430) જે ચરે તે પશુ, જે વિચારે તે મનુષ્ય. માનવીનું અંતઃકરણનું વિકાસના ફલ છે ધર્મ. ધર્મના આધાર અંતઃકરણ છે, પુસ્તક નહીં. બે ધર્મ વચ્ચે ક્યારેક ઝગડો નથી થતો, નથી હોતો. અધર્મ સાથે ઝગડા થાય છે.

(A) આત્મધન ની રક્ષા અંજ પરમ કર્તવ્ય – ભગવાન બુદ્ધ કે પાસ સેઠ કા રોના – બુદ્ધ ને ડાકૂઓ કો ઉપદેશ સે સમઝાયા – પરિવર્તન. આત્મધન કી રક્ષા કરો.

(B) ગુરુ કો દીવાલ પર નહીં, દિલ મેં રાખીયે.

(C) I am Voice of India & Spirit of World.

(D) સ્વામીજી પ્રશિક્ષણ વિદ્, નમનીય નેતૃત્વના સાધક વિદ્યાપુરુષ, પ્રતિબદ્ધ વ્યક્તિત્વ, કર્મઠ અને ચિન્તક, પ્રતીક સર્જનાત્મક પ્રતિબદ્ધતાનાં, સત્યસાચી સારસ્વત, સ્વામીજી એક દર્પણ, સફલ પથદર્શક, વિચાર અને વર્તન નો સમન્વય, સહૃદયી કાર્યમિત્ર, કર્મઠ-સુકાની, સર્જક અને રક્ષક, સમર્પિત વ્યક્તિત્વ. શિસ્ત અને સમયપાલન,

(E) મહલ કે શિખર પર બૈઠ જાને સે કૌઆ ક્યા ગુરુણ રો જાતા હૈ? It is the mark of a good man not to know how to do injury.

(F) કિસી કી નિંદા સુને તો આધા હી સચ માનજો.

(G) પરિશ્રમ મિત્ર, અનુભવ સલાહકાર, સાવધાનતાને

मीटाभाई, आशा ने रक्षक शक्ति बनाओ तो जीवन में सफलता ही सफलता है. क्रोध अने चिक्कार भेगा थाय तो व्यक्ति नाश पामे छे. आप सुंदर शाला बनायें, सुंदर शाला आप की संतान को सुंदर बनायेगी. Education makes people easy to lead, but difficult to drive.

(431) Those whom God loves, die soon.

साम्प्रत-नारी

जिस पर अत्तर ना छंटकाव करना चाहिये उस पर केरोशीन छांटाजा रहा है. अग्नि-वेदी पर प्रगट अग्नि चिता की अग्नि न बने. गोर महाराज सावधान बोले छे - इस पर विचार करो. नेपथ्य ना शैतान न बनो. सुबह का पेपर शाम को पस्ती बन जाता है, रे करुणता, तू आटली सस्ती ? पतिदेव:- आजे पति देव थयी गया छे, केवल जीवे छे दानव. दीपक बुझाने में 'अंधारा' ना हांथ होवी जोइये, दूध पीती रिवाज़ में फ़ेरफ़ार थयो छे ते फ़ेरफ़ार ना नाम छे आंसु पीती. भीग Cancer बन गया है. नारी को पीटने, निकालने में मर्दानगी नथी, दहेज़ को पीटो, निकालो-ये मर्दानगी है. दहेज़ की दरख़ास्त को बरखास्त करो, दहेज़ विरोधी धारा छे फ़िर भी नारी की आंसु धारा

बंद नहीं हो रही है. व्यक्तिगत सुधरीये, समाज सुधरी जशे. जे फूंक दीवा ने होलवी नाखे छे ते फूंक मुरली मां मधुर सुर लहर बनी जाय छे कचरो ना उल्टा करो तो रोचक थाय छे. हे नारी, समाज रण बने तो तू रणचंडी बन, शैतान का विनाश कर. दीवाल वच्चे मानस रहे ते घर कहवाय, मानसो वच्चे दीवाल रहे ते कबरस्तान कहवाय. हे नारी - तू ही तेरा वकील बन, तू ही खुद वकालत बन जा, हे भारत की नारी - अब तू ही खुद अदालत बन जा. कुशल कर्मोनुं परिणाम कृष्ण छे, अकुशल कर्मोनुं परिणाम कंस छे. कृष्णमय अथवा कंसमय जैसा जीना चाहते हैं आप के हाथ में है. Head, Hand & Heart - सुंदर जोइये. एक निर्दोष नशो - प्रशंसा. इक इंसान की तलाश है, इमान की जराशी भी जिसमें चिनगारी मिले.

(A) तू अहीं केम बैठा छो, हुं बीमार छुं, तू डाक्टर टै, नां, पछी केवी रीते खबर पड़ी के तू मांदा छे - एक गंभीर ज़ोक.

(B) गोरमहाराज, हुं वर नो बाप छुं, मारी घड़ियाल साची छे.

(C) युवानी सपनों ना Production नी उम्र छे.

(D) Railway compartment मां - तू लड़ सकता है, नहीं, तो Seat से उठ, मुझे बैठने दे - आज की बात.

432) संभव है पाडोसी आप की पसंद का न मिले परन्तु अपने शुभ-अच्छे विचारों से अनुकूल परिस्थिति का निर्माण कर सकते हैं।

1) क्रोध को टालो, पुण्यप्रकोप को जालवो.

2) महान व्यक्तियों पासे जीवनहेतु होय छे, शेषपासे केवल इच्छाओ.

आकर्षणनुं - रसायनविज्ञान

शरीर में एक केन्द्र मगज तरीके छे, योग्य कामगीरी बजावतुं तेने करी शकाय तो मनुष्य की हस्ती की कक्षा ऊँची लई जई शकाय, पाशवता, हेवानियत मांथी दिव्यता नी दिशा मां ते गति करी शके. सर्वोच्च संभावना साकार थयी शके छे. मगज खुद पूर्णतानुं आग्रही छे. काम नानाहो के मोटा परन्तु पूर्णता चाहिये. रसायण विज्ञान नी दृष्टिये जोईये तो कोई पण रासायणिक तत्त्व मां तेनी सौथी ऊपरना कवच (Cell) मां रहेला पूरक वीजाणुओनी संख्या प्रमाणे बे तत्तो वच्चेनुं खेंचाण के जोणाल शक्य बने छे. अमुक निश्चित संख्याना वीजाणुओ आवुं एक पूर्ण कवच रचे छे. आ रीते Sodium मां रहेलो अेक वधारानुं वीजाणु मरणियोबनी ने Chlorine क्लोरीन तरफ दोट मूके छे कारण के क्लोरीन मां एक वीजाणु खूटे छे, तो वीजी तरफ Sodium मां एक वीजाणु फाजल होवा छतां तेना जेवाज गुणधर्म धरावता धरावता) अन्य क्षारो साथे तेनो हस्तमेलाप थयी शकतो नथी. तत्वो वच्चेनो लग्नोनो तथा तमाम रसायण शास्त्र नी बुनियाद जेनी ऊपर रचायेली छे तेज आ सिद्धान्त छे. आज सिद्धान्त अक्षरशः स्त्री-पुरुषो वच्चेना आकर्षण तथा लग्न ने पण लागू पडे छे.

(433) સંગઠન શક્તિ અને નારી સમ્માનનું મહાપર્વ – નવરાત્રી.

(A) પ્રકૃતિ સાથે જે તાદાત્મ સાધી લે છે તેને જીવન સામે કોઈ ફરિયાદ રહે તો નથી. નદી સે સીખો – નદી જીવન નું પ્રતીક છે. વહાવ પ્રકૃતિ નું સંદેશ છે. સંબન્ધો પ્રેમ ની વ્યવસ્થા છે. નદી મેં કુછ ભી ડાલો ઉદાસીન રહતી હૈ કુછ ભી અસ્વીકાર નહીં કરતી, રાગદ્વેષ નહીં રખતી – નદી સતત બહતી રહતી હૈ નદી ની ધ્યેયનિષ્ઠા મનુષ્યમાટે અનુસરણીય છે. નદી પોતાના અસ્તિત્વનું સહર્ષ વિસર્જન કર દેતી હૈ.

(B) બાલક ઈશ્વર ની ભેંટ છે. મનુષ્ય એક ક્ષમતા છે. શ્રદ્ધાપૂર્વક ઉછેર કરીને અસંખ્ય ફલ પ્રાપ્ત કરી શકાય તેવું વૃક્ષ છે. જે શક્તિ પ્રભુયે વૃક્ષ ને આપી છે તેજ શક્તિ બુદ્ધિમાન મનુષ્ય ને પણ આપી છે.

(C) બીમાર સમાજ નો Clinton એક બદનામ ચેહરો.

(D) અમણ માનસ રેલવે મેંસે પર્સલ ચુરાયેગા, પરન્તુ ડિગ્રીધારી સંભવ હૈ પૂરી રેલ ઈ ચુરા લેગા.

(E) દશેરા પર બાહર રાવણ કા દહન હોતા હૈ કિન્તુ માનવ અપને અંદર રામ કા ભી દહન કર રહા હૈ.

(F) પ્લેસેબો લેટીન ભાષા ના શબ્દ છે – અર્થ છે To Please ખુશ રાખવઓ, ભ્રામક દવા જે અપાય છે તે પ્લેસેબો કહવાય.

(G) જ્ઞાન કા પ્રચાર હોતા હૈ, રાગ-દ્વેષ કા નહીં.

(H) માતા-પિતા સે આપ કો બહુત કુછ મિલા હૈ, કિન્તુ આપ સ્વયં જો બનના ચાહતે હૈ વહી બનેંગે.

(433) स्व आनंद की उपेक्षा खानगी तौर पर अपनी हत्या करना है (उपनि- में "आत्महनः जनाः" कहा छे.

(B) आप भले मूर्ति खोज़ें, आप स्वयं एक दिव्य मूर्ति हैं, आप स्वयं एक सुंदर मंदिर हैं, एक सुंदर विचार पकड़ी ने तेनी उपासना करो, सूर्योदय प्रगट थशे.

(C) स्वामीजी, आप संत क्यों बन गये — संत सिवा कुछ और बनने की योग्यता ही मुझमें नहीं है.

(D) विचार ना प्रचार माटे तलवार नी जरूरत नथी.

(E) रोग नी दवा हाज़िर छे, किन्तु दर्दी रोग ना प्रेम मां छे. प्रशंसा में कर कसर न करो. (प्रशंसा).

(F) दवा माटे पैसा नथी मलता, दारू माटे मले छे.

(G) विना विरोध के जो दूषण स्वीकार करते हैं एक दिवस ते दूषण तेमना जीवन ना एक भाग बनी जाय छे. वाहनो ना वीमा फरज़ियात छे, जीवन ना वीमा फरज़ियात नथी. जरूरी वस्तु एकता छे, उदारता नी अनिवार्यता छे, आजे संशय-शंका में हम स्वतंत्र हैं, आजे मानव मां थी निर्दोषित अलोप थयी गयी छे. हम अपने हरीफ़ का अच्छा देख नहीं सकते और हम अपना अच्छा हरीफ़ को बताये विना रह नहीं सकते हैं, विषाद ने सकरात्मक नज़रे जोवो तो प्रगाढ़ अंधकार मां थी रोशनी मलशे.

(H) दरिद्रता, हीनता, अंधकार भीतर है, आप बाहर खोज रहे हैं

(1) There are two types of living (1) Fear oriented. (2) love oriented. I am just the vehicle, the temple that houses the flame. Life should not be taken as a problem, life is not a problem but a mystery. Just allow everything to happen. Every morning you have choice to be happy or unhappy.

(B) The heights by great men reached were not attened attained by sudden flight. But they, while there companio-ous slept, were toiling upward in the night — longfellow.

(C) Worry is ~~too~~ rocking chair, it gives you something to do, but it does not get you anywhere चिन्ता कहीं नहीं ले जाती, आप को कुछ काम दे देती है.

(D) तन पर कपड़ा नहीं और डरते हैं कि स्नान के बाद कपड़ा कहां सुखाये गे.

(E) Do cultivate first class brain like Bhagwan Ganesh.

(444) परमात्मा की बात करो और परमात्मा का जीवन जीओ. विज्ञान गलत के हाथ में न जावे. जीवन में दो ~~दर~~ दरवाज़े न रखो,

(A) When you enquire about the medicines - it means you are weak, you are in Him (God), so do not make an enquiry know & feel He is in you.

(B) नाविक एवं पंडित की कथा - बराबर समझो. डोशी मां की प्रार्थना से यमदूत का आना एवं फिर दूसरे की ओर इशारा करना - इसका मर्म समझो - यथार्थ लक्षी बनो.

(C) Prostitute and Wife के साथ बीता शब्द यथार्थ में अंतर रखता है - यथार्थ को समझो.

(D) नशे में व्यक्ति की साची पहचान मिलती है, पहले मेरे पास आकर शराब पीओ - फिर साधना शुरू करो.

(E) Drawing Room अने BedRoom में अंतर होता है. पूरा घर देखो इसी तरह पूरी तौर पर व्यक्ति को देखो और पहचानो.

(F) अपना गम ले कहीं और न जाया जाये, घर में बिखरी हुयी चीज़ों को सजाया जाये,

(G) कर्ज करने के लिये कलेजा चाहिये.

(445) तू कमीनो, हरामज़ादो छे, और तू पक्का चीना (Chinese) है – चीना होना जबरजस्त गाल छे

(A) शरदी मुझे है और छींक आप को आ रही है.

(B) प्रकाश तरफ़ जवानो मार्ग :–

(1) वास्तविकता को स्वीकार करो. समस्या नो उकेल तमारे पासे छे – समस्या में से निकलना प्रगति की निशानी छे. आ प्रथम पगथिया छे. तमारा अंदर रहेली चेतना तमारा बाह्य वातावरण ना निर्माण करे छे. अंदर की चेतना को तेजो-मय बनाओ, बाहर का अंधकार दूर हो जावेगा, स्वप्रशंसा से दूर रहवी अे सुखी थवानुं रामबाण छे. किसी से प्रशंसा की आशा रखना दुःख को आमंत्रण देना है. मन से अस्वस्थ बनशो जीवन मां अनेक विसंवादिता पैदा थशे. जीवन के हरेक प्रश्न को गहराई से समझने की कोशिश करो. निद्रा में रहनेवाला जीवन को नहीं पा सकेगा. जाग्रत मानस दुःख को सुख में, अंधकार को प्रकाश में बदल देता है. हमें जिन्दगी की आग में डालो, आगने फेरवीश बाग मां.

(2) कामकरनार कदरकरनार नीराह जोतो नथी. उपाधि ने समाधि नुं साधन बनाओ अने बनावी शकाय छे. शंका चीमू ज़हर छे. जाते जले, अन्य ने प्रकाश आपे

ओ प्रेम दीप. अपराधी को क्षमा मिल सकती है, निर्दोषता नहीं. Five Star Hotel का भोजन अच्छा हो सकता है परन्तु शुद्ध-पवित्र नहीं. मां का हाथ (स्पर्श) हमें आनंद देता है, फिर मां के हाथ का भोजन क्यों आनंद नहीं देगा? दुर्गुण युद्ध नुं सर्जन करे छे, सद्गुण युद्ध लडे छे. मां-बाप ना आचरण बालक मोटे पाठ छे. ज्यारे मूर्ख निश्चय करे छे त्यारे बाजार अनुकूल नथी होतो. समय पर निकलना मुख्य छे, फिर दौड़ना व्यर्थ. पल गुमाओ, आपत्ति बुलाओ. सुख से शांति नहीं, शांति से सुख छे. उच्चपद पर बैठने वालों के अन्याय से क्रांति का जन्म होता है

7) जो पत्थर प्रतिमा बनी शके छे तो इन्सान पण भगवान बनी शके छे. आपणी जात मां परिवर्तन लावी शकवानी आपणी क्षमता ने कदी ओछी न आंकवो. मानस रोज़ अमृत कटोरा ढोली नाखे छे. कोयला के तराजू पर हीरा न तौलाय, अपना घर जलता होय त्यारे लंका में लगी आग बुझाने मत जाओ. सुख मोटनी चिन्ता दुःख पैदा करे छे. जहां समाज है वहां समस्या होगी. To study much, to see much & to suffer much are the pillars of learning. जीवन पोतेज़ एक महान ग्रंथ छे.

(446) Youth is not a time of life, it is a state of mind. हाज़री मां जे डरे छे ते गैरहाज़री मां तमने चिवकारे छे. निराशा करता खोटी आशा वधारे खतरनाक छे. पैसा सिंह की तरह गर्जना करते आता है और सांप की तरह गुपचुप निकल जाता है। दूसरों को छोटा समझना सरल है, खुद को छोटा समझना कठिन है. अगर पगथिया नहीं बन सकते तो किसी के लिये कांटा न बने. मतभेद जागृति नी निशानी छे.

(1) The philosophy of life in two-words - Sustain & Abstain.

(2) Kicks raise dust, not crops.

(3) सफ़लता वह सीढ़ी छे के खिस्सा मां हांथ राखी-ने चढ़ी शकाय नहीं

(4) चंचुपात करे ते कागला (सीताजी का उदाहरण)

(5) cricket की रमत में एक खेलता है और ग्यारह आप को out करने के लिये आस-पास खड़े हैं

(6) सुकन्या को लग्न मंडप में लाओ, और फ़िर कहा सुवर (दुल्हा) को मंडप में बुलाओ (हंसाहस).

(7) पसीने से प्राप्त पैसा बुद्धि वगाडसे नहीं. हृदय ने भगवा रंग थी रंगे ते परमहंस. मानवी जे खाय छे तेना थी नहीं, जे पचावे छे तेना थी बलवान बने छे.

(447) आग सोना नी कसौटी करे छे, आपत्ति वीर पुरुषो नी. जे तमे आपो छो ते तमारू छे, जे तमारी पासे राखो छो ते तमारो नथी. मुश्केली से घबड़ासो नहीं, अे तमारी जीवन परीक्षा छे.

(A) कामकरे वगैर जे पैसा मले ते पेंशन कहवाय, आ लो साहेब, तमारी पेंशन (वास्तव में लांच).

(B) शैतान का स्थायी पता नहीं होता है, सतत पता बदलता ही रहता है Secularism केवल स्वार्थ माटे वापरवानो जणस नथी (SECULARISM). जे समाज मां स्त्री निर्भय अने सुशील होय ते समाज सभ्य कहवाय. मुक्त होना, मर्यादाशील होना स्त्री का पराक्रम है, जे स्त्री लज्जा गुमावे ते पुरुष ना आकर्षण भी गुमावे छे. गुलाम स्त्री ढीगली बनी शके, शीलवान न बनी शके ढीगली ने शील नथी होतुं.

(C) मनुष्य नुं निर्माण थाय तो राष्ट्र ना निर्माण थाय. कांटा तो आपो आप बढ़े छे, मेहनत गुलाब माटे करवु पड़े छे. झाड़ी आपो आप फैलाय छे, जतन तो उपवन बनाववा माटे करवुं पड़े छे. जंगल घट रहा है, जंगलीपन बढ़ रहा है. संतत्व माटे संसार त्याग नी नहीं पण मानव-परिवर्तन नी जरूरत छे. मानव में रहेला मानवतत्व जगाओ, और बचाओ, मानव ने सभ्य बनाववा माटे अंदर थी बदलवुं पड़से. माणस ने अंदर थी कोई बदली शके नहीं, स्वयं बदलना पड़ेगा. दरेक ने स्वयं तैयार थवुं पड़शे.

(D) सबसे खराब जीभ, सबसे अच्छी जीभ. मुख तिजोरी है अने वचन रत्न. वचन (रत्न) का उपयोग समझदारी पूर्वक करो. मधुरता वाणी नी शंभा छे, कर्कश वा कलंक

448 माता ने मेरा एक हाथ पकड़ कर रक्षा की है, हे राजन, आप ने मेरा दोनों हाथ पकड़ा है – मेरी पूरी रक्षा है (रहस्य को समझे) जाग्रत मानव कभी लुटा तो नथी. प्रतिकूलता को स्वीकार करके उसमें से अनुकूलता शोधवुं जीवन छे.

(B) सतत ध्येय को ध्यान में रखो, अवरोध को नहीं.

जिन्दगी जादू-टोना के चमत्कार नथी. बधु आपणी इच्छा मुजब बने छे. जीवाती जिन्दगीनुं पण एक चौकस गणित छे. जे माणस समयनुं मूल्य जाणे छे, सरीजती जिन्दगी जोई शके छे, जे जीवन ना वरदान ना मूल्य जाणे छे ते मानस पोताना कार्य नी चौकस दिशा नक्की करे छे ते ध्येय समय नी मर्यादा मां रहीने पूर्ण करवानुं लक्ष्य राखे छे. समय कभी युवक अथवा वृद्ध नहीं होता. समय पोते कदी क्षय पामतो नथी. समय अंतहीन अने अमर छे. अंतले आयोजन हमें करना है, समयचक्र को नहीं. कुदरत कभी बोनस आपे अने कभी न आपे. संतोष-आनंद आपणी जिन्दगीनुं बोनस छे. खुशी ना चबकारा केटला छे? जड़ घड़ियाल अनेक माटे मार्ग-दर्शक बने छे, जाग्रत-मानस दिशा-सूचक, समयसूचक क्यों नहीं बन सकता है? अपनी जिन्दगी के रथ के हम स्वयं सारथी हैं – आपकिस दिशा में जाना चाहते हैं – – आप स्वयं नक्की करें – समय आप का साथ देगा.

(449) क्रांतकारी छतां कल्याणकारी संत का नाम है — स्वामी मनीषानंद.

(A) सामान्य यात्रा मां आप तैयारी कितनी करते हैं तो महायात्रा से पूर्व भी तैयारी करनी पड़ेगी.

(B) ससरा ने अपने जमाई को क्रमशः केरी, गाड़ा भरीने केरी, पूरे बगीचे की केरी भेजा फिर भी संतोष नहीं हुआ. आप भगवान् के दीकरा हैं, जमाई नहीं. अपना पन दीकरा में है — संतोष है.

(C) अेज हांथो में छे मारी जिन्दगी, साचवी जेन शका मेंदी नो रंग ⊞ प्रवेश्यो हुं मुट्ठी मां लईने रहस्यो, जती वेला खुली छे शीतल हथेली,

(D) नैतिकतानां नगाड़ा आप को बगाड़ना है अने तमे बगाड़ी शको छो. सत्य को ढंकना ही पाप है.

(E) जे समाज ज्ञान ना महासागर सरीखा वांचन जगत ना कांठे उभो न होय, ते गमे त्यारे रण मां डूबी शके छे. ⊞ दर्द मिलने से पहले दवा मिल गयी.

(E) J= भाई व्याज लाओ, कैसा व्याज, मेरे से व्याज पर आप पैसा लेनेवाले थे, आप का इंतज़ार करता रहा, आप ने लिया नहीं, हमने दूसरे को दिया नहीं तो एक लाख का व्याज दीजिये.

(C) तिरस्कार किया है।

दुःख की उपेक्षा करके मान से सुख का

(45) ઉભા રહેવું એટલે સાચી રીતે વિચારવું.
દૌડ દૌડ કર જગત નહીં જીત સકતે.

(A) પ્રાર્થના — વિના Premium મરે તમરો વીમો.

(B) પ્રેમ માં ગણતરી કેવી — સંત ને માલા ફેંક દી.

(C) ઓછુ બોલો, ખાઓ અને ઓછુ ખર્ચો — જીવન શ્રેષ્ઠ બનશે.

(D) નિષ્ફલતા કા કારણ જે બીજાપર અથવા પરિસ્થિતિ પર નાખે છે તે કદી સફલ થયી શકતો ન થી.

(E) ગુસ્સો મગજના દીવા નો ઓલવી નાખે છે.

(F) ભૂલ કરના પાપ ઉસે છિપાના મહાપાપ. ક્રોધ શક્તિ ના બગાડ છે. જે આગ દુશ્મન માટે સલગાઓ છે તે તમે વધારે દાઝશે. પ્રેમ વધાપર, વિશ્વાસ સબપર નહીં.

(G) Head-light — ધ્યાન આકર્ષે છે, મહત્વ Engineનું છે. તમારી ઉપલબ્ધિ Head-light છે, સદ્ગુણ Engine છે.

(H) દુઃખ સે મુક્ત હોને કે લિયે, સુખ કી સલામતી કે લિયે હમ પરમેશ્વર કો યાદ કરતે હૈં.

(I) હૃદય કે તાપ સે અશ્રુ ગરમ હો જાતા હૈ.

(J) દુનિયા દો રંગી, રાષ્ટ્રધ્વજ ત્રિરંગી, સેના ચતુરંગી પટોલું પચરંગી, ઋતુ ષટરંગી, મેઘ ધનુષ સપ્તરંગી ~~#~~ નારી — શક્તિ ધારે તો જબર જસ્ત પરિવર્તન લાવી શકે છે. નારી શક્તિ એ પરાશક્તિ છે.

(K) જનતા કા દુઃખ ખા-ખા કર મંત્રી જી જાડા હો ગયે હૈં

(451) प्रशंसा करो किन्तु मर्यादा में:

(A) तूटी हुयी तकदीर का क्या रोना, मनहूसों की महफ़िल में क्या जाना। ## हे फरिश्ते, आज मुझे Accident से बचाया, किन्तु शादी के दिन तू कहां था? ## पोताना बालको सामे हारवा थी आनंद.

(B) तमारे पासे हथौड़ा तोड़वा माटे छे, चणवा माटे लेलू नथी. हथौड़ा-लेलू बेउ साथे राखो.

(C) Understanding is the shortest distance between two people. ## काम करनार कदरकर-नार नी राह जो तो नथी, पोताना दांत थी पोतानी कबर तैयार न करो.

(D) The teacher is real maker of history.

(E) The foolish achieves success, the worthy glory. Things do not change, we change.

(J) मंत्रीजी शहर में Visit पर आये — एक जगह लिखा था — शहेर का स्मशान आप का स्वागत करे छे. (J) पत्नी ने पति से कहा, "आ चौथा बालक ही तमारू छे"

(I) प्रथम पुत्र का नाम — निरंजन, द्वितीय का नाम चित्तरंजन तो तीसरे पुत्र का नाम रख दो — दंतमंजन.

(H) जे मुसीबत ना बोझ उठावी शके छे ते सफलता ना अधिकारी छे.

452 (J) लगता है पागलपन तमारा खानदान मां वारसागत छे – वकील ने अपने असील से कहा. असील ने कहा – मेरा पिता Doctory छोड़कर वकील बना.

(A) मुसीबत में दोस्त काम आते हैं, किन्तु दोस्तों के कारण मुसीबत भी आती है.

(B) जहां नाम' छे तहां सुंदर काम' छे अच्छे व्यक्तियों नों फालो छे. शिक्षण शिक्षक नी आत्मा में से प्रगटे छे, विद्यार्थी नी चेतना ने जाग्रत करे छे. सुंदर इमारत बनाना आसान है – विद्यार्थी में सुंदर व्यक्तित्व प्रगट करना शिक्षक की तपस्या है.

(C) Interview (Joke) तमे रांधता आवे छे – लड़की ने कहा हां'. फिर लड़की ने लड़के से पूछा. तमे वासण मांजता आवे छे?

(D) मितभाषी बनो, शब्दों नो उपयोग धी-माफक करो.

(E) आप के मुख में घी शक्कर (अब इंगरी-बटाटा)

(F) गीता नां सांख्ययोग सिद्धान्त मां – अधिष्ठान, कर्ता, कारण, प्रयत्न अने भाग्य प्रत्येक कर्म ना पांच हेतु नुं वर्णन कर्युं छे.

(G) ॥J॥ तमे नसीबवंत छो – संयोग से आजे हुं cycle चला रहा था, वास्तव मां हुं Bus-Driver छुं. (Accident Joke)

(H) बम्बई की सरकार कंजूस छे, बस के ऊपर बस राखे छे.

(453) J:- Supreme court के विरुद्ध हम High court में नहीं जा सकते = वकील पिता ने अपने पुत्र से कहा। पत्नी Supreme court है।

(A) Honest मां Honesty नथी. H विना जरूरत छे.

(B) येक स्वप्न ने उछेरी जोइये, आपणा इतिहास ने शणगारवा पृष्ठ एकाद उमेरी जोइये. मित्र साची वात कही शकता नथी, कोई दुश्मन जोइये. गजल ना आबरू आंकवा माटे शब्द नो कोई झवेरी जोइये. फूल नी फरियाद बधा सांभलशे, कंटको ना आदर थवु जोईये.

(C) Train में:- आमाद लियुं नथी, Tea bag छे - माताजी.

(D) Attitude नुं तीन पासा छे = मान्यता, लागणी (Feeling) अने वर्तन. III श्रेष्ठ नी खोज न करो, स्वयं श्रेष्ठ बन जाओ.

(E) यह भी दिन जायेंगे - (अकबर - वीरबल कहानी)

(F) प्रथम अपने दोषों का दर्शन करो - गुरु शिष्य की कहानी (गुरु ने शिष्य को एक दर्पण दिया - वह दर्पण प्रथम गुरु के सामने रखा - 12 वर्ष लगा दिया फिर अपने सामे रखा - पुनः गुरु दर्शन.

(G) संस्कारवान ही जीवन को मंगलमय बनाकर समाज में सुवास ला सकता है.

(H) ज्ञानी के सामने कोई मुश्किली नहीं है, और ज्ञानी से किसी को मुश्किली नहीं है.

(454) हमें नौकरी पर रखना है न कि छोकरी सेलाम करना है।
(एक कहानी – विगत मंगाने पर एक विचार)

(A) Pen लो और Open ओपन the Door.

(B) ताराओ विनानुं आकाश, पंक्षियो विनानुं उपवन वह व्यक्ति है जिसका कोई मित्र नहीं है.

(C) मानसिक स्वस्थता, सतत परिश्रम, नियमितता, शुद्ध भोजन, सूर्यनमस्कार, समयपर सोजाना – यह दीर्घायुष्यनुं रहस्य छे.

(D) (J) मंत्रीजी – मंत्री बनने के बाद हरेक क्षेत्र में रिफ़ोर्म Reform लाऊँगा = एक नागरिक – हमें Chloroform क्लोरोफ़ोर्म तो नहीं देंगे ?

(E) (1) क्या करना है (निश्चय करो)
(2) मुझे देखना है बस मेरा (यह बाधा है)
(3) नहीं कर सकता, छोटा हूँ (यह भी बाधा है)

(F) परमात्मा के उपकार का स्मरण करते हुये अपने दुर्गुणों को निकालना ही प्रार्थना है. उदारता और सहनशीलता से परमात्मा के निकट पहुंचते हैं.

(G) नमस्कार मां शक्ति अने सिद्धि छे.

(H) जे आज छे ते आवती काले नथी, जे मगई काल ने आज नथी.

(I) अष्टावक्र मुनि पर पूरा एक प्रवचन है.

(J) अपने को खाली करने की हिम्मत रखो. जे खाली थवा तैयार हशे तेज भराशे. जे खाली थवा माटे तैयार नथी ते सदा माटे खाली रहशे.

(455) વ્યવહાર માં બાંધી મુઠ્ઠી લાખ ની ખુલી જાય તો રાખ ની. અધ્યાત્મ મેં બાંધી મુઠ્ઠી રાખ ની ખુલી જાય તો લાખ ની. પરમપ્રાપ્તિ વાસ્તે વાસ્તવિકતા કો સ્વીકારો.

(A) દેહલી - મૂલ સંસ્કૃત શબ્દ છે, અર્થ છે ઉબરો.

સૂર્ય

આપણું હોવું અને સૂર્યનું હોવું એક હકીકત છે. સૂર્ય દેખાય છે, પરમાત્મા નથી દેખાતો, પરન્તુ પરમાત્માના તેજોમય પ્રતિનિધિ સૂર્ય દેખાય છે. અહિંસા સક્રિય બને તો પ્રેમ અને કરુણારૂપે બહવા લાગે છે.

ભૌતિક શાસ્ત્ર માં વાષ્પીભવન ની ગુપ્ત - ગરમી (Latent Heat લેટંટ હીટ અંગે ભણવા મળેલું, વ્યવહાર માં Latent Cruelty લેટંટ ક્રૂઅલટી (ગુપ્ત ક્રૂરતા) નો અનુભવ થતો હોય છે. વાસ્તવિક કરેલા લેં - વ્યવહારિક કરેલા લેં. કરેલા કે સાગમેં ગુડ ડાલકર હમ કડવાસ દૂર કર દેતે હૈં. શાક બને ત્યોર કરેલાનું સત્ય નાશ પામે છે અને શાકનું અસત્ય સ્વાદિષ્ટ બની જાય છે. સંત અને સર્જક પોતાના 'સ્વ' ને વફાદાર રહે છે. કોઈ સ્વીકૃત મૂલ્યો ને, પરંપરા ને નહીં. સાચા સાધુ એવં સાચા સર્જક ને સંસાર બહુત દેર કે બાદ પહચાન પાતા હૈ. III તકવાદી ની વ્યાખ્યા - પોતાના વિચારો પર ઠંડું પાની રેડાય ને ત્યારે તેમાં થી Icecreams બનાવી ને વેચે તેનું નામ તકવાદી.

(456) खानगी वात मोंनी अंदर टकाववानों कोई उपाय मानवजात हजु सुधी शोधी शकी नथी.

(A) हम सब न जागे हुये बुद्ध हैं, Unawakened Budha (नहीं जागेला बुद्ध). जहां देव छे त्यां जागृति नथी, जहां जागृति नथी तहां उपस्थिति नथी. प्रत्येक क्षणे उपस्थित होवुं अंज खरा जीवन नुं मर्म छे. दुःख आवी पड़े त्यारे जागी जवानुं छे. जिसका स्मरण करोगे वह उपस्थित है. स्मरण जीवन ने अर्थ-पूर्णता नी दीक्षा आपे छे. नहीं जागेला बुद्ध ने जगाड़वा मां मलेली निष्फलता पण मूल्यवान छे.

(B) आपणो मोटो रोग- नडतर. बहु बडबड न करो. व्हीसल गाड़ी नथी चलाती. टीकाकार नां पुतलूं तमें कहीं जोया छो. टीकाकार न बनो. जीवनमां तकलीफ़ोन आवे, वीचार ऐसा कभी न करो. तकलीफ़ छे तो तक छे

(C) आप ईर्ष्या करें ऐसा कुछ भी मेरे पास नहीं है. पात्रता के अनुसार सब कुछ मिला. हम चाहते थे और नहीं मिला- हमारे में उसे पाने की योग्यता नहीं थी; पात्रता नहीं थी. आज का चार वर्ण:- (1) 1 से 8 वर्ष तक बाल्यावस्था. 8 से 16 तक मुग्धावस्था. 16 से 24 तक आसक्तावस्था. 24 से 40 तक भोगावस्था और 40 पछी विरक्तावस्था.

(D) उठो, जागो, चालवा मांडो, तमारे जहां जाऊ होय तहां जाय छे रस्तो.

(456) (A) પગપેડ ત્યાં પછી થયી જાય છે રસ્તો. સીધા રસ્તા, ટેઢા રસ્તા, રસ્તાનેજ પાછલ મલે રસ્તો. સફર નો તો જ સાર્થકતા, પરમાત્મા નો જો મલે રસ્તો.

(B) સુખ નો આભાસ આપી છટકી જાય — એ માયા.

(J) આ માનસ ના મગજ બગડી ગયા છે તો હાંથ કેમ વાંધો છો.

(J) આપ ઐતિહાસિક ઉપન્યાસો નાં કુશલ શિલ્પી છો, હાં, હું દાટેલા મુર્દા સહી સલામત બાહર કાઢી શકું છું — પ્રસિદ્ધ લેખક વંકિમ ચટ્ટોપાધ્યાય ને કહા. અને કોઈ શવ ને અંગભંગ થયી જાય તો, તો હું એ બીજા લેખકો માટે છોડી દઉ છું — જવાબ.

(J) તૂમાર ખાય છે, શરમ નથી આવતી — મુશ્કિલોં કા સામના હંસતે હંસતે કરના ચાહિયે — બાલક કા જવાબ

(J) ચુંટણી આવે તો કેશ કર્તન આસાન થયી જાય છે — ક્યોંકિ તે સમય કેશ ભય સે ઉભા થયી જાય છે.

(C) સમય એવું રબર છે જે મોટા ભાગ ના નામ ભૂંસી નાખે છે.

(J) શિરવંડ, માવા ની બરફી, ભાજેયા, કચોરી બનાવી રાખવા છું — — ચલો જમવા — પતિ ને કહા — પતિ ને કહા મને તૂં બનાવે છે — તમે નહીં — પડોસિયો ને બનાવું છું.

(J) આંધલા ~~સ~~ સૂપડા, થાંભલા જોયા નથી તો પછી કેવી રીતે કહી શકે કે હાંથી થાંભલ જેવા છે.

(E) સંપત્તિ મિત્ર બનાવે છે પણ તેની કસોટી વિપત્તિ માં થાય છે.

(45) जिन्दगी नी बाजी नुं मुख्य हेतु सारी रीते खेल-
-वानी छे- जीतवानुं नथी. मानव शरीर परमात्मा
नी प्रसादी छे - प्रसादी संभालो और आदर करो.
(B) जे पोताने जाणे छे ते भगवान ने जाणे छे.
(C) वैज्ञानिक जगदीशचन्द्र बोस जब नाना हता, मां
ने कहा - रात में वृक्ष पर न खेलो - वृक्ष को
सोने दो - जगदीशचन्द्र इसी छोटी सी बात पर आगे
चलकर सिद्ध कर दिया कि वनस्पति में जीव छे.
(D) एक गेहूं का दाना 12 वर्ष में अटलो मोटो
भंडार थशे के बहुत से लोग भोजन करी शके.
(E) परमेश्वर नी याद साथे जीवुं छुं, फरियाद नी आदत नथी.
बगीचा पसंद छे, रण पसंद नथी. लिखना पसंद छे, कोरा
कागज रखना मारी आदत नथी. विशाल गगन मां विचरुं छुं,
घरा पर बैठे रहना मारी टेव नथी. हंसता हंसता सही लेऊं
छुं, रडवानी टेव नथी. मौत को विसारी ने हुं जीवुं छुं
समय रोकवानी मारी टेव नथी.
(F) अपनी दिव्य आत्मा की आवाज़ सुनो, नहीं तो सारी दुनिया
की एक दिवस आवाज़ सुननी पड़ेगी. अनुभव से बुद्धि
बढ़े छे, किन्तु मूर्खता ओछी थती नथी. जिस कारण
से आप कल दुःखी होने वाले हैं उसका त्याग आज
ही कर दो. प्रशंसा भले न करो - दूसरों की प्रशंसा
सुनने लायक तो बनो. मेहनत सोनहरी चाबी छे जे
नसीब ना द्वार खोली नाखे छे.

(458) ગલત વ્યક્તિ કો એક બાર સુધરને કા મૌકા દો. વિચારોં ને લીધે માનસ બહુત યાતના ભોગે છે. આધી જિન્દગી ઉધાર લેને મેં, આધી ઉધાર ચુકાને મેં હમ જીવન પૂરા કર રહે હૈં. પાપ માં ભાગીદાર બનવા કરતાં મુશ્કેલી માં રહના વધારે સારું છે. પ્રથમ દિમાક (Brain) ખરાબ કરકે પૈસા કમાયા જાતા હૈ, ફિર દિમાક ઠીક કરને કે લિયે પૈસા ખર્ચ હોતા હૈ.

(A) 100 વર્ષ પહલે લોગ સુખી કૈસે રહતે થે – વે ચાભી મુઝે મિલ ગયી હૈ – ઉત્તર મેં કહા ગયા – અત્યારે તે ચાભી કો કાટ ખા ગયા હોગા.

(B) હાસ્ય મન ની ગાંઠ સરલતા થી ઉકેલી નાખે છે.

(C) જિસે હમ ઉપદેશ દેતે હૈં વહ ભી હમેં ઉપદેશ ન દે તો દુઃખી હો જાતા હૈ મુફ્ત મેં મિલી શ્રીમંતી નો ઓડકાર લાગે છે, અને અપચો પણ થયી જાય છે.

(D) જીવતાં શીખવે તે શિક્ષણ. સંસ્કાર વિના ઊંચી ડિગ્રી-ધારી વ્યક્તિ અકસ્માતે બે પગ પર ઉભા છે. રાસ્તે મેં ભૈંસ ભડકી ડોશીમાં ડરસે મંદિર કે ઓટલે ચઢ ગયી ઔ પુજારી ને ચરણામૃત દે દિયા – આજે આ સંયોગ ઉભા થયી ગયા છે.

(E) દરજી ની મરજી થાય ત્યારે ખમીજ સીવે. દાંત ગયા પછી શીરો વધારે ભાવે.

(159) तथा शिला-ना लंदा वह विद्यापीठ थी जहां से विश्व की समस्याओं का समाधान मिलता था. ईमारते ऊंची है परन्तु व्यक्ति का विचार नीच बनता जा रहा है. शिक्षक जे दिवस थी सोटी मूकी दीधी ते दिवस से पोलिस को बंदूक उठाववी पड़ी.

(A) सज्जन बनवा माटे सद् विचार की जरूरत है — शपगार - कपड़ा - पावडर की जरूरत नहीं है.

(B) 1972 में अणु धड़ाको जे थयो हतो सांके तिक नाम Operation - Buddha हतुं — सफलता ना खबर Buddha has smiled आ रीते बड़ा प्रधान ने आप्या हत (बुद्ध भगवान हस्या छे) आ वख्त (1998) में जे थयो सांके तिक नाम हतुं Operation - Shakti अने सफलता मल्या पछी बड़ा प्रधान वाजपेयी ने संदेश आपो हतो — शक्ति नो स्फोट थयो.

(C) Man proposes, God disposes But Now Today — God proposes & Man disposes

(D) मानव जन्म उर्ध्वगति साधवा माटे छे — आ समझ न आवे तो अधो गति थशे. We can take a horse to the water but we can not make it drink the water III भारतीय संस्कृति अने सनातन धर्म. सनातन धर्म — शाश्वत, काल से परे, परम तत्व नी पहचान करावे ते सनातन धर्म. (Eternal).

(460) મૂર્ખ માટે ગધેડા યેવુ બોલાય છે – પરન્તુ ખરેખર ગધેડા મૂર્ખ નથી – રાજા ભોજ કે દરબાર મેં કવિ કાલીદાસ ને સિદ્ધ કિયા = ~~હંસહંસ~~ત હંસતે હંસતે બોલના, ખાતે ખાતે ચલના, દો બાત-ચીત કરતે હો ઔર બીચ મેં ટપક પડના – ઐસે કો મૂર્ખ કરાગયો

(A) નાંણા ખા--- તું (સરકારી કાર્યાલય) હસાહસ

(B) અપને કમરે મેં કોયલા રખકર બાહર મિઠાઈ કા બોર્ડ લગા દેને સે કોયલા મિઠાઈ નહીં હો જાતા

(C) વિનય વિના ધર્મવૃક્ષ સુકાઈ જાય છે.

(D) જીવન વૃક્ષ છે – ડાલિયોં પર ફંસી પતંગ જૈસી હમારી જિન્દગી હો ગયી હૈ – ઐસા આજ લગતા હૈ

(E) મહાત્તા ની મંજિલ સદ્ગુણો ની સીડી દ્વારા સર કરી શકાય

એક વિચાર કહાની દ્વારા – આપ કે ગામ મેં કોઈ મહાન ત્યાત્તી, પરમ વિદ્વાન જન્મ્યા છે. ઉત્તર – આ ગામ માં બાલક જન્મે હૈ – સુબ ભ્રમ, લગ્ન સે લોગ મહાન ઔર વિદ્વાન હો ગયે હૈં. જન્મ સે કોઈ મહાન નહીં, કર્મ સે 'મોટા માનસ' એક દિન હો જાતે હૈં. We are all born equal, and we are distinguished alone by virtue. આપણે સહુ સામાન્ય ભાવે જન્મ્યા છીયે અને પછી સદ્ગુણોં ના આધારે વિશેષતા - મહત્તા પ્રાપ્ત કરીયે છે. સ્વામી વિવેકાનંદ કે વિદેશી શિષ્યોં ને 'ગુરુદેવ રામકૃષ્ણ

का दर्शन करने के बाद स्वामी विवेकानंद के पास आये - स्वामीजी ने उत्तर दिया पूर्व और पश्चिमी संस्कृति में अंतर है - पूर्व अंदर झांकता है, पश्चिम बाहर देखता है सद्गुणों के आधार पर व्यक्ति का मूल्यांकन है, न कि देखाव पर. सुंदर Packing हो किन्तु अंदर सड़ा माल हो तो कौन खरीदेगा? भरा गिलास भी झुकता है और नदी में से पानी लेने के लिये खाली घड़े को भी झुकना पड़ता है - नम्रता दोनों परिस्थिति में होनी चाहिये.

(5) हिमंत हारी जशो तो जिन्दगी हारी जशो. क्षितिज दिखायी पड़ रहा है आगे चलो और पावोगे क्षितिज भी वहां नहीं है और आगे है. कोलंबस की हिम्मत दाद मांगवी जेवी छे. ससरा के घर बहु देखती है अनाज का भंडार है - साफ़ करो, पीसो, रोटली बनाओ - ससरा ने कहा, नवी बहु घबड़ा गयी - ससरा ने कहा - सब आज ही नहीं करना है - - रोज रोज़ थोड़ा ही थोड़ा करना है.

नंगे पांव के बजाय जूता पहनकर हम ज्यादा तेज़ दौड़ सकते हैं.

टेबल पर ६९१ (६९१) में थोड़ा काना पाड़कर सीधा खड़ा कर सकते हैं

कोलंबस के विरोधियों ने कहा - यह कौन सी बड़ी बात है" - कोलंबस ने उत्तर दिया - हमने ऐसा करने के लिये आप सब को कहां मना किया था? The Struggle is the poetry of life.

(A) Doctor said to his wife, "She comes to me totally on Professional - basis? Is she Professional? Said wife.

(B) बस में से आदमी गिर गया है - बस रोकने की जरूरत नहीं है - टिकिट उसको दे दिया है।

(C) श्रद्धा नो अर्थ अंधविश्वास नथी. ग्रंथ में लिखा है, किसी ने कहा है - स्वयं अनुभव करने के बाद मानना ही श्रद्धा है. ~~#~~ इच्छा का त्याग ही भजन-कंदरा में निवास करना है. ~~#~~ लिफ्ट Lift में बैसाय नहीं, उभा रहेवुं पड़े. ~~#~~ दरेक क्षण नवी तक छे.

(D) घी के डब्बे में से काणा होने से आधा खाली हो जाना - सेठ का नौकर पर शक करना - प्रथम तपास करें. घी सुराख से नीचे गिर गया था - नौकर चोर नहीं था.

(E) गुणों की प्रशंसा करो साथ ही साथ गुणों को अपने - में लावो.

जिन्दगी

(461) लोको जीवन सुधारवा मांगता ज नथी. गमे तेटलुं समझावीये परन्तु रामायण ना धोबी मरतो नथी. ठेरठेर मंथरा. घेरघेर मामा शकुनि. और दुर्योधन. इच्छामृत्युवाला भीष्मदादा खामोशी थी चीरहरण समये बैठा छे. दशेरा ना दीव से रावण ना पुतला बालवा माटे सब तैयार छे. किन्तु नारी की रक्षा में प्राण होम करने वाला जटायु बनवा कोई तैयार नथी.

(A) मैं वांदरा नचाऊँ छुं (हुं मदारी छुं) आ पैसा थी पुत्र ने College मां भड़ाऊँ छुं अने शिक्षण ने वहाने त्यां पुत्र नाचे छे. हकीकत मां वांदरा मने नचावे छे, मैं नहीं उसने मुझे डोरडा से बांध रखा है.

(B) सुर अने बेसुर मां अटवाय ते जिन्दगी. आत्मा विना नुं देह केटलो सुंदर होय किन्तु नकामो. सत्ता विना नुं व्यक्ति नकामी. निर्जीव बनने के बाद ही झाड़ विविध स्वरूप में कारीगर द्वारा प्रगट (बनता) है, होता है.

(C) Hospital में एक द्वार से नवजात शिशु लेकर खुशी-खुशी बाहर आना और उसी द्वार से Dead-body लेकर निकलना — जीवन और मरण दोनो दृश्य एक समय में ही दिखते हैं.

(D) जिन्दगी अेटले एक आभासी सुख. पत्थर ना दरेक टुकड़ा में प्रतिमा रहेली छे, कोतरवानी जरूरत छे.

(462) तलवार पर चलना आसान है, प्रमाणिकता से चलना मुश्किल है. चाले छे मात्र समय, आपणे तो मात्र अेना पंगला छोये. लाकड़ा ने बधा ओलंगे छे किन्तु वह लाकड़ा जब सलगता आनि बने छे तब कोई ओलंगतु नथी. ⊞ लो शस्त्र मूकी दीधा, अब तमे साग आ चाकू थी समारो – पत्नी ने पति से कहा (हसाहस) ⊞ दारु धीमा जहर छे – मत पीवो. मने मरवा मां कोई उतावल नथी (हसाहस)

(A) जीवन मां कितने आश्रय स्थान मिलेंगे, किन्तु घर थी स्मशान सुधी मां मारो विश्राम क्यां ?

(B) जीवन नी चादर पर समझण नी Design करीये.

(C) Jo, वक्ता के समक्ष कागज पे गधेडो लिखकर भेजा, वक्ता ने करा – नाम आया – किन्तु प्रश्न नहीं पूछा.

(D) Jo, भविष्य की आगाही कर सकता हूँ – Good-Friday, सूर्यग्रहण, चन्द्र गरण = शुक्रवार, दिवस, रात्रि ही होगी.

(E) शेख-सादी की मस्जिद में प्रार्थना – मस्जिद से निकले – अपंग, कुष्ठरोगी, लाचार को देखा = परवरदिगार आलम को शुक्रिया अदा की. असंतोष सब वेदना की जड़ है.

(F) सत्ताधारी सब पर हुकुम चलावे छे, परन्तु सत्ताधारी पर आवेग, आकांक्षा छुपी रीते हुकुमत करे छे.

(G) सूरज ने तो तेना प्रकाश नो सादो पोषाक (पोशाक) ज – होय छे.

(463) ज्ञान नी भ्रमणाओ सुबह की धुम्मस जेवी छे.

(A) पंखी ना गान अे प्रभात ना प्रकाश नो पृथ्वीये पाडेलो पडघो छे. ### Rishi सूर्य ने 'पूषन्' कहे छे. सूर्य पोषण कर्ता छे, शोषण कर्ता नहीं. सूर्य अंधकार नो शोषण नथी करता, अे तो अंधकार ने परम उज्वल वस्त्रो थी शणगारे छे, अंधारा मां पडी वस्तु ने सूर्य जगाडे छे. ### सवेर होते ही, नवजात शिशु निरखकर जो प्रसन्नता प्राप्त होती है, वही प्रसन्नता प्राप्त करो.

(B) शुभ कर्म से चुप रहकर विरोधी को सचोट जवाब दो.

(C) निन्दा ना करो. स्वा को ठीक करो. सारे शहर में चमड़ा नहीं बिछा सकते — चमड़े का जूता पहन लो — गरमी पांव में नहीं लगेगी.

(D) हांथ बांध दिया गया — एक दूसरे को खिलाना प्रारंभ किया — दुःख फिर सुख में बदल गया.

(E) रसोइया ने कहा, 'सेठ मारे मोटे काम करे छे, हुं नथी करतो.

(F) एक African आदिवासी पादरियो (Priests) मोटे उच्चारेला शब्दो — ज्यारे ते आव्या — मारा पासे ज़मीन हती, तेमने हांथ मां Bible हती. आजे मारा हांथ मां Bible छे, तेमना हांथ मां ज़मीन छे, जहां क हरता होय छे तहां विचार नथी टिकतो, जहां विचार नहीं वहां धर्म नहीं, जहां धर्म नहीं वहां भगवान नहीं. जहां भगवान

नहीं वहां मंदिर केवल इमारत बन कर रह जाता है और ऐसी जगह की चौकी शैतान करता है. कोई प्रकार नी कट्टरता शैतानी मोकेली विष-कन्या छे. नकली सोना छे तो जगत मां असली सोना कहीं थवी जोइये. नकली धर्म छे तो असली धर्म (मानव धर्म) कहीं निश्चित होवु जोइये.

(A) मधुमखी पालने से लाभ-गेर लाभ दोनों है — लाभ छे मेहमान डर के मारा घरे नथी आवता, गेरलाभ छे — मद्य में दवा रखने वालों की भीड़ होती है

(B) कुछ मदद करो, पर्स घर पे भूल गया. लो यह दो रुपैया — बस में वापस जाओ और पर्स लाओ,

(C) मच्छर को छेतरने के लिये पलंग के नीचे सो गया हूँ. चूल्हा तो जला नहीं सकते और संसार में आग लगाने की बात करते हैं. कोई व्यक्ति कोई नुं मूल नो फायदो उठावे आ साही बात छे — पंडित जी ने जवाब दिया — नहीं. तो शादी पर जो दक्षिणा दी थी वह वापस कर दे.

(D) केवल पांदरा सींचने से वृक्ष को हरा-भरा नहीं रख सकते हैं आप. आप अपना दुःख बतायें या दबायें — दूर नहीं होगा. समझ से दुःख दूर होगा.

164 ~~अ~~ उपनिषदों नी विचारसरणी नो सर्वसार — आत्मानी ओलख. उपनिषदों भारतीय दर्शन नी गंगोत्री छे. परमात्मा तरफ गति करनार शास्त्र. गुरु पासे बेसीने प्राप्त करवानी विद्या. पश्चिम के विद्वानो ने गूढ़-विद्या (Mystic-Knowledge) उपनिषदों को कहा है. इसकी रचना दलीलों पर नहीं; किन्तु, आत्मपरायण जीवन अनुभव पर है.

(A) यह माना जिन्दगी है चार दिन की, बहुत दिन होते हैं यारो चार दिन भी.

(B) माणस शहेर मां जीवे छे अने शहेर पण थोड़ुं थोड़ुं माणस मां जीववा लागे छे.

(C) हरदिवस अंवी रीते जीवो के आज भगवान हमारे घरे आववाना छे

(D) PNR = Passenger Name Record

(E) Obey to your Seniors, Juniors will obey you.

(F) प्रश्न — आज तक मानवता का कार्य कुछ किया है
उत्तर — 10 वर्ष तक पुलिस मेरे पीछे पड़ी रही — पुलिस में 5 की भर्ती मेरे गुनाह के कारण हुयी थी.

(G) मीठी वाणी भूमि मां रोपातां बीज जेवी छे.

(H) समता अंज परमेश्वर नी आराधना. भूल से मुक्त हो सकते हो. नुकशान के बावजूद विवाद न करना

बुद्धिमानी का लक्षण है. बिना कारण विवाद में पड़ना मूर्ख का लक्षण है

(465) कायोत्सर्ग नी मीमांसा — उभा उभा आंख खुली रखकर ध्यान करना (जैन धर्म में है)

(A) विलम्बासुर और गुटकासुर मानव का विनाश है.

रामायण में से बोधपाठ

क्षत्रिय राम नी नज़र सामे सुंदर मृग लावीने रावणे हाज़र कर्यो. मृगनी पाछल राम गया, लक्ष्मण गया — वर्तमान मानव सीखे तो विनाश से बच जाय. रामायणनुं महान पात्र (सीता) पृथ्वी पर थी रसाताल (रसातल) मां चाल्युं गयुं, रही गयी मात्र रामायण.

(B) टीकाओ जो तथ्यपूर्ण होय तो अने बे काने सांभली ने हैये उतारवी. मानवी मोटा भागे पोताना लक्ष्य ने जाण तो नथी हो तो अंज बधा दुःखनुं मूल छे. झूपड़ी पण उभी न करी शकाय अेवा पाया ऊपर मानस मीनार बांधवा लागे छे. तर्क नी कोई तलवार विश्वास ने वींधवा माटे सक्षम नथी नीवडती. जेनाथी बधु जाणी शकाय अेनंज आपणे जाण्या विना रही जइअे छीअे.

(C) पहले देश के लिये फांसी पर चढ़ते थे, आज नेता देश को फांसी पर चढ़ा रहे हैं. समर्थ रामदास और छत्रपति शिवाजी के जीवन प्रसंग से सीखना है

समर्थ रामदास ने कहा, मैं भिक्षा लेने आया हूँ, महल देखने नहीं. शिवाजी पूरा राज कागज पर लिखकर भिक्षापात्र में डाल दिया. राज प्रजा का है, तुम्हारा नहीं. प्रजा की वस्तु तुम कैसे दान में दे सकते हो. शिवा जी ने अपनी भूल स्वीकार की. शासक का अहम् मिटकर शिवा जी रक्षक और सेवक बन गये

Joke

(D) गैस पर नहीं बिजली के हीटर पर रसोई आजे बनी छे - इसलिये Socks झटका लगरहा है (J)

(A) शराबी नुं Driving तुम Drive कर रहे हो, मैं नहीं (J)

(B) वेटर ने कहा, सफेद Dish में भोजन करशो तो 1 रु वधारे आपवा पड़शे (J) ॥ आ माणस आटलो आलसु हतो के एक दिवस श्वास लेवा मां आलस करी गया (J) In a village every married Person went under family-planning. The rest unmarried also went saying that if any lady is conceived, we shall be blamed.

Medical-Report

75 years father will go to see his 50 years son in Hospital - a day will come.

A Doctor must give medicines as well as teachings (दीक्षा) to the Patients; आपने हृदय का अपमान किया इसलिये Attack आया. न चलना पग का गौरवभंग है. ⊞ जीना है तो चलो, लंबा जीना है तो दौड़ो.

मातृ-महिमा

अपकार नो बदलो उपकार थी वाले तेनुं नाम मां. मां के स्नेह में प्रेम की अमृतधारा भरपूर छे. मां का हृदय अमिकुंभ छे. मां जेवो मीठो शब्द क्यां शब्दकोश मां ना जड़े. अंतःकरण थी अविरत आशीर्वाद वरसे-ते मां. मां नी छत्रछाया परम शीतल छे. मां शब्द नो उच्चार प्रेम नो अमृत-कुंभ छे. मां उग तो उषा नो प्रकाश छे.

पहली मूल बीजी मूल माटे तैयारी करे छे. पसंदगी लोहखंडी हांथ थी कर जो. घर पत्थर थी भरवुं सारुं पण अजान-मानस ने घर मां राखवो नकामो.

सौन्दर्य आत्मदेव नी भाषा छे. सौन्दर्य नो आदर्श सादगी अने शांति छे. सौन्दर्य की रक्षा ही नारीका आभूषण छे. सहिष्णुता, शील अने सदाचार ही सौन्दर्य है. अगर हमारे अंदर सुन्दरता न हो तो पूरी पृथ्वी पर खोजने से कहीं नहीं मिलेगा.

अधिकार विना मांगेला हक भोगवी शकातो-नथी

मन-मैला रखकर उपर से सुंदर वर्तन करना गरीबी है
दीवड़ा पवन थी अने जीवड़ा पाप कर्म थी बुझाय
जाय छे. तमारा अवतार देवा मोटे छे, लेवा मोटे नहीं.
दुष्कर्म थी हम अपने भाग्य में छिद्र बनाते हैं, कर्म
नो आवाज़ सबसे मोटो होय छे. अमृत प्राप्ति से पहले
विष का पान करना पड़ता है. निराशा वादी का आंसू
आंख से मोटा होता है. धीरज़ अने खंत थी वधु मेलवी
शको छो. एक शब्द थी चाले तो बे न बोलो
नींद में, मूर्छा में तमारी नाक कोई काटी जाय अने जगने पर
कोई प्रतिभाव न आना यह एक विचित्र बात है
शराब, गुटका खाने से Breast Cancer की संभावना.
Joke - घर मां चोर आ जावे तो मारा पति देव तमे शुं करशो
- जे चोर कहशे ते करीश - कारण आ घर मां मारा
कहा मुज़ब कछु नथी थता. डाक्टर मने लांबी मुसाफ़री
मोटे मना किया है - इसलिये हर तीसरे Station
पर टिकिट खरीदता हूँ. Joke - मारा अने मारा पति
नी उम्र मां 10 वर्ष का अंतर है. पति नी उम्र 30 वर्ष छे.
रामलीला कितनी लंबी चले परन्तु रावण ही मरेगा.
भ्रष्टाचार दूर करने वाले भ्रष्टाचारी की ही
मदद कर रहे हैं. केवल दिशा बदलने से कुछ
नहीं होगा, नारी की दशा बदले. नारी तू नारायणी

नारी जब नारायणी है तब नर्क की खान कैसे हो सकती है. पुराने रीति-रिवाज बदलना होगा.

(A) शरीर अे अंदर ना परमात्मा ना पोषाक छे.

पोषाक (शरीर) पर ध्यान अधिक है, परमात्मा (पहननेवाला) पर ध्यान कम है. मांगने से मिले अपना हांथ नी वात नथी, जो है उसका उपयोग अपने हांथ मां छे. केटलाग लोगों नी हालत घंटी जेवी होय छे. पीसे छे बीजा ने अने बूम लगावे पोते. साहस विना विद्या मीण (Candle) जेवी छे. संयोगो नुं आंच लगता पिघलने लगती है. जिसने दुःख का अनुभव नहीं किया वह सबसे ज्यादा दुःखी है. नसीब नुं चक्र सतत गोल फ़रे छे, कौन कह सकता है आप सदैव ऊपर ही रहेंगे, अच्छा काम शुरु करो प्रथम हमें मूर्ख ही मानेंगे - ऐसा स्वीकार करके चलो. भूलें साचा मानस ना निर्माण मां मदद करे छे. दुःख सहन के लिये तैयार हो तो सुख (सफ़लता) मिलेगा. भगवान् सारो कारीगर नथी - कारण - संत, महात्माओं नुं सर्जन करता सैकड़ों वर्ष लागे छे. जे लग्न करे छे ते मूर्ख छे, जे नथी करता ते महामूर्ख छे.

(B) गरीबो के कफ़न से मत खेलो, लई हांथ मां निखालिसता नी पींछी, जीवन ने चित्र ने मनहर कएं छु. (निखालसता)

(B) ताज़महल खूब सूरत पत्थरों नी जेल छे. बधा ज़हर पीनारा शंकर नथी होता. जमाना काला नाग (नाग) तो मैं मदारी हूँ. आखिये आलम नुं हुं बेताज बादशाह छुं परन्तु हे परमेश्वर! तमारी कृपा-दृष्टि माटे हुं भिखारी छुं.

(C) Joke – तमारा पप्पा एक वर्ष तलाब मां शुं करुं – तमारा पप्पा नी घड़ी जे पड़ी गयी हती तेमां चावी देता हता. Joke – भसता कूतरा करडे नहीं – तू नथी जानता हुं तो जानूं छूं, कूतरा नथी जानता – वापस जाऊँ छुं.

(D) बालक ना विकास माटे मार नहीं, प्यार नी जरूरत छे. बालक पर अंकुश राखवो जोइये, कठोर शासन नहीं गुण, खुश्बू, बहार कभी नहीं आती रिश्वत देकर. भय से गलत कदम न उठावो, गलती हो जावेगी इस भय से शुभ कार्य को स्थगित न करो,

(E) कभी भी कोई ग्रह नडी सकतो नथी, भाग्य फ़ेरना आपके हाथ में है. घडियाल ना कांटा समान आप की गति नहीं है. आप अपने संकल्प से समय का इतिहास बदल सकते हैं. सुधरने की सलाह देनेवाला स्वयं सुधरो.

(F) आप सफ़लता के शिखर पर पहुंचे – हम कैसे समझें. हरीफ़ो की कब्र खोदने के लिये समय न मिले तब.

(466) आप को राष्ट्र-पुत्री बनना है, पर्वत ने कोई पत्थर चोट नहीं पहुंचा सकता.

(A) नेताजी लाश देखकर खुश हो गये – कारण यह है – एक Bogus Vote तो मिलेगा, इस विचार से.

(BJ) आप को चोट कैसे लगी – मार्ग सुरक्षा का बोर्ड वांच रहा था तब. स्त्री सभी स्वरूप जब चाहे धारण कर सकती है – परन्तु पतिमरण पछी ही गंगा-स्वरूप धारण करे छे.

(C) सहनशीलता, धीरज अने समाधान वृत्ति थी मनमेलाप थयी शके छे.

(DJ) पीछे ली हालत मां हुं पैसा आपुं छुं, लेता नथी.

(EJ) पिताजी, रात का अंधेरा दिवस में कहां चला जाता है, बेटा – सरकारी आफ़िस में चला जाता है.

(F) उपदेश नहीं, उपचार की जरूरत है, अंधे आदमी की आंख का उपचार करावें, प्रकाश का उपदेश न दें. अंधेरा एक समस्या है – दीपक हाथ में रखो, अपने हृदय को क्षीर-सागर बनाओ – भगवान का निवास हो जावेगा

(G) तुमने गुलाब-कमल (भाजप चिह्न) दिया और हमने थप्पड़ दिया (इं. कांग्रेस)

(467) भोजन करते समय इतना हम खाते हैं के कल जीना नहीं है — मकान बनाते समय इतना मज़बूत बनाते हैं के वर्षों जीना है — मानव जीवन में कितना विरोधाभास है.

(A) थियोसोफ़ी नी विचारसरणी ना मुख्य सिद्धान्तो

(1) प्रजा, पंथ, लिंग, ज्ञाति अने रंग ना भेदभाव विना मनुष्यजाति ना विश्वबंधुत्वनुं केन्द्र स्थापवुं. (2) तुलनात्मक दृष्टिये धर्म, तत्त्व-ज्ञान अने विज्ञान ना अभ्यासने उत्तेजन आपवुं. (3) कुदरतनां नहीं समझायेला नियमों नी शोध अने मनुष्य मां सुषुप्त रहेली शक्तियों नुं संशोधन करवुं. (4) सत्य करता महान बीजो कोई धर्म नथी. नोंधपात्र बात यह है कि कर्म पुनर्जन्म नो सिद्धान्त स्वीकारवा मां आव्यो छे

संचितकर्म — पूर्वजन्मों ना कर्मों ना संग्रह.

प्रारब्धकर्म — संग्रह मांथी वर्तमानजन्म मां जे भोगवाना छे ते प्रारब्धकर्म

क्रियमाण कर्म — वर्तमान जन्म धारण कर्या पछी जे कर्म करवामां आवे छे ते क्रियमाण कर्म.

(C) योगी न बनो तो उपयोगी तो बनो.

(D) जीवन एक सड़क है, खुला गटर है, ध्यान दो

468 (A) ले आयी है फ़िर किस्मत हमें कहां से
ये तो वही जगह है गुजरे थे हम जहां से.
(B) माहोल को रंगी हम इक रोज़ बना देंगे
हम खुद न पीओ लेकिन साकी को पिला देंगे.
(C) मैं तो कांटे चुनता रहा, तुम रास्ता बदलते रहे.
(D) खिलौने पा लिये हैं मैंने, लेकिन, अंदर का
बच्चा मर रहा है.
(E) रामराज्य कायदा थी नहीं, उच्चभावना थी आवे.
(F) विपरीत बिना आपणे टकी नहीं शकीये.
(G) पापा, संमेलन-परिषद किसे कहते हैं —
बेटा — जहां सब मिलते हैं, चर्चा करते हैं
और बिना किसी परिणाम के छूटे पड़ जाते हैं.
(H) वो इस तरह से मेरी नज़र से उतरे हैं
जैसे संवारी जुल्फ़ अचानक बिखर जाती हैं
(I) डंख मार्या पछी मृत्यु निश्चित छे अंबुं जो मधुमाखी
जाणती होय तो मध हमें न मले.
(J) तीन आलसु मानस नी कथा — सब प्रबन्ध हुआ.
परन्तु जंगल में से लाकड़ा कौन लावे. जो
पहले बोलेगा वह. गाम में चोरी हुयी — लोगों
ने चोर समझकर पकड़ा. मार खाते खाते
एक बोल पड़ा — दोनों ने कहा, तू जा जंगल
और लकड़ा ला और खिचड़ी पका.

(469) કુંભાર વા શિવજી સે વરદાન માંગના,
વર્તન ન તૂટે. વરદાન મિલા. કુંભાર વરદાન
મેલવો પસ્તાયો. પુનઃ શિવજી સે પ્રાર્થના કી,
વરદાન વાપસ લે લો. કામ મિલા-ખુશી મિલી,

પુસ્તક

① પુસ્તકો મનુષ્ય નાં સાચા મિત્રો હૈ, પુસ્તકો
સે નવી જિન્દગી ઘડી શકાય હૈ. નયી રાહ મિલે
હૈ, જીવન જીવવાનો કોમિયો બતાવે હૈ, માનવી
નાં આત્મા ના આવાજ મીલી સકે હૈ, શબ્દો આંખ
થી મીતર સુધી પહુંચી શકે હૈ. માનસ પુસ્તક સાથે
તાદાત્મ સાધી શકે હૈ. પુસ્તક ને પી શકાય હૈ.

દયા

② હું નામ થી માનસ છું, દયા થી ઈશ્વર છું, સત્ય
નું બીજુ નામ દયા હૈ. દયા અને સત્ય મલે હૈ. ચર્મ
અને શાંતિ એક બીજા ને સાથ આપે હૈ. સજ્જનતા ના
વાસ્તવિક ચિહ્ન મધુર વચન હૈ. દયા તુલ્ય આભૂષણ ને
ઈશ્વર તુલ્ય બનાવી દે હૈ.

③ Nobody can ask you ~~to~~ ~~[illegible]~~ roll back
the calendar, by all means do celebrate
what you desire. બીજા વતી તમે જિન્દગી
જીવી શકો નહીં, તેવી જ રીતે બીજા નું વચન થી તમે લેવું
તમારી જિમ્મેદારી નહીં.

(470) Joke — शराब पीकर आदमी Table नीचे भरायी गयो अने फरियाद करता रहा के मकान की छत नीची है. ⊞ नशे में आदमी भाड़े की Taxi में घूमता रहा — भाड़ा 250/= हो गया तो आदमी कहने लगा कि रिवर्स में चलो और भाड़ा 50/= पर आ जावे वहां रोक देना.

Joke — जो मित्र मेरी दयाल देने जाता था वह उसी से लग्न कर लिया है

(A) मानस ने समझो. मानस मात्र नफ़ा नी ध्येय थी आजे काम करे छे. अध्यात्म के आधार से व्यवहार शुद्ध हो जाता है.

(J) पत्नी ने पति से कहा, 'हावड़ा मेल का नहीं, हावड़ा फ़िमेल का टिकिट लो. ⊞ भिखारी तू झूठ बोलता है, भगवान के नाम मांगता है और खुद खाता है. ⊞ मेरा घोड़ा समझदार तो है परन्तु एक बार बीमार पड़ने से पशु-चिकित्सक को बुला लाया. ⊞ दीर्घायुष्य नी चोपड़ी कहां छे — बेच दी है — क्यों बेची — कल आप की माताजी जो आनेवाली है? ⊞ सुंदर पत्नी को क्यों तलाक देना चाहते हो, जज साहेब, मारा सुंदर जूता कहां काटे छे ते मने खबर छे.

471) अंकल जी, तमारा खेतर में थी मने जवा दो तो Duty पर समय सर पहुंची जाऊँ - हां बेटे, Before time पहुंची जशो - खेतर मां मारा कूतरा छेने.

(A) बचपन में मज़ा करवी, जुवानी मां भूलो करवी, प्रौढ़ वये संघर्ष करवो, वृद्धावस्था मां पस्तावो करवो अेज़ सामान्य मानस नी जिन्दगी नी नियति छे.

(B) तमारी प्रशंसा ना पुल कोई बांधे - सुनो - - किन्तु ते पुल पर कदम न रखो.

(C) यहां हर काम है आसान, रिश्वत दो, छुड़ा लो जान.

(D) मानव-मन जड़ पदार्थों पर प्रभाव पाडी शके छे.

(E) जहां सुधी छे श्वास तहां सुधी छे आशा-विश्वास (खूब समय खराब आवी जाय तब मारा पत्र खोलकर पढ़ना - एक बोधक कहानी.)) आशा ज सफ़लता अने सिद्धि ना शिखरो चढावनारी जीवन शक्ति छे. आशा हताश मानव माटे संजीवनी औषध छे. आशा विश्वास नी अर्धांगिनी छे. विज्ञान का सारा संशोधन पेपर जलकर राख हो गया है - यह जानने पर वैज्ञानिक कहता है - मेरी भूलें भी जलकर राख हो गयी हैं - फिर से सुंदर संशोधन तैयार करूंगा.

रूमाल पर डाघ लग जाने से विख्यात लेखक रस्किन एक सुंदर चित्र बना दिया - रूमाल

सुंदर दिखने लगा. इस वार्ता से हमें सीखना है.

(F) बालक के हाथ में जड़ित हीरे की अंगूठी है - अभी ज्ञान नहीं है - मिठायी (क्षणिक सुख) की लालच में अंगूठी बेच सकता है.

(G) सामाजिक न्याय मोटे मरवानी जरूरत नथी, जीवित रहीने लड़वानी जरूरत है.

(H) गाड़ी में बैठक नं मिली परन्तु ते उपड़े नहीं तो,

(I) Everyone is running to go nowhere.

(J) Doctor ने कहा, "आप अपने पति को दिन में छूट दें बोलने की तो रात में नींद में बड़बड़ायेंगे नहीं."

(K) दिमाक न चलता हो तो ज़बान न चलावें.

(LJ) बीड़ी-सिगरेट नथी पीता, परन्तु Dr. साहेब, दरराज घर ना चूल्हा जलाना पड़ता है इसलिये फ़ोफ़सा मां घूमाड़ा छे.

(M) आप अपनी सफ़लता किस फूट-पट्टी से मापते हैं? सफ़ल बनो - असफ़ल बनो - आंतरिक शक्ति में फर्क नहीं पड़ता है - जगत की दृष्टि में फर्क है.

(N) बलाकृता (बलात्कार) स्त्री ने दया नी नहीं, आत्मगौरव नी जरूरत छे.

(O) कोई पण कार्य बगड़े के नियोजित समय न थाय त्यार दोष नो टोपलो अन्य व्यक्तियो पर ढोलवो सहेलो छे, पण तमारा अंतर ने टटोली जाणवानो प्रयत्न करो के शुं आमा तमारा दोष जरा पण नथी?

4

(72) आवड़त होय तो समयनुं चक्र तमारी अनुकूलता मुजब फेरवी शकाय.

(A) कम्बख्त, गुनाह बेहिसाब करता है, और खुदा का नाम, गिन गिन के लेता है.

(B) हमने बिलाड़ी को दूध का वहीवट दिया है. (राजनीति)

(C) (J) मारी cycle में घंटी नथी तेथी बालक ने रोवा पड़े

(D) सरहदें टूटी हैं जुड़ जावेंगी, हाथ से हाथ मिलाते रहिये.

(E) जापान में Restaurant & Hotel में रकाबी तोड़कर गुस्सा निकालने का प्रयोग हो रहा है. सफलता भी मिल रही है - आप Relax होते हैं Cartoon & Comics की व्यवस्था भी है

(F) (J) Husband is setting his wife at fire and telling the Police it is my creative-work.

(G) जिद की निष्फलता के बजाय जिद का त्याग सफलता में अधिक सहायक है.

(H) लक्ष्मणरेखा रावण को रोकी, किन्तु सीता जी को न रोक सकी, आजे पण लक्ष्मणरेखा रोकी नहीं = शके.

(I) (J) पति-पत्नी एक गाड़ी के दो पहिये हैं बात ठीक है - किन्तु एक Tractor का और एक cycle का तो नहीं होना चाहिये

173) પથારી કરતાં કરતાં સવાર પડ્યું પછી સુવાનું-

(A) સ્મશાન में जाकर जो जागा नहीं; मंदिर जाकर क्योंकर भी जाग नहीं सकता.

(B) मीठा बनना चाहते हो तो प्रथम नाना बनो.

(C) जगह की तलाश नहीं क्योंकि सर्वत्र मैं ही हूँ. मेरे हृदय में परमेश्वर सिवा कोई और समा नहीं सकता है.

(D) दो हाथ जोड़कर प्रभु से प्रार्थना करो और एक हाथ से स्वयं को दूसरे हाथ से समाज की सेवा करो.

(E) जीभ थी नहीं अपने जीवन से उपदेश दो.

(F) इतिहास से हम कुछ सीखते हैं नहीं इसी लिये इतिहास अपने आप को Repeat करता है

(G) बिल्ली रामायण सुनती रही किन्तु चूहे देखते ही दौड़ पड़ी — स्वभाव-आदत का असर है.

(H) केवल मरघी (मुर्गी) बैठकर अंडे का पोषण करती है.

(I) एक घंटा बरसात जो बरसे तो 6 घंटा छत बरसे. अपना घर मिलता-जुलता है गालिब के घर से.

(J) गांधी जी के पग पर मधु-मक्खी का बैठना, घड़ी का 'टक टक' बंद होना — प्रवचन है. निष्फलता का विचार करने वाला सर्वदा निष्फल ही होता है.

(K) मेल न जम्यो — Cash अने Cash-Book नो इसलिये नौकरी छूट गयी.

(474) बुद्धि, हृदय और हाथ परमात्मा ने दिया है और फिर हम परमात्मा से मांगे क्या?

(A) शकुंतला सब जगह मिल सकती है, शबरी नहीं;

(B) अपरिचित जंगल में रास्ता दिख रहा है किन्तु अंतिम मंजिल भी अनजान है

(C) आवाज करता प्रकाश की गति बचाये छे, कर्कश जबतक बोले नहीं तबतक ही सुंदर है.

(D) न दिखाओ दुनिया को अपना ज़लवा, लोगों की नीयत को लगती है हवा।

(E) सिर पर भार रखने से शरीर में शक्ति नहीं आती है. आलस नी कबर मां बचा सद्गुण दफ़न थयी जाय छे. विपत्ति वह विद्यालय है जहां से मनुष्य अनुभव सीखता है, जिसने इस विद्यालय से पदवी ली है उसे ही समाज-देश का आगेवान बनना चाहिये।

(F) कापड़ ना चार व्यापारी. गोडाउन ना चूहा पकड़वा माटे बिलाड़ी पाली. एक पग मां चोट लगी — चोटवाले पग मां जिसके हिस्से काथा उसने दवा करायी — कापड़ बांधा, गोडाउन में आग लगी — lower court ने निर्णय दिया दीवा से कापड़ में आग लगने से बिलाड़ी

भागी और गोडाउन में आग लगी अतः तीनों व्यापारी को नुकशान की भरपायी की जाय. High Court ने निर्णय दिया कि वि-लाही चोट लगे पग से नहीं भागी, तीन पग से भागी अतः तीनों व्यापारी नुकशान की भरपायी करें. चारों व्यापारी एक एक पग आपस में बांट लिये थे - यह एक समझने की बात है - बोध कथा.

२१वीं सदी नो धर्म

20वीं सदी पश्चिमी देशों की रही है और अब 21वीं सदी भारत की रहेगी. एक मात्र भारत की परम्परा में विश्वधर्म बनवां मां पूरा लक्षण एवं लायकात मौजूद छे. "तत्वमसि" की घोषणा और अनुभूति भारत से है, जो मनुष्य की ~~सहज~~ उर्ध्वीकरण की सहज प्रक्रिया है. सत्यमेव जयते. असतो मां सदगमय हमारी प्रार्थना है. व्यक्ति मात्र स्वत्व (Being) प्रगट करे - अहीं अनेक साधना उपलब्ध छे (एकं सत् विप्रां बहुधा वदन्ति) - परन्तु सत् एक केवल एक ही है. वसुधैव तु कुटुम्बकम् की भावना, सहनाववतु ---- की प्रार्थना भारत में है. दरेक दिशाओं मां थी उमदा विचारो प्राप्त-थाय.

हम शांति में अटूट विश्वास रखते हैं. अंतरिक्ष, वातावरण, जल, वनस्पति एवं समग्र सृष्टि में शांति रहे. हमारे यहां शांति पाठ है. हमने अमृत पीया है, अमर हैं, परमप्रकाश को पाया है, परमेश्वर को देखा है.

(A) If you die – I will become mad – said husband to his wife. It means when you become mad you are not going to marry again. I will not become so mad – I will marry again.

(BJ) मेरे पास सात वर्ष से Driving License है. मैं 15 वर्ष से इस सड़क पर आता-जाता हूँ – Accident होने के बाद का संवाद है.

(C) बालीपणा को English में – Natural Guardian कहते हैं.

(D) आप आज को Postpone नहीं कर सकते हैं तो हर क्षण दिवाली है – क्षण को Postpone न करो.

(E) मारी हस्ती मारी पाछल ओरी ते विसरायी गयी. आंगली जलमांथी निकली ने जगा पुराई गयी.

(F) मंदिर में कीर्तन हो रहा था, एक व्यक्ति ने कहा – लय बराबर नहीं है – कीर्तनकार ने कहा – दो सौ रुपये में मुकेश-रफ़ी की आवाज़ मेरे से नहीं निकलती.

475) कृत्य बाहर नी गति छे, भाव भीरत नी स्थिति छे. कृत्य करनार नो संबन्ध आचरण साथे छे. भाव नो संबन्ध अनुभूति साथे छे.

(A) व्यक्ति ज्यां होय छे त्यां सुखी नथी अने ज्यां नथी होती त्यां सुख देखाय छे. वर्तमान में रहना ध्यान है. ध्यान मन नी मृत्यु छे. इसलिये मन की स्थिति बदलती रहती है. नदी में मछली मारने वाला विमान देखता है — एक दिन Pilot बन जाता है. Pilot बनने के बाद फ़िर से नदी में मछली पकड़ने का मन हो जाता है. यह सब मन का नाटक है. भूतकाल सुंदर, वर्तमान ख़राब, भविष्य सुखमय देखना मानव-मन का स्वभाव है. इच्छा का त्याग करनेवाले को घर छोड़ने की जरूरत नहीं है.

(B) प्रतिदिन एक काम निःस्वार्थ भाव से करो.

(C) शब्द जीवन ने उजाड़ी शके छे अने उजाली भी सके छे.

(D) मलाई विनानुं दूध नकामू, मलाई विनानुं जीवन नकामू.

(E) झोपड़ी में जन्म लेना पाप नथी, झोपड़ी में से न निकलना पाप है.

(F) महान = 'म' से ममता, 'हा' से हास्य, 'न' से नम्रता.

(G) आपणे अहीं नो संबन्ध अंतो नींद पहेलानुं झोकुं.

(476) बरेली का प्रसिद्ध Dr. यदुनाथ राय, गरीब विधवा के पुत्र की सारवार से इंकार, विधवा का कहना — Dr. राय, तुम भी एक दिन पुत्र-वियोग से तड़पोगे तब पता चलेगा — ऐसी परिस्थिति में जो विचार प्रगट होता है उसे करंट थेरेपी Current Therapy कहते हैं

(A) जन्मजात केन्द्र (Instructive centre)

अंदर आंतरिक क्रियायें — श्वास, रुधिर संचालन, पाचन, निष्कासन, जूना कोषों नुं निकाल, नवा कोषों नुं निर्माण वगैरह मां मगज जन्म थी सक्रिय होय छे, मगज को कुछ शीखना नहीं पड़ता है. दूसरों की थाली पर देखना जन्मजात केन्द्र मगज़ की खुजली छे. जन्मजात मानव मां Moving centre and Emotional centre भी छे (भाव-केन्द्र). मित्र बीमार पड़ा — भाव जागा — करन्तु 10 दिवस पछी भाव बदल जाता है" — यह जन्मजात है. बौद्धिक-केन्द्र (Intellectual-centre) भी जन्मजात है. अपनी निष्ठा, विश्वास, प्रतीति Intellectual centre के जिम्मे है.

(B) Do not wait for the last judgement, it takes place everyday. A useless life is a death.

477) And the tear that we shed, though in secret it rolls, shall long keep his memory green in our souls. Deeds, not stones are the true monuments of the great. (માણસ ની સાચી પહચાન તેમના કરેલા કર્મો થી થાય છે.)

ઇચ્છાઓ (મન) કો ખત્મ કરને મેં જો સફલ હો ગયે હૈં ઉનકી વિદાય કો મૃત્યુ નહીં, મુક્તિ કહતે હૈં. મોત નહીં, નિર્વાણ કહતે હૈં. I measure my age by friends not years. I count my life by smiles not tears. # Soldiers never die, they only fade away. # There is a time of departure even when there is no certain place to go. In Death man shows he is worthy living or not. # The heart is dead are never buried. # We can love on condition the thing we love must die. None dead, but gone before. # કિસ્મત અકસ્માત નહીં, આપ કી પસંદગી હૈ. Death never takes the wiseman by surprize, he is always ready to go. જેમ મળે છે સૂકા ફૂલો, પાનાં વચ્ચે કિતાબો માં, હવે મળશું સપનાઓ માં,

एक नवो

जे लागे छे अंत - खरेखर ते आरंभ होयी शके छे.
He that Dies, pays all Debts. नगमें जो
गाये हैं, उसे कैसे गुनगुनायें, आसुओं के साये में
कैसे मुस्करायें. जिन्दगी ने तमाम उम्र लूटा है,
मरण में सुरक्षित हूँ. तमारा जीवन में उमर नहीं,
उमर में जीवन लाना है. O Death! I accept 2
honour you. मृत्यु बहादुरों नें भेंटे छे.

(A) दररोज़ एक कलाक सारा पुस्तकों नुं वाचन
करो. मित्रों जोड़े चर्चा करो. मित्रों ना सारा
विचारों सुनो. अचेतन, अवचेतन मन सुधी
पहुंची तमारा समग्र मानस नुं रासायनीक प्रक्रिया
द्वारा परिवर्तन करशे.

(B) दृश्य मिटा नहीं सकते तो आंख बंद करके चलो.

(C) मारो बधोज अहंकार आसुंओं मां डूबावी दो.

(D) एक आरब ने ठंडी में ऊँट की विनंति पर अपने
तंबू में केवल मुख छुपाने की इजाज़त दी और ऊँट
धीरे धीरे पूरा का पूरा तंबू में आ गया और Arab
को तंबू के बाहर कर दिया - (आज के लोगों पर ध्यान)

(E) Hand - कर्मयोग, Heart - भक्तियोग
Head - ज्ञानयोग छे.

(F) हरेक अपनी जिन्दगी का हीरो है - प्रवचन

(478) जैन रामायण नां एक प्रसंग — राम रावण के लिये रोये — सीता-हरण का प्रसंग न याद करें तो रावण एक महान् आत्मा है. लक्ष्मण ने यह प्रसंग अंतसमय में रावण को सुनाया. रावण कहता है अपने विरोधी में गुण-दर्शन 'राम' ही कर सकते हैं

(A) प्रश्न — बिजली को शोध न हुयी होती तो क्या असर होता = बालक — अंधेरे में T.V. देखनी पड़ती. ## तड़का मां उभा रहीने तमें शुं करो छो = बालक — पसीना सुखा रहा हूँ ## तमे कौन सी आवाज ज्यादा प्रसंद है — छुट्टी के समय Bell की आवाज — बालक अपने शिक्षक को जवाब दिया.

(B) जरूरी बात भिखारी की भी पूर्ण हो जाती है, लालसा तो करोड़पति की भी पूर्ण नहीं होती है लोभ सर्वगुणों ने नाश करे छे

(C) हम स्वयं से पूछे, खरेखर धार्मिक हैं" धर्म में प्रेम, शांति, सत्य, सेवा, सहकार उपस्थित है.

(D) मैं वो नगमा हूँ जो हर साज़ पे गाया नहीं जाता.

(E) तू गधा है — तू भी गधा है — देखते नहीं हो मैं बैठा हूँ — ## अवसर अने प्राण सरखा छे — चोक बार जाय तो पाछा आवी शकता नथी.

(479) चिन्ता करने के लिये समय मिलता है वे दुःखी हैं. सदैव शुभ कार्य में व्यस्त रहो - सदा आनंद में रहोगे, अने आरी तेजी वंत - जाग्रत रहोगे. चेतमानस, चेत! अल्यारे नहीं तो क्यारे? होऽ ईश्वर से लगायी, किन्तु मनुज बनना भी न सीखा.

(A) स्वर्ग, हे धरती! तारा पर कोई साधक ने पसार थता जोया. धरती, हे स्वर्ग! तमारा तरफ़ कोई प्रेमी ने आवता जोया.

(B) आप के चेहरे पर लगी धूल पानी से दूर हो सकती है, किन्तु चेहरे का रंग नहीं बदल सकता है.

(C) मेरे मित्रो! आप एक गरीब नारी को सीट नहीं दे सकते है तो ते सीट मुझे अमीर को न दें.

(E) बूंद समुद्र में मिलकर समुद्र बन जाती है किन्तु खारी ही बनती है. मिलन से परिणाम अच्छा आवे वही कार्य सुंदर माना जाता है.

(F) आप ने वादा किया है फ़िर मिलने का, अभी कुछ और हमको जीना पड़ेगा.

(G) J. मैं मंत्री बनकर राष्ट्र को अच्छी शिक्षा दूंगा, विकास - पंथ पर ध्यान दूंगा. हां ठीक है, राष्ट्र आप के पुत्र का जो - नाम है.

(48) J. भाई ज़ोर से बोलो, जवाब – मैं बोल नहीं रहा हूँ – धीरे धीरे चणां चबा रहा हूँ.

(A) जेमने देश अने संस्कृति ना माटे हाडका ना खातर करी, लोहीनुं पाणी कर्युं, तेवा वीर महापुरुषों ने क्या थी भूली शकाय. अपने भगवान् ने पांच वक्त याद करवु जोईये. विज्ञान ने देश-देश का अंतर घटा दिया है, किन्तु मानव-मानव नुं अंतर बढ़ रहा है.

(B) वांस नी पोलीनली मां फूंक मार कर आप अग्नि प्रकट कर सकते हैं. और वांसली (Flute) भी बना सकते हैं – फूंक मारना सरल है, बहुत सीखने की जरूरत नहीं है, किन्तु वांसली में से स्वर निकालने के लिये सीखना पड़ेगा, कोई सीखाने-वाला चाहिये. स्वरलिपी निपुण बनने में मदद करेगी – परन्तु सीखाने वाला तो निपुण होना ही चाहिये – गुरु, गुरु, गुरु क्यों जरूरी है

(C) A Well-dressed Bride surrenders only to her husband likewise a devotee must surrender to his or her Guru Dev or Ishta (ईष्ट).

(481) મજબૂત મન માણસ ને જીવાડે છે અને નબળું મન માણસ ને મારી નાખે છે. કેટલા માનસ નું મન એક ઉકરડા જેવું હોય છે જેમાં કેવલ કાદવ-કીચડ ગંધાતા હોય છે, અને કેટલાક નું મન એક ઉપવન જેવું હોય છે, જેમાં ફૂલો ની સુગંધ હોય છે.

(A) ફૂલ ઉગાડનાર માલી કાલી મજદૂરી કરે છે - અત્તર બેચનાર માલી કો પહચાનતા નહીં

(B) માણસની સૌથી નિર્દોષ પ્રવૃત્તિ છે - ઉંઘ, સોવું.

(C) Clinical Death - તબીબી મૃત્યુ.

Biological Death - શારીરિક મૃત્યુ.

તબીબી મૃત્યુ મેં કુછ કોષ જીવિત રહતે હૈં જૈસે આંખ, કિડની. શારીરિક મૃત્યુ મેં Total Death (સંપૂર્ણ-મૃત્યુ) હૈ. સબ કોષ મર જાતે હૈં: Heart-attack સે મરતા હૈં વહ Death હમ Clinical માનતે હૈં.

(D) સૂર્ય ભી મેરા શોષણ નહીં કર સકતા ક્યોંકિ મૈં ઝાકૂલ (ઓસ-બૂંદ) નહીં હૂં

(E) મનુષ્યોનિ માં સંઘર્ષ હોવાથી ચેતના પ્રગટ થયી શકે છે, તે દેવયોનિ માં શક્ય નથી.

(FJ) આપ Dr. હૈં ફિર ભી દૂસરે Dr. કે પાસ જાતે હો, હાં મેરી Fee વધારે છે (હસાહસ).

(५४२) आजे मानवता पथारीवश रहे छे, अने त्यां भ्रष्टाचार सुवे छे, देश नाम नी चीज छे? येक अपमान कोटला रुपैया ना छे? गरिमा को गिरवी न मूको. खुर्सी (Chair) पर आजे फ़ेविकोल लगा है — कैसे फ़िर खुरसी छूटे.

(A) बुद्धि सत्य पर केन्द्रित थाय, पछी तेने कोई साधना करवानी जरूर रहेती नथी. प्रार्थना दरम्यान पैदा थता तरंगो थी शारीरिक-मानसिक क्षमता वधी जाय छे. संयम माणस ने गुलामी मां थी मुक्त करी जीवन तथा तेनी क्रिया ने योग्य काबू राखी तेने पोताना लक्ष्य तरफ़ लई जवा मां मदद करे छे.

(B) प्रार्थना अंतर्मुखता आपे छे अने अंतर्मुखता हमें ईश्वर-साक्षात्कार कराती है

अपना बंधारण

आर्टिकल 51A (G) — भारत ना प्रत्येक नागरिक नी फरज बनी रहेशे के ते देश ना जंगलो, सरोवरो, नदिओ अने वन्य जीवन सहित कुदरती पर्यावरण नुं रक्षण करे अने प्रत्येक जीवन्त प्राणी प्रत्ये करुणा-राखे

(J) गरीब अपने बच्चों से कहता है, "तुम सब फटे कपड़े तो पहने हो," सामने देखो, "अमीर जा रहा है, तन पर कपड़े नहीं हैं," कापड़ की अछत है. प्रशंसा-कीर्तन

483) जिन्दगी आदि थी अंत सुधी अेक रहस्य छे, जे जीवी जवानुं होय छे - बोटल में हंस का अंडा डालना, अंडा में से हंस बनना - और लोगों से पूछना कि बिना बोतल तोड़े हंस को बाहर निकालो. लोग हंस को तो बाहर न निकाल शके किन्तु (चयं बाहर भागने लगे) - कहानी का मर्म समझो - प्रवचन दें.

(A) छोटे छोटे (बूंद बूंद) सुखों मां जीवन ना परम सत्यनुं विस्मरण थई रह्युं छे.

(B) मन ने दिशा बतावे ते मंदिर. आदर-प्रशंसा का इच्छुक अेटले - मनुष्य. निंदा-स्तुति स्पर्श न करी शके अेटले - देव.

(C) एक आदमी लंगड़ा चल रहा है - तीन डाक्टर का अलग-अलग निदान. नज़दीक ज़ाकर पूछा - - मेरी हड्डी नहीं टूटी है - मेरी चप्पल टूटी है.

(D) To think good is good, to-do good is better but to be good is the best. मानव मां विचारशक्ति अने आचारशक्ति - बे शक्ति छे - सही और गलत उपयोग. (पूरा प्रवचन का विषय है - to be good is the best)

Therapy :- Colour, Sound, सुगंध (थेरोमा). ताई-ची थेरेपी - हलन-चलन पर विशेष ध्यान दिया जाता है.

484 कूयें मैं से बाघ निकालो — बाघ उपकार नहीं भूलेगा, आदमी निकालो — उपकार भूल जावेगा।

(A) जो जानता है उससे 500 रु. फ़ी संगीताचार्य ने लिया, जो कुछ नहीं जानता उससे 250 रु. फ़ी लिया।

((समझवास्ते साधक के लिये एक कहानी))

(B) प्रवाह अन्य न चाले, रक्त नी जरूरत छे अने रक्त नो विकल्प नथी.

(C) दो बार लग्न करनेवाला पागल माना जाता है।

(D) अवरोध कहां छे ते नहीं, सरलता कहां छे ते देखो

(EJ) पति ने सलाह — रसोड़ा नानुं राखो — एक साथ बे जण काम न करी सके — समझा पति जी?

(F) पुरुषार्थ नुं बल मले तो इच्छाओ तीर बनी ने निशान पर आटके.

(G) प्रेम को गुस्से के पानी से न सींचो, सूख जावेगा, जो गरीबी न होत तो उत्तम कलाकृतियो कौन बनावत, गंदकी माटी नी दीवाल ने चोटे छे, मैं माटी की दीवाल नहीं व्यक्ति पोते ज सर्वोच्च सत्ता छे.

(H) जख्म जो रही जाय तो आग पैदा थाय छे, जख्म जो रुझाय तो दाग पैदा थाय छे।

(I) किसी के इशारे चढ़ी हुयी ध्वजा नहीं हूँ मैं.

(J) जे १ कि. गेहूँ तमे मोकलो छो ते गेहूं बराबर हुं तमे चणा मोकलूं छुं (काम कैसे — हसाहस)

(485) 14 वर्ष का राम को वनवास क्यों ?
(A) सतत चौदह वर्ष की साधना से शक्ति का आमूल रूपांतर. (B) सीता जी ने बाधा ली थी, पति (राम) के साथ 14 वर्ष वनवास में रहकर शिव-पार्वती की पूजा करूंगी. (C) शंकर साधना (शिव-रात्रि) 14 (चौदस) को आती है. (D) राज-सिंहासन चौदह पगथिया का था.

(B) J. एक व्यक्ति के पेट का Operation करने के बाद रिश्वत-लांच की गांठे नि-कली - व्यक्ति लांच की गांठे जेब में रख-कर घर वापस आ गया. पेट ठीक होने से तन स्वस्थ रहेगा, किन्तु मन (विचार) बिगड़ने से सब कुछ बिगड़ जाता है, समझें.

(C) J ज्योतिषी - धन का नाश होने वाला है - धन का नाश होने के लिये घर में धन का होना जरूरी है - जिज्ञासु.

कबीर

(1) कबीर मूरत राम की, घटघट रही समाय।
ज्यों मेंहदी के पात पर, लाली लखी न जाय।
(2) कबीर इस संसार में सब की गठरी लाल।
गांठ खोल जाने नहीं ताते बने कंगाल ॥

"उद्बोधन"

सत्संग-प्रेमी साधक महानुभाव ⊞ प्रभुप्रेमी प्रिय आत्मन् ⊞ परमात्मा सब के हैं अतः अपने भी हैं। इस वास्तविकता को अपना लेने पर हम सनाथ हो जाते हैं। जिसे आप हल कर सकें वह समस्या नहीं है। गत जन्म के कर्मों से पीड़ित हो, परिणाम से बचना मुश्किल है। वर्तमान की पराधीनता एवं अभाव से जीवन नीरस हो गया है — इस सब से बचने के लिये एक ही उपाय है वह है — प्रभु की महिमा को अपनाकर प्रभु का हो जाओ। स्वयं अपनी समस्या हल न कर सका, प्रभु का होते ही मेरे प्यारे प्रभु ने शरणागत होने पर सभी समस्याओं का समाधान कर दिया। शरणागत को योग-बोध और प्रेम की प्राप्ति होती है। प्रेम से भिन्न और कोई अस्तित्व ही शेष नहीं बचता। शरणागत जो हैं। प्रेम जिसका आरम्भ है, किन्तु अंत नहीं। अस्तित्व, महत्त्व एवं अपनत्व को स्वीकार करना प्रभु-विश्वासी का पुरुषार्थ है। विश्वास में भी सत्ता उन्हीं (प्रभु) की ही है। प्रभु की प्राप्ति प्रभु की सत्ता से ही होती है। विश्वास की मांग जीवन की मौलिक मांग है। प्रभु अपनी कृपा से अपने भक्तों को अपना विश्वास प्रदान करें।

(486) ममैवांशो जीवलोके जीवभूतः सनातनः
(इस संसार में जीव बना हुआ आत्मा (स्वयं) मेरा ही सनातन अंश है).

(A) अपने अधिकार से जन-सेवा करो नहीं तो अ' निकलकर आप को 'धिकारे' गा।

(B) डर' से कर' अदा करने की जगह मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च नहीं है, पूरा प्रवचन।

(C) एक ऐसी जगह है जहां बहुत से लोग हैं, वहां शांति है, कोई समस्या नहीं है, और वह जगह है "कबरिस्तान", चलोगे?

(D) J. आप गेरहाज़िर थे के घेर-हाज़िर थे?

(E) डाकू Bank लूटा, लूटी रकम 'विवाद' बनी — फिर तटस्थ व्यक्ति से न्याय की मांगनी की गयी — हमारे कश्मीर का यही हाल है

(F) Kargil-Fight is not the revenge but it is justice, and we are soldiers not killers — हम सैनिक हैं, हत्यारे नहीं हैं

(G) इश्क बंदगी है, जंग नहीं।

(H) तली हुयी (Fried) चीज़ खाने से Free-Redical शरीर में अधिक बनता है — इसी

Free-Redical के कारण हम धीरे धीरे वृद्ध old होते जाते हैं - Free-Redical को कम करने के लिये Lemon नीबू, ८ मेटा, मेथी, मरी का सेवन करना चाहिये और साथ ही साथ प्रसन्नता बनी रहे:

(A) गरीबो सूता चौमासा मां वरसात ओढ़ी.

(B) पानी नी ज़ेम सरकारी गाड़ियो Petrol पीवे.

(15) हृदय की पवित्रता से कोमल जगत में और कोई वस्तु नहीं है ⊞ परसेवा की कमाई छीननेवाला प्रभु की कृपा कैसे प्राप्त कर सकेगा। ⊞ आप स्वाश्रयी और स्वतंत्र बने यह भी सेवा ही है। ⊞ अभिमान फूलाता है, फैलाता नहीं, बाहर का बंधन तोड़ना आसान है, अंदर का मुश्किल है ⊞ जो झूठ बोलने से डरता है वह फिर जगत में किसी से भी डर नहीं सकता।

(1) जहां श्रम, विश्वास, गति छे तहां सिद्धि खुला पगे दौड़ीने आवे छे ⊞ क्रोध करवो अटले अपनी संपत्ति मां दिवासलाई लगाना।

(1) नमस्ते, गोपालभाई — प्रकाश ने कहा। मैं मूर्खों को नमस्ते नहीं करता — गोपाल ने कहा। परन्तु मैं तो करता हूँ — प्रकाश ने कहा।

(487) परिस्थिति का सामना करने की शक्ति, क्षमता का अभाव ही दुःख का मुख्य कारण है।

(A) सफलता मोटे उत्साह के साथ आयोजन अने दक्षता पण जोइये. जो तमे दरार हो तो, तमारो पडछायो वां को होय तेनी बहु चिन्ता न करतां. शांति काल में प्रजा पसीना बहाये तो युद्ध-काल में खून नहीं बहाना पड़े.

(B) लोभी केवल अपना लाभ मेलवा मां माने छे. ग्रहण करवानी अने भोगवानी बाबत मां ते गीध जेवो छे. हिन्दी में गीध अने अंग्रेजी में GREED (लालची) वच्चे अेक सूत्रता छे, लाभ Tonic अने नुकशान Poison छे अेनुं.

(C) बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक मानव चेतना ना शिखर छे.

(D) अेक जन्म प्रसूति थी, बीजो जन्म पुरुषार्थ थी.

(E) A.M अने P.M. लेटिन भाषा ना आन्ते अने पोस्ट मेरिडियेम नुं टुंकू रूप छे. वाईवा वोस नो लेटिन मां अर्थ छे 'जीवतो आवाज' (मौखिक परीक्षा). पेंशन लेटिन छे जेनो अर्थ छे 'नियमित चुकवणी'. Post-mortem लेटिन छे अर्थ छे 'घटना नी बाद नी प्रवृत्ति. कपड़ा सीवा माटे अच्छा दरज़ी हम ढूंढ़ते हैं — जीवन-निर्माण माटे?

~~ફ્રેન્ચ ભાષા ના શબ્દ Delux ટે અર્થ છે સબ સગવડ~~
~~વાળું ફ્રેન્ચ શબ્દ હોત છે અંગ્રેજી મેં Host છે.~~
અબા લેટિન શબ્દ છે અર્થ છે પિતા.

(A) Let me assert my firm belief that the only thing we have to fear is fear itself.

(B) એ સ્વીકારવું પડે તેમ છે દરેક વિચાર એક સ્વતંત્ર હસ્તી છે. ચોક્કસ વ્યક્તિ ના દિમાગ માં ચૌક્કસ પલે પોતાની મેલે જ પ્રવેશે છે અને તેના પગલે કોઈ એક જબરજસ્ત ઘટના બને છે.

(C) A Nelajee (નેતાજી) was defeated in election, Nelajee આભાર માના to those who voted him, and his wife આભાર માના to those who voted against him.

(D) જીવન ના સંધ્યાકાલે થોડું મનોમંથન કરી લો.

(E) ઉકાદ બે અનુભવ પર થી જે સીખતા નથી તે કાયમ અથડાતા રહે છે

(F) હે સૈનિક, હે જવાન!

આપ કો દેશભક્તિ રોકડી છે, હમારી ઉચાર છે. આપ પૃથ્વી પર રહનારો બે પ્રકાર

ना होय छे. जेमनी पासे विचारशक्ति छे पण धर्म नथी. अने जेमनी पासे धर्म छे पण विचारशक्ति नथी. वाजपेयी भारतधरती नी सुगंध लईने विचार-शक्ति की पहुंचेली लाहोर बस यात्रा हती. घर में हिन्दू, मुसलमान, जैन, सिख, पारसी हम रहें परन्तु घर से बाहर निकलने पर हम सब भारती है, और हमारा सब का एक ही धर्म है वह है - नागरिक धर्म, और हमारा पवित्र ग्रन्थ है - देश नां बंधारण (देश नुं बंधारण).

संत - कबीर

कबीर परमहितकारी युग - चेतना संत हैं. जीवन ना परम सत्यों ने अत्यन्त सरल शब्दों में गाया छे. सामान्य माणस माटे जहां वेद, उपनिषदों पहुंच नी बाहर जणाय, त्यां कबीर मदद मां आवे छे. कबीर न समझाय तो कोई पछी मदद मां न आवे, न कछु समझाय. लोगों पर दंभ, आडंबर नी जे धूल चढ़ी गयी हती कबीर ते दूर करीने फिर से अंगारा प्रज्वलित किया. अंदर की परमशक्ति प्रगट किया. आजे कबीरजयंती पर भाव-वंदना अर्पी ने कृतार्थ बनिये. माया एक नशो छे, कंपन छे अने जे भ्रम छे ते द्वैत नुं कारण छे, अस्तित्व अ-

अद्वैत छे, परन्तु बेहोशी में दर्शन अने दृष्टि खोवायी जाय छे. तमारी माया स्वप्न जोवानी प्रक्रिया छे. माया दार्शनिक तत्व नथी, तमारी छाया छे. जेमजेम तमें जागता जशो तेम तेम माया तिरोहित थती जशे. आप शुद्ध-बुद्ध हो इससे बड़ा चमत्कार और क्या होगा. माया का आकर्षण सपना पे सपना दिखावे छे अने आप विषाद में आ जाते हैं. विषाद से मुक्त होने का उपाय, उपाय है ध्यान. ध्यान माया को तोड़ने का उपाय है. प्रथम सुख पछी दुख थाय ते माया छे. प्रथम दुःख पछी सुख ते माया नथी. तपयोग में प्रथम दुःख अने पछी सुख, भोग में प्रथम सुख पछी दुःख. दुःख पाछल छुपायी ने उभो छे, दुःख ने सचेतनरूप थी स्वीकारकुं - अंज तपस्या छे. दुःख माटे तैयार थाव तो महासुख नो अधिकार मले - पर स्वर्ण-सूत्र गांठ में बांध लो.

भाषा तर्क माटे बनी छे. जे दौड़ छे ते गुमावे छे. जे स्थिर छे, उभा छे ते मेलवी ले छे, कारण लक्ष्य तमारे अंदर छे, कस्तूरी कुंडल बसे मृग ढूंढे बन माही. सहजता नो अर्थ छे - कोई मार्ग नहीं, कोई प्रयत्न नहीं; कोई दौड़ नहीं; दौड़ना

ही माया है, अकंप ब्रह्म है सपना असीम छे, ब्रह्म असीम छे. ब्रह्म छे, सपना नथी. लोभ अने काम एक सिक्का ना बे बाजू छे. जे छे ते खोवा-यी न जाय अेनी चिन्ता छे ते लोभ कहवाय छे. काम भविष्य उन्मुख छे के जे छे ते पूरतुं नथी, बधु जोईये - आ काम छे. लोभ-काम के बीच खींच-तान के कारण हमारी दुर्गति हो रही है और हम तनाव, दुःख, संताप, उद्वेग में जी रहे हैं. दान लोभ ने अवरोध दूर करे छे, संतोष काम ना अवरोध ने दूर करे छे. दान का अर्थ केवल पैसा देना नहीं है, एक पवित्र हास्य का भी दान हो सकता है. आपवानोनुं भाव महत्व रखता है. भाव महत्व है.

लोभ-काम के बीच में क्रोध है. लोभ-काम में जे विघ्न नाखे छे ते पर क्रोध आवे छे, अने किसी कारण इसकी पूर्ति न हो तो अपने आपपर क्रोध आवे छे. जब तक आ छे तब तक क्रोध से मुक्त नहीं हो सकते. समग्रता को स्वीकार करो, जीवन को सहज रखो. पलायनवादी न बनो.

आज विज्ञान-युग में सौर-मंडल को मानव

महद अंशे सफल थया छे. यंत्र मानव कुछ स्थानों पर मनुष्यों की जगह भी ले लिया है. तंत्र का अर्थ शब्द कोष में है = व्यवस्था, सिद्धान्त, वीणा ना तार, नियम शैली शासन प्रणाली, तंतु थाय छे. व्यक्ति नां व्यक्तित्व नो विकास मां भौतिक एवं आध्यात्मिक उपलब्धि दोनों का समावेश है. अध्यात्म निवृत्ति नहीं प्रवृत्ति मार्ग बतावे छे. अध्यात्म पलायनवाद नहीं है. मन नी अंदर नी वासनाओं को भगाना है, संसार से भागने से कुछ नहीं मिलता है.

जीवन को स्वीकार करना है, इंकार नहीं करना है. धन, दौलत, सत्ता-संपत्ति से सुख प्राप्त होता है, आनंद नहीं; आनंद में पूर्णता का भाव है. धनवान देश अमेरिका में सुख के अतिरेक से मानसिक-रोगी ज्यादा मिल रहे हैं और आत्महत्या भी बढ़ रही है. दौड़-धाम की जिन्दगी में शांति प्राप्त नहीं हो रही है हताशा-निराशा सर्वत्र दिखायी पड़ रही है, समग्र चेतना में आनंद आजावे — अध्यात्म से ही संभव है. प्रवचन परिवर्तन माटे छे. प्रवचन से जीवन पवित्र बने छे. प्रवचन से

जीवन का लक्ष्य निश्चित होता है, प्रवचन भटकवा माटे नहीं; चालवा माटे छे। मकान-मंदिर का जीर्णोद्धार उत्तम है, परन्तु अपने जीवन का जीर्णोद्धार, नव-निर्माण सर्वोत्तम है।

संत ने तीसरे से पूछा, क्या कर रहे हो? तीसरे ने उत्तर दिया, महाराज श्री, भगवान का निर्माण कर रहा हूँ, इस पत्थर में मैं अपने सुंदर विचारों का आकार दे रहा हूँ, प्राण आवी जाय, सौन्दर्य आवी जाय. हमें अपने जीवन में सुंदर विचारों का आकार देना है, आत्मा में परमात्मा का निर्माण करना है, जीवन का लक्ष्य है — आत्मा से परमात्मा तक की यात्रा.

लघु मृत्युंजय

ॐ जूं सः व्यक्ति का नाम पालय पालय सः जूं ॐ,

① ह्रीं ओम् नमः शिवाय ह्रीं ② ॐ नमो नीलकंठाय.

③ ओम् तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्र प्रचोदयात्.

④ सुसरो दरिया प्रेम खुसरो प्यार का, उलटी वाकी धार, जो उतरा सो डूब गया, जो डूबा सो पार.

(488) संबन्ध मृगजल नहीं, गंगाजल छे.

(A) चिन्ता करने वाला स्मशान में बैठा है.

(B) राजाभोज के दरबार में प्रथमबार कवि कालीदास का पहुंचना.. सिपाही से कहना जो ईनाम मिलेगा उसमें आधा तुम्हें दूंगा. दो ने दावा किया था कि ये स्त्री मेरी पत्नी है. कालीदास ने अपनी चतुरायी-विवेक से दरबार में असली पति का पता लगाकर उसे सौंप दिया. राजभोज खूब खूब प्रसन्न हुये - और ईनाम की पेशकश की. कालीदास ने 50 हंटर लगाने की बात कही. हल का 25 हंटर कालीदास को लगाया गया और शेष 25 हंटर खूब जोर से सिपाही को लगाया गया. राजाभोज ने सर्वदा माटे कालीदास को स्वीकारा.

(C) कोई काम अशक्य नथी. जरूर छे पोताना शुद्ध (little ego) अहंकार ने छोड़ी परमात्माना हाथ मां पोतानी जात सोंपी नी जीववानी.

(D) कोई लाया है कि खुद आया हूँ, मालूम नहीं..

(E) जे देश चारित्रिक श्रेष्ठता, नैतिक मूल्यों, दिव्य-गुणों अने आध्यात्मिक वारसा मां विश्व-शिरोमणि हतो, तेनी गणना आजे विश्वना भ्रष्टाचारी देशों मां सातमा-आठमां नंबरे थाय छे.

(489) दृष्टि, वृत्ति, कृति शुद्ध राखो – सफलता निश्चित मिलेगी,

"विचार"

टिकाऊ और तेजस्वी बनो. समझदार और जाग्रत बनो. लोक जागृति Vacation न भोगे, न भोगवे. सफेद बकरी के पीछे काला बच्चा चल रहा है. परदेशी बकरी प्रधानमंत्री बनना चाहती है, बकरी गामना सरपंच पद माटे अयोग्य छे. उच्चकुल की पुत्र-बधु होने से बकरी में शासन-गुण नहीं आ सकता है. ग्रीक भाषा में IDIOT इडियट शब्द नो अर्थ छे – "मतन आपनार माणस"

(A) इंद्रियों से जो मुक्त होता है और अहंकार को दृप्त नहीं करता – वह त्यागी है. जो न तो प्रकृति की उपासना में रत है और न अहंकार की उपासना में रत है, जो इन दोनों उपासनाओं में रत नहीं है – वह प्रकाश में प्रवेश करता है.

इंद्रियां तो रहेंगी अंत तक, परन्तु अहंकार ~~तो रहेगा~~ अनिवार्य नहीं है. अहंकार हमारा अर्जन है, वह हमने निर्मित किया है, वह बिल्कुल ही गैर-जरूरी है. इंद्रिया अंधकार में ले जायेंगी और अहंकार महाअंधकार में ले जाता है. मनुष्य की –

वासना-कामना देखो — अगर मरने के बाद भी कोई अस्तित्व है तो उसके लिये भी संग्रह करता है। इंद्रियों की मांग अल्प है, वह पुनरुक्त Repeat होती है, किन्तु असीम नहीं है अहंकार की मांग असीम है। कर्म-प्रकृति — पद के बाद पद की कामना का जागरण हमारा अहंकार करता है जो अहंकार को तृप्त नहीं करता वह त्यागी है।

(J) नौकर, मालिक, कूतरा की इज्जत हम उतनी ही करेंगे जितनी आप की करते हैं। डाक्टर ने कहा, तमारा चेक वापस आ गया है। बीमार ने कहा, Dr. साहेब, मेरा ताव भी वापस आ गया है।

(A) हम स्पष्टीकरण करते हैं, इनकार नहीं करते, देवताओं की पूजा से सुख मिलेगा, सुख कितना गहरा हो फिर भी बंधन है, मोक्ष नहीं।

(B) ईर्ष्या से दूसरे का सुख तो मिलेगा नहीं, हां, अपना सुख ईर्ष्या की आग में जल जावेगा। पुल के नीचे से पानी बह जाता है, मन ऊँचा करो, दुःख-विपत्ति बह जावेंगे।

(C) Respect faith, but Doubt is what gets you an education — हूं श्रद्धानुं आदर करुं छुं, पण ते शंका ज छे जे तमे ज्ञान — अपावे छे।

(490) There lies more faith in honest doubt -- નિષ્કપટ શંકા માં બધુ વિશ્વાસ હોય છે. ~~ઝ~~ ઝમી ભી નહીં ઉઠાયેગી મેરી રાખ કા ભાર — ગિરા દિયા ગર તુમને નિગાહોં સે મુઝે. There are no tricks in plain and simple faith — નિષ્કપટ અને સરલ વિશ્વાસ માં છલ હોતું નથી.

(+) છલનાથી તબ ભી ઉસ પર વિશ્વાસ બનાથા ઉસ માયા કી છાયા મેં, કુછ સચ્ચા સ્વયં બનાથા — જયશંકર પ્રસાદ

"યુદ્ધ ની કથા રમ્ય નથી હોતી"

એક છેડા પર યુદ્ધ સામે છેડે અજ્ઞાત માતા હોય છે. રણશિંગા સાંભળી શકાય છે, ડૂસકાં નથી સંભળાતા. યુદ્ધ એટલે શું? યુદ્ધ એટલે અપમાનિત માતૃત્વ. યુદ્ધ પુરુષ પ્રધાન ઘટના છે. યુદ્ધ શા માટે થાય છે. ઈશોપનિષદનો એકજ શબ્દ પૂરતો છે — જુહુરાણમ્. જુહુરાણમ એટલે વાંકું જતું પાપ. એજ મંત્ર માં બીજો સુંદર શબ્દ છે — સુપથ. પાપ વાંકું ચાલતુ હોય છે, જ્યારે પુણ્ય સીધું સારા

લીટી

માર્ગે ચાલતું રહે છે. યુધિષ્ઠિર સીધી લીટીનો માનસ હતો, યેનો માર્ગ સીધો (સુપથ) હતો. મહાભારત ના યુદ્ધ માટે દુર્યોધનનું, "વાંકુજતું પાપ" જવાબદાર હતું. મહાભારત નાં યુદ્ધ ન ટલું કારણ કુંતી-ગંધારી કાંચા પડયા. બન્ને માતાઓ નિષ્ફળ ગયું.

પુરશ્ચરણો તંત્ર માં વિધાન છે - પુરશ્ચરણો - ક્લાસ તંત્ર માં વિધાન છે — વધાં તીર્થસ્થાનો સ્ત્રી ના શરીરમાં આવેલાં છે. આ વિધાન માં કોઈ જાતિ-પક્ષપાત (જેન્ડર બાયસ) ન થી. શિશુ ના સ્પર્શે માતા માં દૂધ ઉભરાય છે અને જીવન ધારા વહેતી થાય છે, કૂરવે થી સાક્ષાત ચેતના નું અવતરણ થાય છે. માતા ના ખોલો - એટલે પ્રેમ ની University. પાશ્ચેમ માં સમૃદ્ધિ છે, ખૂબ બઢી - પરન્તુ એક મૂલ્યવાન ઘટના નો લોપ થયો, ધીરે ધીરે માતા નો ખોલો લુપ્ત થયો, ખોલો ત્યારે જ મલે જ્યારે પલાઠી વલે. ---- ખૂબ મનન કરો.

યુગ પુરુષ કૃષ્ણ મહામાનવ ઇતિહાસ માં એવો છે જે સ્ત્રી-તત્વ ના સાક્ષાત્કાર પામવા માં સફળ થયી ગયો છે.

(491) खोबो भरीने अमे अेटलुं हस्या के कूवो भरीने अमे रोई पड्या.

(AJ) पाकिस्तान ना जिया साहेब नी टपाल टिकिट बाहर पड़ी. फरियाद आवी के टिकिट चोंट तो नथी. तपास करतां खबर पड़ी के लोगों जिया को photo पर थूकते हैं. थूक टिकिट के पाछल नहीं लगाते हैं.

(B) मिट्टी के घड़े, पे पत्थर गिरे अथवा पत्थर पर घड़ा गिरे - दोनों स्थिति में घड़ा ही फूटे छे.

(B) आनंद और भ्रम के मेल से हम सामर्थ प्राप्त करते हैं.

(C) धर्मनुं वावेतर तो घणुं थाय छे पण तेनो परिपाक केम निराशाजनक देखाय छे? — विचार करो, उत्तर मिल जावेगा.

(D) मिलन में विदा उपस्थित है, वेदान्त मिलन के सुख को नहीं काट रहा है, केवल विदा के दुःख को काट रहा है. अज्ञानी मिलन के सुख को काटता है, ज्ञानी विदा के दुःख को काटता है. जन्म में मृत्यु उपस्थित है. अज्ञानी जन्म के सुख को काट डालेगा, ज्ञानी मृत्यु के दुःख को काट डालेगा.

(492) हम वो हैं जो दीवा से बावाजोड़ (तूफ़ान) की आरती उतारते हैं। युद्ध और हल्लड़ में अंतर है। देश में हुल्लड़ हो तो संप की बात करो। युद्ध में हरेक नागरिक देश की रक्षा में दुश्मन को कड़ा जवाब दो।

(A) तृष्णा की पूर्ति नहीं, तृष्णा से निवृत्ति।

(B) स्वाति नक्षत्र में बीमार पड़नेवाला पूर्णान्वेष स्वस्थ नहीं हो पाता है। बीमारी जड़ से नहीं जाती।

(C) खुदा अने वंदा वच्चे ना सेतु नुं नाम श्रद्धा छे।

(B) श्रद्धा नो हो विषय तो पुरावानी शी जरूरत छे।

(C) श्रद्धा होय त्यां सुधी संबन्धो टकी शी शके अने पछी तो शंका नी सरहद शुरू थयी जाय छे।

(D) श्रद्धा छे तो पत्थर देव छे, नहीं तो पत्थर।

(E) लोक समझा आंख थी आंसू खर्युं, पण आ मारी स्वर्गीय श्रद्धा हती।

(F) अंग्रेजी मां ओवेन मेरेडिथ नामना कवि ये कहुं छे के — माणस पुस्तक विना जीवी शके छे, आशा विना, प्रेम विना जीवी शके छे, परन्तु रोटी विना जीवी शक तो नथी।

(H) संसार से भागो नहीं, जागकर भांगो।

(I) सत्संग में से विचार लेकर घर जाओ, किसी का — जूता लेकर नहीं।

(49)

गुरुपूर्णिमा - गुरुमहिमा

पीडादायक तुच्छ विकारो थी, दुःखदायक इंद्रिय विषयों थी अने अशांति करनार वासना ना डंखो थी लघु बनेला आपणा जीवन ने आत्मविचार ना उत्तुंग शिखरों पर बेसाडी 'स्व' मां स्थित करवानुं, गुरु कार्य करवानी जेमनां मां क्षमता छे अे गुरु छे. मरणधर्मी शरीर मां पण ब्रह्मानंद नो अनुभव करावे अे गुरु छे.

(A) जिन्दगी अल्पविराम छे, पूर्ण विराम की शोध मां अटके छे. प्रश्नार्थ अथडाय छे अने अर्ध विराम ना मृगजल मां अटवाय छे.

(B) अंगूठो चूसवानी आदत थी बोलवानी शक्ति घटी जाय छे. तथदधन का उच्चारण ठीक से बालक नहीं कर सकता है.

(C) मनुष्य जीवन नुं अमृत — हास्य.

(D) जागता रहीने जीववुं अे अध्यात्मनुं सारसूत्र छे.

(E) खूब दूध-पाक फकीर खाता ही खाता गया, उलटी भी होने लगी फिर भी खाता रहा, खाता रहा, मन को समझाया - खाने से नहीं, अल्लाह का नाम लेने से, जपने से शुभ शक्ति जागृत होती है.

(F) हमारा हांथ बंधा हो फिर भी हम एक दूसरे को भोजन करा सकते हैं — मदद कर सकते हैं.

(194) भगवान शिव – मंगलमूर्ति एवं कल्याणकारी

भगवान् शंकर नुं शरीर चांदी जेवो छे – सूर्य नुं प्रतीक. मस्तक मां शशीकला – मन नुं दर्पण छे. चार हाथ – धर्म – अर्थ – काम – मोक्ष नुं प्रतिनिधित्व करे छे वरमुद्रा – धर्म, कर मां परशु – अर्थ, धनुष ए काम, अभयमुद्रा – मोक्ष नुं प्रतिनिधित्व अथवा निरूपण करे छे. व्याघ्र – चर्म अनासक्ति दर्शावे छे. त्रिनेत्र – सूर्य – चन्द्र – अग्नि नुं प्रतीक छे. शिव ना पांच मुख – ए पंच महाभूत सृष्टि छे. त्रिशूल ए सत, रजस, तमस सूचक छे. शिव सृष्टि नां पहला महान वैद्य – राज छे. डमरू ना नाद मां थी व्याकरण ना 14 सिद्धान्तो अने संस्कृत वर्णमाला ना 51 मूला – क्षरो नाद मां थी प्रगट छे.

भगवान शंकर ना अनेक नाम छे – मृत्युंजय, आशुतोष, गंगेश्वर, अर्धनारीश्वर, विश्वरूप, त्रिनेत्र दिग्पाद, कृतिवासा, पितामह, सर्वज्ञ, कपाल, भव उग्र, रुद्र, भीम, पशुपति, ईशान, महादेव, वामदेव अघोर नाथ, सिद्ध, पाशुपत, लिंगायत आ मुख्य संप्रदाय शिव की साधना से संबन्धित है

(A) आज की परीक्षा से आप की Memory का पता चलता है, न कि Mind का.

(495) Pure Idealism, Practical आदर्श-वाद, Progressive Idealism — कृष्ण Progressive Idealism के पक्षधर हैं।

(A) मुखपाठ पोपट की तरह होता है — तोता की कीमत है 500/2. तोते से पूछ लें — इसमें क्या शक है. ग्राहक ने विचार के फिर तोते से पूछा, तोते, आप का मालिक क्या झूठ बोलता है, तोते ने कहा, इसमें क्या शक है? तोते को सिखाया गया था के कुछ भी पूछा जाय सदा जवाब देना — इसमें क्या शक है. अतः तोते की तरह मुखपाठ न करो, तोते की तरह जवाब न दो.

(B) पेड़ में से लगी मधु Honey निकालते समय मधुमंखी के डंक लगेंगे ही.

(C) खुद को देख जगत को आयना बनाकर, जगत को देख खुद को आयना बनाकर,

(D) आप किसी के यहां जलसा करने जाते हैं अथवा प्रेम-स्नेह के कारण जाते हैं. रोटला खाना पड़ा — यह स्नेह-प्रेम की बोली नहीं है

(E) जल की लहर का जागना और फिर सो जाना पल में हो जाता है — जिन्दगी पल है

4

(96). जूता, छतरी, रेनकोट दुःख में साथ आये छे
अने थोड़ा सुख मिलते ही हम छोड़ देते हैं - समझो

(A) तमारा कपड़ा कागला - कबूतर बगोड़ त्यारे
समझी लो आकाश में पेड़ पर हाथी - शेर उड़ता
बैठता नथी. निन्दा करनेवाला कागला - कबूतर है.

(B) जर्मन कवि झग्युइये (Jhaguethey) शाकुंतल
(Shakuntal) सर पर रखकर नाचा था. ज्ञान
जहां से मिले वहां से लो, सीखो - अंज साचा उपनिषद
कूपमंडूक न बनो. तक नो स्वीकार करके ज्ञान -
- विज्ञान के आधार से विश्व के साथ कदम मिलाओ

(C) Atom-Bomb अथवा शस्त्रों का विरोधी
नहीं हूँ. निर्बलता, दुर्बलता का विरोधी हूँ

(D) Self-Conditioning-Method
'स्व अभिसंधान पद्धति'

स्वअभिसंधान पद्धति से लघुताग्रन्थि दूर होती है
(मनोविज्ञान को मानस-शास्त्र भी कहते हैं)
रशियन मनोवैज्ञानिक यावलेवे मूले S.C.M नी
खोज की है, आबदल नोबेल Prize यावलेवे
को सम्मानपूर्वक प्राप्त हुआ है. उंघ आवतापूर्व नी
स्थिति तन्द्रावस्था छे. Conscious कोन्सीयस
(सचेतन) अने Subconscious सब कोन्सीयस

(अवचेतन या अर्धचेतन) बच्चे नो समय Sensitive Moment (संवेदनशील घड़ी) कहा जाता है। इसी क्षण (घड़ी) में Auto Suggestion (आत्म सूचन) स्व-सूचन से अर्धचेतन मन की अपार शक्ति जो है उसे कार्यान्वित कर देती है। इस पद्धति से सब तरह के प्रश्नों का निराकरण हो जाता है। लघुता ग्रन्थी, स्मरण शक्ति, सब क्षेत्रों के सब प्रश्नों का समाधान हो जाता है। Auto Suggestion जरूरी है। आछे मनोविज्ञान के प्रयोगों से सादी, सरल, असरकारक S.C.M स्व अभिसंधान पद्धति

नया विचार

चारों तरफ़ बेचैनी, रागद्वेष, हिंसा का Vibration बरताय छे, मानवता अस्वस्थ थयी जाय, तब Bypass Surgery की जरूरत पड़ती है। घोड़ा की लाद में से पापड़ बनाकर देशहित के नाम से कुछ लोग अपना व्यापार चला रहे हैं।

(A) जीवन ऐसा न बनाओ — बेकफ़न लाश बन जाय। # भारत स्वतंत्र है, किन्तु जहां से मेरी नाक की हद शुरू होती है वहां तक ही आप की छड़ी (सोटी) की स्वतंत्रता की सीमा है, समझो।

(497) मेरे पक्ष में निर्णय होगा तो हे प्रभु! आप को लाडू खिलाऊँगा, दूसरे ने कहा है प्रभु. मेरे पक्ष निर्णय होगा तो खीर खिलाऊँगा. प्रभु के सामने भी भक्त समस्या पैदा कर देता है. मंदिर एक है - मांगे परस्पर विरोधी है. अब आप स्वयं विचार करें - प्रभु लाडू या खीर क्या खायेंगे मांगने से कुछ नहीं मिलता - योग्यतानुसार मिलता है

(A) मेढ़क ने भगवान् से कीचड़ मांगा, हंस ने मोती मांगा. भगवान् न कीचड़ न ही मोती बरसाता है. पानी बरसता है. समझें (प्रवचन का विषय है)

(B) आप यहां से चले जावें इसके पहले आप की मेहनत की सुगंध लोग पहचान लें तो विशेष अच्छा रहेगा

(1) आ माणस सुगंधी अगरबत्ती नी जेम बुझाई गयो

(2) आप की बात-चीत मेरे कान की मिज़बानी है.

(3) जीभ दांत ना वाड पाछल कैद करी शकाय, मन ना भाव चेहरे पर उपसे नहीं आ सावधानी थई शके, आंख की भाषा विचित्र है इसीलिये गोगल्स लगाकर आंख को ढक दिया जाता है.

आनंद की खोज

आनंद की खोज करना आप का भ्रम है. धन, पद प्रतिष्ठा में खोजना भ्रम है. सत का

अभाव नहीं है, सत में उपस्थित नहीं हो - इसलिये दुःखी हो. आप अपने को दुःखी मान रहे हो - इसलिये दुःखी हो. अभाव का बोध और अभाव में प्रतिकूलता की अनुभूति दुःख का कारण है. हर परिस्थिति भी भगवान् का मंगल-विधान है - स्वीकार करो. कितना भी संसारी सुख प्राप्त कर लो, अभाव बना रहेगा - अभाव सर्वदा दुःख पैदा करता रहेगा. सच्चा सुख, परम आनंद चाहते हो तो प्रतिकूलता का ही अभाव कर दो. भगवान् में स्थिर न होने से ही जगत होने का भ्रम हो रहा है. आनंद की सहज प्राप्ति. क्रिया नहीं, स्वीकृति सहजता है

(Joke) साहेब ने Interview में Driver से पूछा - तमे English फावे छे, उत्तर - साहेब, देशी भी चालशे. [+] दीपक जलाकर शिक्षक ने पूछा, "प्रकाश कहां से आया." बच्चे ने दीपक बुझा दिया, "प्रकाश जहां गया वहां से".

(A) आज की युवा पीढ़ी ने रिकी मार्टिन ना गीतो मोढे छे, किन्तु राष्ट्रीय गीत आवतु नथी. देश माटे आथी विशेष शरमजनक बात बीजी कई होथी शके.

(MD) प्रतिदिन बे केला खाओ, B.P. घटाओ, पक्का - केला खाओ.

To Make the Memory Strong

कालीफ़ोस गोली, Potasium साथे फोस्फ़-रस ना मिश्रण थवा थी कालीफ़ोस (Potasium Sulphate) नो क्षार बने छे Biochemistry मां ज्ञान-तंतुओं नो आ क्षार आपवा थी मज़बूत बने छे - याददास्त सबल थाय छे, तनाव-चिन्ता दूर थाय छे,

(A) जे प्रजा अपनी भाषा गुमावी दे छे तेनी स्वतंत्रता जोखम मां छे, जे प्रजा इतिहास भूली जाय छे तेना भविष्य जोखम मां छे.

(B) पक्षधर्मी अने प्रजाधर्मी नेता ही देश को आगे ला सकते है. पक्ष अने प्रजा बंने पे जो प्रभाव रख सके ~~की~~ अेवा विराट व्यक्तित्व संपन्न नेता नी जरूरत छे, अेवो नेता पर-प्रकाशित नहीं; स्वयं प्रकाशित होय. सत्ता जेने माटे साध्य न होय, देशहित जेनुं लक्ष्य होय अेवा नेता जोइये. एक कहानी - तालाब के सब मेढ़क भगवान् शंकर से अपने लिये नेता की मांगनी की - प्रथम कछुआ नेता बना - फ़िर बैल बना, परन्तु मेढ़कों में संप न आया और फ़िर से मेढ़क भगवान् शंकर से प्रार्थना की - भगवान् ने कहा; तुम सब मिलकर अपने में से किसी को नेता बनाओ. बाहर का नेता कुछ भी तुम्हारा विकास कर सकेगा नहीं.

(498) Joke अमृतलाल को भी जहर असर करता है

(B) घणां माणस दररोज रक्तदान करे छे – लाभ मले छे मच्छर अने मांकण ने. ⊞ चुंटणी प्रचारक बहेरा स्कूल मां भाषण करवा दौड़ी जाय छे ⊞ ध्यान अने झोंकूं मां अंतर छे. ⊞ "पैसा पैदा करने की कला" मेरी पुस्तक मुझे ही घाटे में डाल दिया.

(B) शब्द एवं स्वर का एकाकार होना नाद ब्रह्म.

(C) प्रेम नो प्रभाव तमाम अभावों ने मिटावी दे छे

(D) साधारण अवस्था में जे व्यक्ति आनंद मां रही शके छे तेज वास्तविकता मां असाधारण व्यक्ति छे.

(E) श्रद्धाहीन ने ज्ञान होतुं नथी, ज्ञानहीन ने आचरण होतुं नथी, आचरणहीन ने मोक्ष मलतुं नथी. अने मोक्ष प्राप्त कर्या वगर पूर्ण शांति मलती नथी.

(F) मोटामां मोटा आपणी भूल ये छे मानस करता समाज ना महत्व वधारे छे – अेम मानी ये छे. समाज माणस नी उन्नति नी सीडी बनवुं जोइये अेने बदले पांजरुं (पिंजड़ा) बनी गयो छे. हकीकत में माणस नी मोटा थी थी समाज मोटो बने छे.

(G) मेरे दुश्मन भी जानते हैं ये, कितना तरसा हूँ दोस्ती के लिये, ⊞ ज्यां समझण छे त्यां संवाद ने स्थान नथी होतुं. ⊞ जिस भारतीय के हृदय में

विदेशी हवा भरी हो वह बीमार ही रहेगा और हम उसे बीमार ही कहेंगे,

(A) नथी नडतां जगत मां, कोई दी खुशबू ने अवरोधो, कदी ये कंटको थी फूल ढकाई नथी शकता.

Nela Aaj Ka Modern Nela

(A) चुंटणी पहेला जोड़े हाथ, जीता पछी मारे लात. ☒ कुर्सी काजे पाटली बदले अने पत्नी पण. ☒ योजना घड़े प्रजा कल्याणार्थे, परन्तु करे अपना कल्याण. ☒ मत मेलवा माटे कपड़ा वांटे, पछी तमारा कपड़ा कढ़ावे.

जानकारी

काला रंग सूर्य नी गरमी आधीक शोषण करे छे - किन्तु काला गोगल्स इसलिये ही सूर्य की अल्ट्रावायोलेट Ultraviolet किरणों ने परावर्त करे छे तेथी आंख का नुकशान नहीं होता है, बीजा रंग से नुकशान थाय छे.

(B) लोग दातण से दांत साफ़ करते हैं - दांतण चीर कर जीभ साफ़ करते हैं - फ़िर कचरे में फ़ेंक देते हैं - दुनिया की रीत आछे अतः दुःखी होने की जरूरत नहीं है

(199) वक्त कोई नां इंतज़ार करता नहीं,
अलबत्त इंसान समय नो ताबेदार नहीं.

(A) मरीज़े मोहब्बत हूँ, आवारा नहीं
चलाओ ना कैंची, बंदा हू बकरा नहीं;

(B) आंसुओं ने क्यों पाल होय छे, अं तो सरी जाय छे, ज्यां लागणीयों ना ढाल होय छे.

(Joke) Hotel मेंट Interview — आप का अनुभव ?
1 act Central Jail में Kitchen-in-charge था.

(C) जैसे सुबह नास्ता करता हूँ वैसे ही निन्दा भी मेरे लिये नास्ता है — नास्ते से लाभ है — फिर चिन्ता क्यों करूं ? जवाब किसको दूं ?

(D) कभी कभी बड़ी दूकान पर बड़ी वस्तु खरीदने पर मुफ्त में अपने आप कुछ भेंट मिल जाती है — इसी तरह भगवान को खरीदने से (मीरा की भांति) संसार का सुख अपने आप मिल जाता है

(E) हंस अपनी पुत्री के लिये मोर को पसंद किया — प्रथम दृष्टि में पसंद आया, नाचते नाचते जब घूमा तब हंस ने कहा कि मोर सुंदर है सभ्य नहीं है अतः अपनी पुत्री इस असभ्य के साथ नहीं ब्याहूंगा यह हमारी Culture है ...

(5.00) कर्मयोगी कृष्ण जीवन ने सतत उत्सवरूप मानता. ⊞ बिना शून्य हुये हम पूर्ण नहीं बन सकते ⊞ पानी ऊँचे पहाड़ पर नहीं टिकता, अहंकारी में ज्ञान नहीं टिकता Make they empty, I shall fill Thee.

(B) मोटा मां मोटी मुश्किल जी आछे के पतित व्यक्ति अपनी शंकाओं में से ही फुर्सद नहीं प्राप्त कर पा रहा है. ⊞ पुरोहित - परहित का सब तरह से विचार करनेवाला पुरोहित "माना जाता है"

(C) मैं कहां कहता हूँ - पूरा गाम कह रहा है - यह social ~~Hypnosis~~ Hypnosis (सामाजिक संमोहन) है. सामाजिक सम्मोहन से मुक्त बनो. ⊞ भगवान् नी लीला अपरंपार छे, किन्तु भगवाने सर्जेला मानव नी लीला, कोई कम नथी. ⊞ आप व्यक्ति से कहां मिलने जाते हैं - ये चिकना है, ये कंजूस है वगैरह वगैरह अभिप्राय जब आप देते हैं तब हम कैसे समझे कि आप किसी व्यक्ति से मिलकर आये हैं - आप चिकने, कंजूस से मिलकर आये हैं ना कि व्यक्ति से मिलकर आये हैं.

(D) "Do not be an intelligent idiot."

(E) सूर्य बड़ा कि चन्द्र बड़ा - ऐसी व्यर्थ की बातों में हम लड़ रहे हैं - मानव में मानवता जागे, देश - प्रेम बढ़े, अखंड भारत रहे - यह विचार हम नहीं कर रहे हैं.

(5अ) कर्म की व्यवस्था में भगवान् को लाने की जरूरत नहीं है. Newton ने Gravitation गुरुत्वाकर्षण की शोध की - ठीक है. चीज़ ऊपर से नीचे आती है. अब आप विचार करें वह कौन सी शक्ति है जो ऊपर ले जाती है - सफ़र चन्द्र टूटा तो नीचे गिरा - सफ़र चन्द्र ऊपर कैसे गया और ऊपर टिका कैसे है - Lavitation, Grace कृपा है परमेश्वर की. खूब विचार करो. नीचे की तरफ़ ले जानेवाली शक्ति (अस्तित्व) अगर है तो निश्चित है ऊपर की ओर ले जानेवाली शक्ति (अस्तित्व) है. दो अस्तित्व सदा रहा है - पाप-पुण्य, धर्म-अधर्म, लाभ-हानि वगैरह वगैरह. नीचे-ऊपर दो अस्तित्व है.

"सविशेष"

(A) बुद्धि का परमात्मा में लगजाना "शम" है
इन्द्रियों नुं संयम का नाम "दम" छे
समझकर दुःख सहन करना "तितिक्षा" छे.
जीभ, जनेन्द्रिय पर विजय प्राप्त करना "धैर्य छे
कोई नो द्रोह न करवो "दान" छे.
कामनाओं का त्याग "तप" छे.
वासनाओ पर विजय प्राप्त करना "शूरता" छे.

सर्वत्र परमात्मा का दर्शन करना "सत्य" है.
कर्म में आसक्त न होना "शौच" है.
पाप से घृणा करना - ओ लज्जा है
चित्त मां असंतोष एवं अभाव का बोध "दरिद्रता" है
जे विषयों मां आसक्त नथी तेज समर्थ, स्वतंत्र, ईश्वर छे

अघोरमंत्र (अघोर चौदस (3-9-99)
(सेप्टेम्बर मास नी कृष्णपक्ष की चौदर अघोर चौदस छे)
ॐ ह्रीं अघोराय फट् स्वाहा (अघोरमंत्र) - आ मंत्र शिवालय में बेसी ने शरीर ने भस्म लगा कर करने से सिद्ध हो जाता है - मंत्र जाप 2100 एक बैठक में ही मंत्र जाप (2100) पूरा करना है.

कोई भी किसी प्रकार दुःख, परेशानी, हानि जीवन अथवा व्यापार में हो तो आदित्य पूजन मंत्र का जाप करना चाहिये.

ॐ ह्रीं ॐ घृणिः सूर्य आदित्य

सामने घी नो दीवो राखो, सूर्ययंत्र भी रखे
सूर्य मंत्र का जाप एक ही बैठक में 2100 पूरा करें

(13) राजा आलसी लोगों के लिये सब प्रबन्ध किया, मकान में आग लगा दी गयी - दो आलसी रहे -

बाकी सब भाग गये — भागे हुये लोग शिक्षक, संत बन गये — कहानी का मर्म समझें,

(c) शिक्षक राष्ट्रपति बने — अच्छी बात है, परन्तु राष्ट्रपति शिक्षक बने — यह विशेष शिक्षक के लिये सम्मान की बात है, प्रत्येक बालक नवी ताज़गी लेकर जन्मता है, संकलित माहिती ने ज्ञान ना आंचला तले सरस पैकेन ~~में~~ मां गोठवी बालक तक पहुंचाया जा रहा है, प्रचारक टेपरेकार्डर जैसा हो गया है, सत्संग से मानव चेतना का जागरण संभव है तैयार पुस्तकों नी बासी बातों का नास्ता कबतक आप करते रहेंगे. आप अपने परिवार के बगीचे के माली हैं — शुभ विचार-संस्कार खातर-पानी है, माली बगीचे की व्यर्थ लगती चीज़ों को काप-कूप करेगा, संभालेगा, निशाल जाते समय विद्यार्थी धीरे धीरे जाता है, वापस घर आते समय दौड़कर आता है.

To Draw out — अंदर की छुपी शक्ति को बाहर लानेवाला शिक्षक है, किन्तु आज शिक्षक Push-in पद्धति अपना रहा है — माहिती, आंकड़ा, सिद्धान्तों, विचारों जे कछु बाहर छे हम आप के

अंदर ठांस ठांस के भर रहे हैं। इसी लिये भारत मां आजे मौलिक विचारक, वैज्ञानिकों की कमी महसूस हो रही है। युवकों को तोड़ना तो आ गया है परन्तु शीखना है अब, आप को क्या तोड़ना है" पसंदगी संस्कार अथवा सर्वनाश दोनों में से एक की करनी है। विकास अथवा विनाश का रास्ता आप को चुनना है।

(जिन) मताधिकार पवित्र छे इसीलिये हमारे नेता यह पवित्र-कार्य हर साल करना चाहते हैं।

(A) हमारा जन्म परमेश्वर की भेंट है। हमारा अच्छा बनना ही हमारी ओर से प्रभु को भेंट है।

पर्युषण

पर्युषण पर्व नो आदेश छे आत्मानी समीप वसवानो, काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर से निकलें तभी आत्मा तक पहुंच पायेंगे ज्ञान की साधना करनी पड़ेगी, मैं कौन हूँ, कैसा है मेरा जिनशासन, जीते ते जिन अने जिन ने पूजे ते जैन, जैन कभी पराभव अनुभवतो नथी। हर हार प्रगति नुं सोपान छे। तीन अमोघ शस्त्र छे — विवेक, विनय, वीरता। विवेक से सार-असार जाणे छे, विनय थी तादात्म साधे छे, वीरता थी अधर्म ने काढ़ी फेंके छे, जैन धर्म

કોઈ કૌમ, નાતજાત ના ધર્મ નથી – આ વિશ્વ-ધર્મ છે.
જગત માત્ર ના જીવો સાથે મૈત્રી સાધવાનો જૈન ધર્મ છે
વ્યવહાર શુદ્ધિ એવં મન શુદ્ધિ સે હી મૈત્રી પ્રાપ્ત હોતી હૈ,
સમાપના (સમાપના) જૈન ધર્મ મેં વિશેષ સ્થાન રખતા હૈ
(A) જે આત્મા ને ઊંચે લઈ જાય તે ઉત્સવ. અન્તઃકરણ
ઔર ચારિત્ર કો શુદ્ધ કરને કે લિયે પર્વ હૈં.
અહિંસા કા એક પાસુ અભય છે અને વીજુ પાસૂ પ્રેમ છે.
કિસી ભી તરહ હમારે દ્વારા કિસી કો ભય નહીં મહસૂસ
હોના ચાહિયે – યહ અહિંસા કા પ્રથમ સોપાન છે ઔર દૂસરા
સોપાન હૈ પ્રેમ. પર્યુષણ માટે ત્રણ શબ્દો પ્રયોજવા માં
આવે છે – ① પરિવસન. ② પર્યાવસન ③ પર્યુશમન
એક સ્થલે સ્થિર થવું, પોતાના સ્વલ્પ માં સ્થિર થવું, મન,
વચન, કાયા ઉપર સંયમ રખકર પોતાના સ્વલ્પ માં સ્થિર
થવું. Q. Is religion means begging in
Indian tradition? A – No, Religion is
not begging in Indian-traditions but
it is closing the eyes and opening the Vision.
(B) જે ધન મંગા કરે તે ભાગ્યશાલી નથી, ધન ના
શુભ કાર્ય મેં લગાવે તે ભાગ્યશાલી છે.
(C) Internal Vigilance is the Prize of
liberty – સ્વતંત્રતા ની કીમત સતત જાગૃતિ છે

(502) मैं बैठा हूँ, आप चिन्ता न करें – ऐसा अक्सर लोग कहते हैं – मुसीबत आने पर भी वे बैठे ही रहते हैं – उठकर मदद नहीं करते हैं = सीढ़ी पर बैठे हुये को ऊपर ले जाने के लिये हाथ पकड़ना पड़ता है – हाथ पकड़ने वाला शक्तिमान माना जाता है, सीढ़ी पर से नीचे खींचने के लिये पग पकड़ना पड़ता है, पग खींचने वाला कमजोर माना जाता है।

(A) बालक के पास भूत (Past) नहीं है, भविष्य नहीं है – वह सदा आज में Present जीवित रहता है – इसलिये प्रसन्न-आनंद में रहता है – और सीख सकता है – विकास कर सकता है. Be Child-like.

(B) लग्न पहेला चरणदास अने पछी चरणसिंह

(B) जेमांथी अहिंसा, संयम अने तपनी निष्पत्ति थाय तेनुं नाम धार्मिक वृत्ति

(C) संघर्ष एवं समस्या की जोड़ी ही जीवन है

स्वस्तिक उभी लीटी अे ज्योतिर्लिंग नुं सूचन करे छे. ज्योतिर्लिंग

विश्वनुं उत्पत्ति नो मूल कारण छे. आडी रेखा विश्व नो विस्तार बतावे छे. ईश्वरे आ विश्व-निर्माण करुं अने देवो पोतानी शक्ति खर्ची विस्तार कर्यु - स्वास्तिक ना मूल भावार्थ छे. एक मेव अने अद्वितीय ब्रह्म विस्तर्यु अे बात उभी-आडी स्वास्तिक नी रेखा समझावे छे. चार भुजाओ विष्णु नुं चार हाथ, चार हाथ चार दिशा नुं पालन, स्वासिक सर्वदो भद्रा - बधी बाजू बधी रीते कल्याण. सब का स्वतरह से भला हो. स्वास्तिक नुं मध्य-बिन्दु विष्णु नुं नाभि कमल अे ब्रह्मा नुं स्थान छे - अर्थात स्वास्तिक सर्जन नुं काम करे छे - सर्जन नुं प्रतीक छे. कोई पण जीव प्रत्ये हृदय मां कुभाव न रहे तो चारो दिशाओ मंगल मय बनी जाय छे.

(A) बस्ती कहां छे? स्मशान अथवा कब्रिस्तान में,

(B) सूर्य-प्रकाश में जाल में पंछी फंसे इस में सूर्य का दोष नहीं है - थाय छे

(C) धर्म क्षेत्रे, गृह क्षेत्र, बाजार क्षेत्रे आजे शुं-

(D) आप मंदिर पूजा माटे अथवा प्रायश्चित माटे शा माटे जाओ छो? III शोषण नुं बीजू नाम हिंसा छे. III Ecology ईकोलोजी अर्थात प्रकृति नुं संतुलन, अने आ संतुलन प्रदूषण ना कारणे

खोवाय छे. संतुलन प्रदूषण ना कारणे बगड़े छे.

(A) सूई की नोक में से ------ जीसस ने कहा, समृद्धि का अनादर इसमें नहीं है, परन्तु व्यवहार शुद्धि एवं साधन शुद्धि का अभि-वादन इस विधान में है.

(B) विचार आ रीते प्रगट थवुं जोईये जे रीते वृक्ष में नवा पांदड़ा फूटे छे, आवे छे, प्रगट थाय छे.

(C) प्रत्येक दिवसे अने वरसे वरसे नवी प्रतिमाओ उभी थाय छे, जूना देवो ने हुं जता जोया छुं, नवा देवो ने आवता - मैं किसी मंदिर का देव नहीं बनना चाहता हूँ - हूँ हथौड़ी बनना चाहत चाहता हूँ - खूब इस विचार को समझो.

(D) HIJADA (Impotent) मतदान नहीं कर सकता, परन्तु चुनाव लड़ सकता है.

(E) The Secret of success in life is not to do what you love but to love what you do

(F) फूल पर प्रहार हो सकता है, किन्तु फूल किसी पर प्रहार नहीं करता.

(F) सनातन का प्राचीन नहीं, सनातन का अर्थ है सर्वकालीन - कोई पण काल मां आच-रवा योग्य जीवन पद्धति - जेना आचरण

થી સમાજના કલ્યાણ થાય તે સનાતન ધર્મ —
— સત્ય, પ્રેમ, પ્રમાણિકતા, પ્રમાદ ન કરના સર્વ
કાલ મેં આવશ્યકતા હૈ કોઈ પણ યુગ માં પાલવા
યોગ્ય છે. ધર્મ જીવતા જીવન થી દૂર ન હોય — પગ
માં કાંટા લાગે તે વેદના થી આંખ માં આંસૂ આવી જાય
છે. તત્ ત્વમ્ આસી સૂત્ર ગોખવાની જરૂર નહીં.
ગોખી ગોખી ને જીવન જીવાતું નથી, જોખી જોખી
ને ચલવું પડે છે નર માં થી નારાયણ બનો નાકી
નર માં થી વાનર. ⊞ કામયાબી હો ગયી તો બેબ-
-કૂફી પર ભી નાજ — નાકામી ઔર જો હુયી તો
અક્લ ભી શર્મિન્દા ⊞ કપડાનાં દાગ ચલાવી લેજો
કિન્તુ મસ્તક પર લગા દાગ કદી ન ચલાવજો.
(G) અપને દોષ કો ન જાનના ભી દોષ હૈ, ન સુધા
-રના પણ મોટા દોષ. ⊞ દીપક તેલ વિના જલતા
નથી — ફલ મેહનત વિના મલતું નથી.
(H) લોગ પરમેશ્વર સે નહીં ડરતે પરન્તુ ભૂત સે ડરતે હૈ.
(I) નવજાતશીશુનું માગનું વજન 340 ગ્રામ હોય છે અને
5 વર્ષ સુધી ઝડપ ભી વિકાસ થાય છે — 10 વર્ષ
તક 80 ટકા વિકાસિત થઈ જાય છે
(J) ઉપદેશ આપે કિનારા પે રહી ને ડૂબનારા ને
(વ્યંગ — ડૂબનારા કો બચાના હૈ, ઉપદેશ નહીં દેના)

પૂર્વ Philosophy પાશ્ચેમ

જ્ઞાન, હિન્દુ જ્ઞાનમળે
જે શ્રદ્ધા દ્વારા, ઉત્તરરૂપે,
હિન્દુજ્ઞાનના પરિચય માં
ઇન્દ્રિયોનું તિરસ્કાર
છે એવં અતિશાપ સ્વરૂપ
છે. પૂર્વ દેહને નિમિત્ત
માને છે. Negative માને
છે, આપણે જ્ઞાન ને પવિત્ર
અને આધ્યાત્મિક બનાવી
બનાવી દીધું છે. આપણે
જ્ઞાન ને ભૌતિક પરિચય
ની બાહર ઉડાડી મૂકી છે.
જ્ઞાન ધરતી ના યથાર્થ
થી કપાઈ જાય છે

નો લે જ, પાશ્ચેમી જ્ઞાન
સંશય દ્વારા તપાસવા માં આવે
છે, પ્રશ્ન રૂપે. પાશ્ચેમી નો લે જ
ઇન્દ્રિયજન્ય છે, ઇન્દ્રિય નું
celebration છે, એવં આશી-
વર્ધિ સ્વરૂપ છે. પાશ્ચેમ દેહ
ને Positive રૂપે જૂવે છે.
પાશ્ચેમ વૈજ્ઞાનિક અભિગમ
અપનાવે છે, ઇન્દ્રિય દ્વારા મનુ-
ષ્ય સમક્ષ પ્રાપ્ત કરે છે. સમક્ષ
શક્તિ પરિપક્વ થઈ ને જ્ઞાન માં
પરિવર્તિત થાય છે. Know વિના
Knowlege શક્ય નથી. વૈજ્ઞાનિક
માપ દંડો થી પ્રતિપાદિત કરવું પડે છે

આ જગત દુઃખ પ્રધાન છે છતાં શિશુ કેમ હંસે છે, જન્માદ્ય બાલક સ્મિત જોયું નથી, સ્મિતિ મેં ધ્વનિ નથી, હાસ્ય માં ધ્વનિ છે. શિશુ કેવી રીતે સ્મિત કરી શકે છે? સુખ કે HAPPINESS એ જ્ઞાન પછી ની, Knowlege પછી ની સ્થિતિ છે? ખૂબ વિચાર કરેં. I think, therefore I am. હું વિચારું છું. માટે હું છું.

लाल-पीला रंग का भेद, स्पर्श से गरम-ठंडा का भेद, आ स्वर स्त्री ना छे के पुरुष नुं, आंख ना सहाय लीधा विना स्वर (आवाज़) पर थी कान साचा निष्कर्ष पर आवी शके छे। पाप-पुण्य नुं स्टीकर लगाकर आप का जन्म धरती पर नहीं हुआ है।

ध्वनि मांथी स्वर सुधी आववुं, स्वर मांथी अक्षर अक्षरो थी शब्द सुधी, शब्दो थी वाक्य सुधी पहोंचवुं - आ क्रिया मात्र मनुष्य ही आत्मसात करी शका छे। हम बोले आप समझें, आप बोले हम समझें - आ अद्भुत, अभूतपूर्व उत्क्रांति ना चमत्कार छे। संगीत मां गायक नी आवाज़, गुणीजनों नी खामोशी - जहां शब्द-भाषा गौण छे, केवल ध्वनि प्रमुख छे - त्यां सूक्ष्म संबन्ध अर्थ प्रगटावे छे।

(H) पीड़ा तो बधा सद्गुणों नी माता छे। असफलता ना वरेली प्रत्येक निराशा में आग्नि लगा देता हूँ - इसीलिये सदा उज़ाला में रहता हूँ। मेरी कदर करोगे कबर में जाने के बाद।

(I) अमेरिका मां मात्र सगवडो नां साधन वधु छे, बाकी लोगो पुःखी छे। पागलपन, गुनाखोरी, व्यसनो, अनैतिक संबन्धो, सामाजिक दूषणों, हत्या, लूट-फाट वधुं घणुं छे ~~III~~ संत, ज्योतिषशास्त्र

आपनी सुषुप्त शक्तियों नो परिचय करावे छे.

(A) ज्यां भय त्यां भय. ☰ दीवाल पर चिपके हैं इतने इश्तहार अब आती नहीं नज़र मेरे घर की दरार. ऐसा लगता है इस जगत में कुछ आदमी जैसे जमानत पर छूटे हैं और कुछ फ़रार जैसी जिन्दगी जी रहे हैं. ☰ कुछ लोग मेरे हिस्से का सूरज भी खा गये, बड़ा इश्तहार का बोर्ड लगाने से चांद हमारी गली में नहीं आयेगा. ☰ खुदा शब्द छे तो जरूर हशे. अस्तित्व छे तो विचार-शब्द छे. मेरे द्वारा कुछ ऐसा कर के खुदा तने जश मिले. आ क्षण (साक्षात्कार) माटे ज़माना बीती गया, अल्लाह उधार दे तो दुनिया नो क़र्ज पूरा करुं. ☰ आ जगत खुदा ना सर्जन छे तो पण बचा कहां हारा छे.

(B) नारी शक्ति जाग्रत थायतां समाज बदलाय.

(C) Film मां अभिनेता ने ताओं ने खूब फिटकार बरसावे छे अने Electron मां भरपूर प्रशंसा करे छे

(D) मारा कूतरा भाई, तमे सात दिवस मां मथुरा थी दिल्ली आवी गया — केवी रीते — उत्तर — — मारा भाईयो (कूतरा) मारा पीछे पड़ा तेथी 15 दिवस नां सफ़र 7 दिवस मां पूरा कियुं

(503) તમારી અંદર સમસ્ત વિશ્વ રહેલું અને દ્વારપણ ત્યાં છે – ચાવી તમારા હાથ માં છે. તમારા સિવા આપૃથ્વી પર કોઈ નથી જે ચાવી આપી શકે અથવા દ્વાર ખોલી શકે.

(A) જબ હમ ધરતી પર જન્મે તબ જિસ કપડે મેં હમેં રખા ગયા ઉસમેં જેબ નહીં થી ઔર જબ હમ યહાં સે અંતિમ વિદાઈ લેંગે તબ ઉસ કપડે (કફન) મેં ભી જેબ નહીં હોગી.

(B) જશલોક (Hospital) એવં સત્ લોક જાને વાલા રાસ્તા દોનોં આપ કે સામને હૈં – ચુનાવ આપ કો કરના હૈ.

(C) પ્રકૃતિનું સંધીકાલ – નવરાત્રિ પ્રાણશક્તિનું ઉપાસના પર્વ, જિન્દગી એ કુદરતી ઝરણું છે, સુકાયેલું નદીનું પટ નથી, માનવી સુખ-શાંતિ ઇચ્છે છે, જેનો આધાર મન-તન ના આરોગ્ય ઉપર છે. ઋતુઓના સંધીકાલ માં વાતાવરણ બદલાય છે તે સંધીકાલ માં શરીર પર અસર થાય છે જેથી મન પર અસર પડે છે, મન ચંચલ એવં સંવેદનશીલ બની જાય છે. એવા સમયે શુદ્ધ માનસિક સ્વાસ્થ્ય માટે ગરબા-રાસ મદદ મેં આવે છે શક્તિની ઉપાસનાનું પર્વ એટલે નવરાત્રિ. પ્રકૃતિ ને અનાદર કર્યા વિના

એને અનુકૂલ થઈને અપની માનસિક-શારીરિક શક્તિ જાગ્રત કરીને કલ્યાણકારી બનાવા માટે નવરાત્રિના આયોજન હિન્દુ-ધર્મમાં છે.

(504) મૃત્યુ જીવનનાં અંત નથી, અલ્પ-વિરામ છે. પછી શુરુ થાય છે નવજીવનનો ખેલ, મૃત્યુ જીવનનો વિકાસ છે, જીવનનું પ્રતિફલન છે, અંતિમ વિન્દુ છે - નવજીવનનું પ્રારમ્ભ બની શકે છે. મૃત્યુ અપરિહાર્ય છે એટલે ~~ટાલા~~ ટાલી ન શકાય.

The grave buries every error, covers every defect, extinguishes every resentment - મૃત્યુ દરેક ત્રુટિયોને દફનાવી દે છે, દરેક દોષને ઢાંકી દે છે, અને દરેક આક્રોશ ને મિટાવી દે છે. ~~#~~ જહાં ઢાલી સે કામ બને વહાં તલવાર મારવાની શી જરૂરત ?

(A) અબ તો ઇસ શહર મેં હર ઇંશાન ખુદા હી નજર આ રહા હૈ. ~~#~~ જહાં ભી હૂં મૈં તેરે સામને હૂં. કહીં નીંદ આ ગયી હૈ પત્થરોંપર, કહીં રેશમ કે બિસ્તર જાગતે હૈં.

(B) સંપૂર્ણ વિચાર, સફલ જીવન.

(C) તુમ શરાબ પીને સે નશે મેં થે, મૈં મુસ્કે કે નશે મેં તુમ કો થપ્પડ મારા.

(505) मेरे दिल के किसी कोने में, अेक मासूम सा बच्चा, बड़ों की दुनिया देख के, बड़ा होने से डरता है।

मात्र माहिती ओ मेलवा थी शिक्षण मली जतुं नथी परम पुरुषार्थ क्या? जानने के बाद कुछ जानना बाकी न रहे। बालपण थी मनुष्य जिज्ञासु होय छे। ज्ञान पवित्र छे. आजे शिक्षण नहीं, माहिती अपाय छे, विद्या नहीं सूचनाओ अपाय छे.

Our educated community is not a cultured community, but a community of qualified candidates — आपणो शिक्षित वर्ग सुसंस्कृत वर्ग नथी, पण डिग्रीधारी उमेदवारो नो वर्ग छे. बच्चा शिक्षण नुं ध्येय छे मनुष्य नो विकास. A teacher affects eternity, he can never tell where his influence stops. (शिक्षक अनंत काल ने प्रभावित करे छे — शिक्षक के प्रभाव में विराम नहीं है आचार्य के हाथ में ते शक्ति छे जे प्रधानमंत्री के हाथ में आज सुधी आवी शकी नथी.

We must develop teaching scholars, not teaching technicians. Moreover we must give teachers that salary, prestige &

backing enable us to attract the best minds to this honoured Profession. Om

Joke – There is charge-sheet on Rajiv Gandhi – but who will go summon him

(A) एक व्यक्ति सपने में मृत्यु देखा, जागा, घोड़ा पैर बैठा, बहुत दूर घर से निकल गया – फिर प्रसन्न हुआ यहां मृत्यु देवता कैसे पहुंच सकेंगे – यह विचार ही कर रहा था कि मृत्यु देवता का पंजा दिखलायी पड़ा – मृत्यु देवता ने कहा कि मैं भी चिन्तित था कि इतनी दूर से समय पर आप कैसे आ सकेंगे. आप की मृत्यु इसी स्थल पर है और आप समय पर आ पहुंचे हैं – समझें – विचारें

(B) Do little wrong to do a great.

(C) Joke – 12 Rs. में 12 केला. ओ छुं न करशो? हां, तो 12 में 10 केला लेलो (हसाहस)

(D) उत्तम संस्कार, उत्तम विचार ही आप का पथदर्शक है. संकल्प की ज्योत हृदय में जलाओ

(E) बालक के हाथ में छरी. छे, छोड़ो छोड़ो न करो. विस्फोट आपो, छरी बालक आपो आप छोड़ देगा. जूना जूमाना ना गाम, पावड़ा से अंधेरा उचके, समझदार बहू ने दीपक जलाकर परिवार

को समझ दी कि अंधेरा उलचने से नहीं, प्रकाश से भागता है. पूरा प्रवचन (समझो)

(506) असत्य अंधकार है. अंधकार में फंसा-येली व्यक्ति प्रकाश जोई शकती नथी.

(A) मोतीलाल ने हंस — शरदी खूब थी, खादी की बनी रूमाल से नाक साफ़-साफ़ करते करते लाल हो गयी — किसी ने पूछा — जवाब दिया मोतीलाल ने — गांधी के राज में किसी को शरदी नहीं होगी क्योंकि नाक ही नहीं रहेगी तो फिर शरदी कैसे होगी. (हसाहस)

(B) सरोजिनी नायडू की तारीफ़ में एक वक्ता ने अपना भाषण अंग्रेजी में तैयार करवाया. अंग्रेजी में लिखा था The famous Nightingale of India — वक्ता की समझ में उस समय नहीं आया तो अपनी बुद्धि से बोला — The naughty girl of India — The famous naughty girl of India. हसहस.

= = = = = = = = = = =

एक विचार: If you are not using your smile, you are like a

man with million dollars in the bank without check-book जो तमे तमारा स्मित नो उपयोग नहीं (नथी) करता तो अेवा मानस छो के Bank मां लाखो रुपैया छे किन्तु बीजानी मदद माटे निकालवा माटे चेक-बुक नथी हास्य आनंद आपे छे. आनंद ईश्वर का स्वरूप है — आओ, थोड़ी देर वास्ते अपने ईश्वर बन जाइये.

सविशेष

(A) J. क्या जीभ दौड़ती है, नहीं. फिर लोग क्यों कहते हैं — जीभ न दौड़ाओ, पिता जी, क्या आप डरते हैं जो आप मेरी अंगुली पकड़कर सड़क पार करते हैं.

(B) एक हिन्दू धर्म परिवर्तन करके एक हिन्दू का शत्रु अधिक हो जाता है.

(C) आप सारी जिन्दगी की परेशानी उठाने के लिये तैयार हो रहे हैं तो मैं थोड़ी देर के लिये परेशानी उठाकर आप की लगन में आऊँगा.

(D) चांदनी चौक में खड़े होकर आप अपने घर की दिशा नहीं बता सकते तो फिर कैसे समाज-देश को दिशा देंगे:

(50) I विहार का रास्ता आप के चेहरे जैसा बना दूंगा — परन्तु भविष्य में आप का चेहरा विहार के रास्ते जैसा भी बन सकता है,

AJ विशेष व्यक्ति के मरणबाद टपाल टिकिट बाहर पड़ती होय छे आ भ्रांत जेवी छे.

BJ कारमालिक अपनी कार का द्वार तभी खोलता है — कार नवी रो अथवा व्यक्ति नवा हो.

CJ कुल संपत्ति पर स्त्रीओ एक टका मालिकी धरावे छे — परन्तु विचार करो शेष 99% टका संपत्तिवानों पर स्त्रीओ मालिकी धरावे छे.

DJ राजा ने आप सब को जो भेंट दी है वह बाजार में आसानी से मिल सकती है, परन्तु मुझे जो मिली है वह राजा की तरफ से अण-मोल भेंट है — यह राजा साहेब की निजी कीमती पोशाक है (मजाक में राजा ने गधे की पोशाक दी थी). चतुरायी से राजा का मजाक राजा को ही शर्मिन्दा किया. समझो.

भय

भय से, चिन्ता से आप हानि में जी रहे हैं. भय अटले अपेक्षित हानि, भय एक मानसिक अनुभव छे. हृदय बधारे जोर थी

चाब के छे. लोही अने श्वास वधारे गति थी दौड़े छे. जेथी रक्त ने वधारे विपुल अनुपात मां O2 मिले. Anxiety and worry — worry अेटले भविष्य ना अपेक्षित पुः स्थिति ओ तरफ नो प्रति भाव. Fear, Anxiety and worry सगो ची शब्द छे. कोई अप्रिय घटना घटवानी छे — आ अेहसास से चिन्ता ना जन्म थाय छे. जाग्रत तो ठीक किन्तु चिन्ता स्वप्न में भी छोड़ती नथी.

(508). B. P. मापवानो एक रस्तो छे. मेरे से उधार लेकर मौज-मजा करते आदमी को देखना. आज कल गरीब ने छोकरा पोषाय, अमीर ने नहीं. शिक्षण पैसा बनाना नहीं सीखाता, पैसा बनाने के बाद शुं करवुं ते शिखावे छे. अेकरार (स्वीकार) करवो आत्मा माटे सरस अने आबरू माटे खराब छे. पैसा सुख शांति सिवाय बधु आपसे. विवेक शुं बोलवुं, शुं करवुं ते सीखा-वे छे अने बुद्धि चतुरायी, होशियारी सीखवशे. प्रमाणिक जीवन जीने के लिये स्पर्धा Comp-e tition, होतो नथी.

जीभ अने हृदय दिमाक की मदद विना भी काम करते हैं. शाकाहार से खूब सूरती बढ़े छे आ बात साची परन्तु गंडा, हां थी जोया पछी विचार बदलना पड़ेगा.

(509) दुनिया तमारा माटे शुं विचारशे - आ विचार न करो - कारण बधा तमारा विचार नथी करता. मौन सोने री छे तेथी मोंघु छे. दूसरी जगह जल्दी पहुंचनेवाला दूसरी दुनिया में पहुंच जाता है.

AJ - मैं बाजार चार वस्तु लेने जाता हूँ - दो ही ला-ता हूँ - भूल जाता हूँ, और मैं सीढ़ी उतरते समय भूल जाता हूँ के नीचे जाना है के ऊपर जाना है. Joke - आप देखें रसोड़ा में से आप रिमोट द्वारा चेनल बदल सकते हैं - गृहणी ने फरियाद की - बार-बार चेनल बदलने के लिये रसोड़ा में जाना पड़ता है - (विचित्र सम झ)

(B) शरीर थककर झुक गया है - आप को धोखा हो रहा है कि मैं सजदे में हूँ

(C) Why you are chasing me - चलन खाना है! No. today I am on fast - आज मेरा उपवास है

(D) ध्यान ओ तो मृत्यु साथे नां जंग छे, जे मनुष्य जिन्दगी मां मार्ग नथी काढ़ी सकतो ते केवी रीते उस पार जा सकेगा, मार्ग निकाल सकेगा. जे लोको संसार मां नबला

पूरवार थाय छे ते लोगो साधना मां लांबा सुधी टकी शकता नथी, निद्राधीन व्यक्ति जगाने की बात करे तो हंसना ही आवेगा.

(10) ध्यान, त्राटक, जप से, अभ्यास — वैराग्य से मन पर विजय प्राप्त करो.

(A) शंकर ने श्वसुर दक्ष प्रजापति को परेशान किया है

(B) कुदरती गुलाब का फूल उगेगा, खिलेगा, एवं खरेगा — परन्तु प्लास्टिक का फूल सर्वदा बना रहेगा — ज्यादा से ज्यादा धूल साफ करनी होगी, मनुष्य को अनिश्चितता ही परम सत्य की खोज की प्रेरणा है

(C) इस शहर में सब को कहां मिलती है रोने की जगह, अपनी इज्जत भी हंसते हंसाने से रही.

(D) लकीरों ना रहस्य पामवा खातर, हथेली ना वनो में कौन भटके छे. खुली हथेली मां छे रेखाओ आंचली, थोड़ं घणुं तो मुट्ठी उघाड्या वगैर मले

(E) जीवन की सबसे महत्वघटना है अपेक्षा का अस्त होना, ईश्वर अवतार लेगा, सब ठीक हो जावेगा, अपने को कुछ करना नहीं है, केवुं निद्रासन. पात्रता विना परमेश्वर नो अनुग्रह प्राप्त थतो नथी. कृष्ण की गेर हाज़री में शकुनि

का पग-पसारा हो रहा है। अपहरण विमान का नहीं, देश के स्वमान का हुआ है।

(A) अच्छा कुत्ता भी पागल कब बन जाय- कहा नहीं जा सकता है। लक्ष्मी से प्रारब्ध है, नारायण से पुरुषार्थ है।

(B) जे बाल कपाई गया है तेनी गणतरी करवा से शुं पायदो- अत्यारे जे छे ते विचार करो। वालंद भी कोई बाल को ठीक नहीं करता है- जे छे ते ठीक करे छे।

(C) किस्मत देखो, कैसी - कुछ लोग गरीबी के कारण खा नहीं सकते और कुछ लोग रोग के कारण खा नहीं पाते।

(D) सत्संग में सब बैठते हैं किन्तु सत्संग आप के मन में बैठना चाहिये।

(E) सबसे बड़ा Smile है क्यों कि इसमें Mile है।

(F) Ignorance is a Bliss, Knowledge is blissful. It is also a knowledge that I am ignorant.

(G) जो आज जाने वह आत्मा जो कल को जाने वह महात्मा।

(510) पदयात्रा का अर्थ है आत्मा का परमात्मा से मिलन की विधि और रथ-यात्रा का अर्थ है परमात्मा की यात्रा आत्मा से मिलन की विधि।

(A) नक्शा फट गया - बच्चे ने जोड़ दिया, पिता ने जोड़ देखकर बच्चे से पूछा - इतनी जल्दी कैसे जोड़ दिया - बच्चे ने जवाब दिया - भारत के नक्शे के पीछे एक आदमी था उस आदमी को जोड़ दिया नक्शा (भारत) जुड़ गया।

(B) क्रोध नियंत्रण मोटे प्रभावकारी उपाय - "अगोचरी मुद्रा" - नासाग्र पर ध्यान - गीता के छठे अध्याय का तेरहवां श्लोक देखें।

(C) बड़े होकर सब कुछ जानने की चेष्टा करते हो, परन्तु आत्मा मोटे?

(D) ~~[illegible]~~ हाथ पर दही नहीं जमता।

(E) मैंने वृक्ष से पूछा - भगवान के बारे में कुछ कहो - उत्तर में - वृक्ष खिलखिला के हंस पड़ा।

(F) प्रेम आंख थी नहीं, हृदय से जूवे छे तेथी प्रेमना देव ने Blind आंधलो कहवाय छे.

(511) समय को दीवाल पर खोजा नहीं, समय के मार्ग पर रुका नहीं, समय की पवन को श्वास में रोका नहीं समय से मुक्त होकर लक्ष्य की ओर सदा बढ़ता रहा।

(A) मानव वही का वही है जीवन बदलता है, उपवन में भी सुमन बदलाय छे, स्मशान सनातन छे — लाश अने कफ़न बदलाय छे.

(B) नदी, पर्वत, वृक्ष, कामधेनु, जहरीला नाग जिस हाथ से पूजा जाता है उसी हाथ से मानव आजे मानव पर कफ़न ओढ़ावे छे.

(C) प्रकाश-प्रेम ना दिवस ही स्मरण योग्य छे

(D) संघर्ष लावे येवा अधिकार ने त्याग करो तुम स्वयं अपने सामने मुश्किली पैदा करते हो। दूसरा तभी तुम्हारे पर शासन करता है जब तुम अपने पर शासन नहीं करते।

(E) चिन्ता ना चश्मा मांथी दरेक मुश्कली मोटी अने भयानक लागे छे.

(F) प्रेम नी जीभ आंखों मां होय छे.

(G) लोहखंड, अखंड, नीरखंड — त्रणखंड छे

(J) बड़ा होकर मैं Pilot — बनूंगा क्योंकि मेरा पिताजी कहते हैं — "मैं पृथ्वी पर भार हूँ"

Joke मेरी गाड़ी Furniture हुयी इसमें विरोध पक्ष का हाथ है — Driver ने कहा कि विरोधपक्ष को खील है.

(512) रडतो मानस मुआ नी खबर आप छे.

(A) मुश्किलियों का श्रृंगार करके अपने को सजाओ, सफलता माला बनकर आप की होगी,

(B) मांगने के लिये हाथ लंबा न करो, दोस्ती वास्ते हाथ लंबा करो.

(C) विज्ञान कहता है मानव शरीर मां लगभग बे लाख जनीन (जीन्स) छे. केटला रोग जीन्स नी खराबी के कारण होता है, (खामी ने कारण थाय छे). येक जीन्स खामीयुक्त होय तो अनेक रोग थाय छे. जैसे Kidney का प्रत्या-रोपण है वैसे जीन्स का भी प्रत्यारोपण संभव हो गया है. लगभग 200 दर्दीयो पर प्रयोग हो चुका है — तबीबी सफलता मिली है. # आज हम सामनेवाले व्यक्ति का इरादा जानने का प्रयत्न करते हैं, परन्तु उसके हृदय की बात समझने की कोशिश नहीं करते हैं

▲ संतों के पास है

(D) सामाजिक, धार्मिक समस्याओं का समाधान ▲

(513) अपने कर्म मंदिर में, बाग-बगीचे में पुजारी रखें, चौकीदार नहीं।

(A) हमें प्रभु-निष्ठ बनना है, शेठ-निष्ठ नहीं समृद्धि एवं कीर्ति हम समाज में बढ़ावें

(B) संकल्प से क्रियाशक्ति उत्पन्न थाय छे संकल्प पछी कृति. स्मृति का संबन्ध कल से है, संकल्प का संबन्ध आज से है।

(C) जीस कर्म के पीछे बुद्धि, विवेक, विचार नथी ते गुनाह नथी बनतो दा. त. अंध में किसी को लात मारने से गुनाह नहीं बनता है. नशा में, पागलपन में गुनाह नहीं बनता है.

(D) भगवान की कथा सुनने से कोई भागवत नहीं होता है - भगवान का हो जाना ही भागवत है. भोजन के वर्णन से भूखा मानस तृप्त नहीं होता है. स्तुति भगवान नी खुशामद नथी, अपनी अवस्था बदलवा माटे छे. भागवत होना ही महान होना है - यह आध्यात्मिकता है

(E) जीवन विकास (विकास) ना त्रण अंगो छे - शरीर, मन, वाणी.

(F) मिलेगा फिर देखूंगा - यह विचार मत करो. श्रेष्ठ प्राप्त करूंगा - यह विचार हो।

(3) भीति से भक्ति न करो, भाव से करो.

(4) राम-कृष्ण की फ़ोटो ले जाओ - अर्थ है राम-कृष्ण का दृष्टिकोण, विचार लेकर जाओ. किसी का जूता-चप्पल न ले जाओ.

(5) जे जन्म आपे ते माता, जे संस्कार (संस्कार) आपे ते पिता.

(6) मानव वृत्ति है - प्रत्येक मानव अच्छी चीज़ अपने पास रखना चाहता है - फ़िर किस से मांगो - - भगवान से मांगो.

(7) काम पूरा करवाना, मजूरी ओछी देना ही मूडीवाद है - आजे मानस मूडीवादी थयी गया छे

(8) यज्ञ अेटले सत्कर्म. आप का सन्मान शुभ कार्योनी स्वीकृति छे

(9) कौन विराने में देखेगा बहार फूल जंगल में खिले किन के लिये ?

(10) नवी मूर्ति बनाना आसान, नवा चित्र बनाना आसान; परन्तु बेडोल मूर्ति, विकृत चित्र को फ़िर से ठीक करना बहुत कठिन! समझें

(11) मार्ग भूलेला पथिक ने सुधारवा माटे हमें उभा रहना है. सेवक राजा का पग

चंपी करे छे — सोने की अंगुठी पग से निकालता है — राजा जान कर अनजान बना — दूसरे दिन नवी अंगूठी पग में देखकर फिर से निकालना चाहा — राजा तुरन्त जागा और प्यार से कहा — कल मजबूरी थी परन्तु आज लालसा से निकाल रहे हो — मजबूरी और लालसा में अंतर है. मजबूरी में माफी है — लालसा में सजा है — हमें कहानी का भाव समझना है

(1) जो कुछ पास है उसमें आनंद में रहने वाला सर्वश्रेष्ठ श्रीमंत है. जिस परिवार में संपत्ति ना संचय थाय छे परन्तु संतोष-आनंद ना वातावरण नथी ते पतित थयी जाय छे.

(3) मानस आजे समाज मां देखाव युधिष्ठर ना करे छे अने दोस्ती दुर्योधन से रखना चाहता है.

(4) संबन्धों ना वृक्ष उपर विश्वास नु फूल बेसवानी घटना अटले प्रेम.

(5) भौतिकता नी दौड़ मां श्वास चढे तो प्रेम-सेवा अकसीर छे; निष्फलता नी खाई में से सफलता के शिखर पर पहुंचना हो तो संकल्पवान बनो

(514) मारी देव Intelligent - मानसो जोई
परखानी देव छे - परन्तु मारी अेवी देव नथी
(B) परमेश्वर में श्रद्धा - विश्वास जरूरी किन्तु
अपनी गाड़ी में Lock लगाना भी जरूरी।
(C) सद्भाग नी इमारत मानव स्वयं बनाने
में समर्थ है
(D) Ability & Responsibility - अनुसार
Answer दो. राख (Ash) Anti Deplic है
(E) आप को शक्तिशाली कौन बनायेगा,
सरकार, समाज अथवा स्वयं - स्वयं बने.
(F) अंगूठी, चूड़ी, नेकलेस, झांझर ये सब नारी
की बेड़ीयां हैं - नारी जगत सम झें.
(G) मारा पुत्र लाखों में एक छे. आ शहर नी
वस्ती 45 लाख छे, अेटले तमारे 45 पुत्र छे.
(H) मानस जाय Deposit, रही जाय.
(H) सरलरीते जीने का मार्ग आजे कठिन छे.
(I) अमे अमृत चखाड़ी ने हलाहल जेर पीधा छे
अमारा दर्द नी कोई अहीं खेरात शुं जाणे ?
(J) अंगूठी पर क्या लिखायें - All Rights - Reserved
सर्वाधिकार सुरक्षित - पति ने पत्नी को कहा.
(K) भारत हृदय मां, आंखों मां अमेरिका.

(515) अभी जीवन में कुछ आघात और सहने बाकी हैं — हे मृत्यु, अभी बाप सजा.

(B) आप पड़ोसी को 'जेक्सन' कहीं ने केम बुलाओ छो — सीधे 'पागल' बोलना ठीक नहीं;

(B) आप बार बार पीछे क्यों देखते हैं; पश्न-पत्र पर लिखा है, 'पाछल जुओ.'

(I) संकल्प एवं समर्पण — प्रभु-प्राप्ति का मार्ग.

(E) टूंका कपड़ा पहनो, टूंका दृष्टिकोण-विचार न रखो, न करो,

(G) स्वाभिमान, रेशाभिमान का का आज दुकाल दिखायी पड़ रहा है.

(J) आज तमे पूरी मार्केट में से टमेटो, रेगना, इडा खरीद लिया है, हाँ, क्योंकि मेरी पार्टी के बड़े नेता जो आज आनेवाले हैं।

(A) अज्ञात की तलाश में आकर्षित है.

(I) वादा-वचन Bank का चेक जैसे है — — बाउन्स होने की संभावना भी है, ध्यान रखें

(J) निन्दा गटर छे, वाणी ना माप छे, हलका मन नुं आरसी छे. निंदा वह ताप है जो प्रेम को सुखा देती है

(K) अनुमान ठीक है — परन्तु विवेकपूर्वक हो.

(516) गंगा बहती नहीं, गंगा बहायी गयी है.

(A) Self-Medication — स्व-चिकित्सा

(B) Nothing to worry, Captain, you can ask authorities concerned to make your wife captain? Lal says.

5, 14, 23

(1) स्वामी मनीषानंद — 14 जन.
(2) राम कृष्ण परमहंस — 5 फरवरी
(3) नेता जी सुभाषचन्द्र — 23 जन.
(4) जवाहर लाल नेहरू — 14 नवं
(5) Dr. राधा कृष्णन — 5 सेपटेंबर
(6) आल्बर्ट आइन्सटाइन — 14 मार्च
(7) लोनेन — 23 April
(8) Shakespeare — 23 April
(9) कार्ल मार्क्स — 5 May
(10) लोकमान्य तिलक — 23 July
(12) चित्तरंजन दास मुंशी — 5 Nov
(13) राजकपूर — 14 Dec
(14) संजय गांधी — 14 Dec
(15) चौ. चरण सिंह — 23 Dec

(577) महिलायें — किसी शरारती ने 'म' मिटा दिया था — हिलायें हो गया था. एक सज्जन सीट हिला रहे थे — कंडक्टर ने पूछा तो जवाब मिला — लिखा है — हिलायें — जोका।

(A) दादा अखरोड खायेंगे — हंसने लगे — बत्तीसी गिर गयी — हंसने लगे. हां, बेटा दांत नकली है परन्तु हंसी असली है

Joke: (A) शराबी एक शराबी से पूछता है — तू नरक अथवा स्वर्ग में कहां जाना पसंद करेगा. जवाब = तुझे जहां जाना है, जा. शराब पीने के बाद मैं कहीं नहीं जा सकता.

(B) दादाजी, सिर का बाल सफेद और मूंछ काली क्यों है. 20 वर्ष का फरक है जो.

चिन्तन

(A) मालिक को सुखी होना है तो आंख पर हाथ रखे. नौकर को सुखी होना है तो कान पर हाथ रखे. चीरज तमाम आनंद और ताकात का मूल है. तिरस्कार का सर्वश्रेष्ठ जवाब चुप रहना है.

(5.18) आम्र-वृक्ष एवं कंटकवृक्ष (विचार करो)

(A) शब्दार्थ को सूचितार्थ में लाओ और समझो.

(B) व्यक्ति खराब नथी, निष्क्रिय छे.

(C) परमेश्वरना गुणगान करो और परमेश्वर का काम भी करो = माता-पिता की पूजा करो - माता-पिता जो चाहते हैं वह भी करो.

(D) जीवन में कायरता नहीं, उदारता लाओ

(E) ठंडी-गरमी - शरीरधर्म, सुख-दुःख - मनधर्म, मान-अपमान - बुद्धिधर्म - समझकर सहन करना 'तितीक्षा' है.

(F) आज साबू की कीमत बढ़ती जा रही है और आदमी की कीमत घटती जा रही है.

(G) भीख में भगवान नहीं मिलता है.

(H) व्यापारी केन्द्रो देश नुं हृदय छे. समृद्धि माटे मूल चार पाया छे - (1) मूडी, आयोजन, (3) विज्ञान (टेक्नीक) अने श्रम = आ चार स्तंभ छे अने आ चार नी उपेक्षा थाय तो सफलता नहीं मळे.

(I) माल भरते जाओ, ऊँचा हो जायेगा किन्तु जब हाथ लारी चलेगी तब खाड़ा होता जावेगा.

(J) लज्जा से मुख लाल करो, रंग से नहीं.

(J) पग नां काम शुं छे, न कामा लटका करे छे - आजे कोई पैदल नहीं चलता - (Joke)

(619) मौन अने विस्मरण = सर्वश्रेष्ठ छे विस्मरण. भूत का भार माथे पे रख कर आप नहीं चल सकते. मृत शरीर का जल्दी से जल्दी अग्नि संस्कार कर दो. कैलेन्डर जोता जोता जिन्दगी जीवाती नथी.

(A) आप की समझ में स्वामी जी साथी बनना चाहते हैं जीवन शून्य बनाकर अर्थपूर्ण बनाओ

(B) मगज को शक्तिशाली बनाने के लिये शुद्ध पर्यावरण एवं एकाग्रता की जरूरत होती है.

(C) मगज को Protein चाहिये, Carbohydrate नहीं. सफलता माटे सशक्त मन चाहिये.

(D) रावलपिन्डी एक छे छेतरपिन्डी अनेक होय छे.

(E) आप बहुत झुककर क्यों लिखते हैं — जग में पानी कम हो तो आचीक झुकाना पड़ता है — लेखक ने कहा.

(F) आप 85% लेकर प्रथम आये हैं — हाँ, मुझे 95% का मिलना था — इसलिये खुशी नहीं है

(G) I am a Saint by choice (स्वेच्छाये हुं संत छुं)

(H) माता-पिता आप को कितना संभालते हैं — यह प्रेम का ही स्वरूप है.

(20) तमे पोताना माटे जीवा मांगो छे – तेथी तमे निराश छो. संयोगोनो दोष मत दो. बीजा ना मशाल सहारे न चलो. अपनी मशाल हाथ में लो. भ्रम में विश्वास रखना परमेश्वर में विश्वास रखना है सच्चे रो तो दब जाओ, सच्चायी जब भी देवे गी निश्चित प्रगट होकर ऊपर आवेगी.

(A) अणुबम्ब ना सर्जक का नाम छे – ओपन हेमर

(B) मूल कभी कभी शूल भी बन जाती है.

(C) मैं जानता हूँ आप निर्दोष हैं – परन्तु समाज को निर्दोष लागवु जरूरी छे

(D) डिवोसी निर्दोष छे अगर तो लग्न के मन नहीं ?

(E) जंगल में आग लगने से अपंग भाग नहीं सकता एवं अंधा भाग सकता है, किन्तु समर्थ नहीं – ठीक इसी तरह क्रिया विना नुं ज्ञान व्यर्थ छे, अज्ञानियों ना क्रिया व्यर्थ छे – अपंग और अंधे की तरह दोनों जल कर राख बन जाते हैं.

(F) पशुओं का बचाव मानवजाति का बचाव है.

(G) प्रशंसा प्रमाणिक होय छे, जिगर से निकले छे, निःस्वार्थ होय छे.

(H) सुशामद अप्रमाणिक होय छे, होठ से निकले छे, स्वार्थी होय छे

(52) मेरी जरूरत पर आप ने दिया - यह उदारता नहीं है - मेरे से अधिक जरूरत आप को है फिर भी आप ने मुझे दिया - यह उदारता है.

(A) दाखला न आने से कलम PEN कहीं तोड़ी नहीं जाती.

(B) दूसरे को दगा देना ही अपनी मृत्यु छे.

(C) फूलदानी में बटाका ना उछेर संभव नहीं.

(D) आप जहां भी हैं वहां परमात्मा पूर्णरूपेण मौजूद है.

Joke) हूं मदद करूं छुं. मारा नौकर मारा कमरा नी सफाई करवा आवे छे ते समये हुं पग ऊपर करी लेऊं छुं - आ री ते मदद करूं छुं.

(A) लांच खावा थी पेट भरातुं न थी.

(B) तुमने करोड़पति के घर चोरी क्यों की? भिखारी के घर चोरी करने से क्या मिलता?

(C) पानी बचाओ, पानी बताओ.

(D) मि. कुक भारत आ गये - कुछ तो पका होगा

(E) बीजा तमे सुखी नहीं बनावी शके. तमे जेवा छो ते प्रमाणे तमारा समाज छे. कर्तव्य पालन में सुख चाहनेवाला निष्फलता प्राप्त करेगा.

522 राग-द्वेष, निंदा-दोष के लिये बुद्धि की जरूरत नहीं है, नहीं त्याग की जरूरत है.

(A) व्यवहार में चपलता, चतुरायी, चोकसायी से सफलता मिलती है.

(B) तक हाथ से निकल जाने के बाद की मति लगती है. एक सिगरेट 10 मिनिट नी आयुष्य घटाडे. तारों से उछीनी रोशनी लेकर जगमगाना आरोशनी न कहवाय. मेरी इच्छाशक्ति देखकर आंधियां भी हैरान हैं - एक चिराग बुझे छे तो सौ प्रगट थाय छे. सारा देश अंधकार मां डूबे तो भले डूबे, परन्तु सूर्य मारा घर मां जरूर निकलो - प्रकाशे. आजकल अमीरों की चापलूसी करना युग-धर्म बन गया है, ओ ईश्वर, मारा बालको नी रक्षा करजो. शुं पूछो छो मारी तबीयत विशे तमे हथेली मां मस्तक लयीने फरिये छे अमे.

(C) प्यासा-भूखा मानस पाणी-भोजन में विशेष ध्यान रखता है - आध्यात्मिक प्यास-भूख तो जागे?

(D) Joke - आप दूध में पानी मिलाते हैं? हां साहेब, परन्तु हुं चोखायी राखूं छुं - मिनरल वाटर डालता हूं - नल का पानी नहीं.

(D) हाथ में घड़ी है फिर भी समय की कीमत नहीं.

(523) स्तनपान कराने से स्त्रीयों ने Heart-Attack की संभावना ओछी थाय छे.

(A) मार्ग को ही मुकाम न मान बैठो.

(B) गीध मरेला पशु नुं मांस खाय छे, परन्तु आदमी जिन्दा मानस ने खाय छे. अनपढ़ पशु जैसा है पढ़ा-लीवा पशु ही है. चलनेवाले को ही ठोकर लगती है

(C) Mood एवं सुगंध का सीधा संबन्ध है.

(D) जन्म एवं मृत्यु दोनों का आनंद मनानेवाला ज्ञानी संत है. आप अच्छे मानव है अतः सबसे मानवीय व्यवहार की आशा न रखें.

(E) जनूनयुक्त मानसिकता आप की अवदशा का कारण है, मूल में छे. आजे आयोजन नां दुकाल छे. वैज्ञानिक विकास में थोड़ा भय छे — इस भय को स्वीकार करके विकास करो.

(F) रोटला ना बदले रुपैया खातो मानस — — सट्टाबाजी फटकाबाजी अने धोखाबाजी.

(F) विज्ञान = जनीन शास्त्र नी जादूगरी — — मानव शरीर नी मूलभूत माहिती नो खजानो मूकी देतो ह्युमन Human जेनोम प्रोजेक्ट Project — पूराथता लगभग 3500

रोगों ने मूल से नाबूद करवानो शक्य बन से - (डाय बिटीज, केन्सर, B.P जेवा रोगो)

(3) चन्द्र पर पानी शोधवा करता पृथ्वी पर खोजना जरूरी छे.

(4) अभ्यास, अनुभव अने आनंद. (अभ्यास)

(5) नम्रता उगेली होय तो सद्गुण, अने चोटेली होय तो पाप. स्तुति-निंदा दोनों ही उपासना है - ज्ञानी कहते हैं

(6) पोतानुं मूल स्वरूप जे जाणी ले तेज संत, समझदार, सिद्ध, बुद्ध अने पयगंबर छे.

(7) हे युवक, सफलता बाद मी लक्ष्य सामने रखो.

(8) हृदयरोग से बचवा माटे पुस्तकों से प्रेम करो.

(9) मृत्युनुं बीजूं नाम अज्ञान छे.

(10) अनेक प्रश्नो नो जवाब छे तितिक्षा.

(11) ग्राम को न घुमाओ - अपना गाड़ा घुमाओ.

(12) शिक्षण से राष्ट्रभक्ति की भावना उत्पन्न होती है

(13) दीपक अथवा दर्पण बनो.

(14) तमे जन्म मिलाई है, जीवन तुम्हें बनाना है.

(15) श्रद्धा का अर्थ यह नहीं है जो कुछ तुम चाहो परमेश्वर वैसा ही करेगा.

(16) तुम जहां भी हो पूर्ण हो, पर्याप्त हो भले अन्य उपस्थित रहें

(524) साची प्रार्थना अे जीवन छे, साचू जीवन प्रार्थना नाफल छे. हृदय रोग थी बचवा माटे सुंदर पुस्तकें पढ़े.

(A) शिक्षण के शिक्षा?

संतान (माता-पिता सावधान रहें)

(B) सोने से पूर्व 30 मिनिट पिता जागने पर 10 मिनिट माता का प्यार, विचार अपनी संतान को दें। माता-पिता-गुरु का चरण स्पर्श करो - शेष को हाथ जोड़कर प्रणाम करो

(C) अंदर से अपने को बदलो तब समस्यायें खत्म होंगी. मार्ग का चुनाव करो परन्तु समझकर आंतरिक खजाना नी गुप्त चाभी तमारे पास छे सुख, शांति चाहते हो तो गुणग्राहक बनो.

(D) सफलता मिले तो आनंद आवे - हाँ, आनंद में हो तो सफलता जरूर मिलेगी.

(E) हमने कहा एक पैर ऊँचा करो अब left or Right ऊँचा

करना आपका निर्णय है।

(A) किसी ने कहा तुम्हारी पत्नी विधवा हो गयी — प्रथम शादी हुयी नहीं — दूसरी बात तुम जीवित हो फिर पत्नी विधवा कैसे?

(B) You have power of creation and also point of creation.